THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 375 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.8 2080 मंगलवार, 2 अप्रैल-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अगले ढाई महीने जमकर सितम ढाएगी गर्मी : रिजिजू

बोले-लोकसभा चुनाव के वक्त बढ़ेंगी चुनौतियां

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में इस साल अप्रैल के अंत तक और आम चुनावों के दौरा भीषण गर्मी होने का अनुमान है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इसकी जानकारी दी।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले ढाई महीनों में ज्यादा गर्मी बढ़ने का अनुमान है और इसी दौरा देशभर में लोकसभा चुनाव होंगे। इसको देखते हुए सभी को पहले ही तैयारी करना जरूरी हो गया है। किरेन रिजिजू ने कहा कि ज्यादा गर्मी की संभावनाओं को देखते हुए आगामी चुनावों से जुड़े सभी हितधारकों के साथ एक बैठक की है। राज्य सरकारों समेत सभी ने विस्तृत तैयारी की है।

15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में केजरी

*** कोर्ट में पहली बार आतिशी-सौरभ के नाम का खुलासा**

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें अब न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। कोर्ट ने केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा है। ईडी ने कोर्ट में न्यायिक हिरासत की मांग की थी।

अरविंद केजरीवाल की पेशी के दौरान पत्नी सुनीता, आप नेता सौरभ भारद्वाज, आतिशी, गोपाल राय समेत कई नेता मौजूद रहे। बीती 28 मार्च को अरविंद केजरीवाल को कोर्ट ने राहत नहीं दी थी और एक अप्रैल तक के लिए ईडी की रिमांड पर भेज दिया था। ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था।

कोर्ट में पहली बार केजरीवाल ने लिया आतिशी और सौरभ का नाम

ईडी की ओर से पेश हुए एएसजी एसवी राजू ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और जांच को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विजय नय्यर ने मुझे कभी रिपोर्ट नहीं किया। लेकिन वह आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था। केजरीवाल ने साफ कहा कि विजय नायर मुझे नहीं आतिशी और सौरभ को रिपोर्ट करता था। केजरीवाल ने अपने मंत्रियों का नाम लिया है।

केजरीवाल ने जेल में की इन चीजों की मांग :

केजरीवाल पक्ष के वकील ने जेल में कुछ दवाईयां उपलब्ध करवाने के लिए कहा है। साथ ही, तीन किताब की मांग की है, रामायण, हाउ प्राइम मिनिस्टर डिसाइड बाय जर्नलिस्ट नीरज चौधरी, महाभारत। केजरीवाल के वकील ने स्पेशल डाइट की मांग की है। अरविंद केजरीवाल ने अपना लॉकेट, और टेबल चेयर भी मांगी है।

कोर्ट परिसर में बोलीं सुनीता केजरीवाल :

दिल्ली शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजे जाने पर पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि उन्हें जेल क्यों भेजा गया। देश की जनता इस तानाशाही के खिलाफ जवाब देगी।

ईडी ने की न्यायिक हिरासत की मांग

अदालत ने कहा कि वह ईडी को समक्ष स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देती हैं, क्योंकि वह ट्रायल कोर्ट के आदेश के अनुसार हिरासत में हैं। अदालत यह स्पष्ट करती हैं कि उन्होंने याचिकाकर्ता के अधिकार क्षेत्र पर कोई टिप्पणी नहीं की है। ईडी ने न्यायिक हिरासत की मांग की है। एएसजी ने कहा कि केजरीवाल ने अभी तक पासवर्ड साझा नहीं किए है। रमेश गुप्ता और एएसजी राजू वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़े।

ईडी के वकील ने कहा, केजरीवाल नहीं कर रहे जांच में सहयोग

एएसजी राजू ने आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल जांच में सहयोग नहीं कर रहे है। राजू ने कहा केजरीवाल सवालों के सीधे जवाब नहीं दे रहे है। अदालत को ये सब बताने का मकसद है कि ईडी आगे भी केजरीवाल की हिरासत की मांग कर सकते है। राजू ने कहा केजरीवाल सवालों के सीधे जवाब नहीं दे रहे है। अदालत को ये सब बताने का मकसद है कि ईडी आगे भी केजरीवाल की हिरासत की मांग कर सकते है।

28 मार्च को बढ़ी थी चार दिन की रिमांड :

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की ईडी रिमांड चार दिन के लिए बढ़ा दी थी। सुनवाई के दौरान रिमांड बढ़ाने की मांग करते हुए जांच एजेंसी के वकील ने कहा था कि मुख्यमंत्री जांच में नहीं कर रहे सहयोग हैं। मामले से जुड़े कुछ और लोगों से सीएम का सामना करवाना है। ईडी ने रिमांड मांगते हुए कहा कि मोबाइल फोन से डेटा निकाला गया है और उसका विश्लेषण किया जा रहा है। हालांकि 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल के परिसर में तलाशी के दौरान जब्त किए गए अन्य चार डिजिटल उपकरणों का डेटा अभी तक नहीं निकाला जा सका है।

के. कविता की जमानत याचिका पर 4 अप्रैल को सुनवाई

> दिल्ली शराब नीति केस में तिहाड़ जेल में बंद > 15 मार्च को गिरफ्तार हुई थीं

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव की बेटी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता की जमानत याचिका पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। जज कावेरी बावेजा ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई की अगली तारीख 4 अप्रैल दी है। सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने के कविता की ओर से दलील रखी। वहीं ईडी की तरफ से जोहेब हुसैन ने अपनी बात कही।

ईडी ने दिल्ली शराब नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह 23 मार्च तक ईडी की हिरासत में थीं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 26 मार्च को उन्हें 9 अप्रैल तक ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा था। तब से कविता तिहाड़ जेल में हैं। उन्होंने अपने नाबालिग बेटे की परीक्षा को लेकर अंतरिम जमानत की मांग की थी। कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 1 अप्रैल की तारीख तय की थी। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में नियमों का हवाला देकर उनकी याचिका का विरोध किया था।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च को कविता को जमानत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट में जाने का निर्देश दिया था। दिल्ली शराब घोटाले केस में ईडी ने गुरुग्राम से कारोबारी अमित अरोड़ा को 30 नवंबर, 2022 में गिरफ्तार किया था। ईडी के मुताबिक, अमित ने अपने बयानों में टीआरएस नेता के. कविता का नाम लिया था। जांच एजेंसी ने दावा किया था कि कविता 'साउथ ग्रुप' नाम की एक शराब लॉबी की एक मुख्य लीडर थीं। उन्होंने विजय नायर के माध्यम से दिल्ली में आप सरकार के नेताओं को 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। >14

केजरीवाल तिहाड़ जेल पहुंचे, बैरक में अकेले रहेंगे

*** सीएम ने बताया कि विजय नायर आतिशी-सौरभ को रिपोर्ट करता था : ईडी**

**** तिहाड़ की जेल नंबर दो में रखे जाएंगे***

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की शराब आबकारी नीति केस में सोमवार को सीएम अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक के लिए तिहाड़ जेल भेज दिया गया।

वे जेल नंबर 2 में अकेले रहेंगे। 21 मार्च से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े दो मामलों पर राउज एवेन्यू कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

राउज एवेन्यू कोर्ट में ईडी ने दावा किया कि केजरीवाल ने पूछताछ में बताया कि आतिशी और सौरभ भारद्वाज को विजय नायर रिपोर्ट करता था। ईडी ने कहा कि केजरीवाल हमें सहयोग नहीं कर रहे हैं। वे हमें गुमराह कर रहे हैं। इस पर कोर्ट ने पूछा कि ज्यूडिशियल कस्टडी के लिए ये दलीलें कितनी सही हैं? एएसजी राजू ने कहा कि केजरीवाल अपने फोन का पासवर्ड नहीं शेयर कर रहे हैं। हम बाद में इनकी ईडी कस्टडी की मांग करेंगे। ये हमारा अधिकार है। इसके बाद कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। केजरीवाल के वकील रमेश गुप्ता ने कोर्ट से कहा, अरविंद केजरीवाल को जेल में 3 किताबें दी जाएं- गीता, रामायण और नीरजा चौधरी की बुक हाऊ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड।

दूसरा मामला केजरीवाल के जेल से सरकारी आदेश के खिलाफ था। सुरजीत सिंह यादव ने पीआईएल दाखिल कर जेल से सरकारी आदेश देने पर रोक लगाने की मांग की थी। इस पर एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने सुनवाई करते हुए याचिका खारिज कर दी।

स्कीम बनाई तो चंदे के सोर्स पता चले, कोई सिस्टम परफेक्ट नहीं, कमियां सुधर सकती हैं : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी पहली बार इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर बोले। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भी चुनावों में खर्चा होता था। तब कौन-सा पैसा कहां से आया और किसने खर्च किया, इसकी जानकारी नहीं मिलती थी। कोई भी सिस्टम परफेक्ट नहीं होता। कमियों को सुधारा जा सकता है।

पीएम मोदी ने ये बातें तमिलनाडु में दिए एक घंटे के इंटरव्यू में कहीं। प्रधानमंत्री से पूछा गया था कि क्या इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा पब्लिक होने से पार्टी को झटका लगा है? प्रधानमंत्री ने कहा, मोदी ने इलेक्टोरल बॉन्ड की स्कीम बनाई तो पता चल पा रहा है कि कौन-सा पैसा किसने कब और किसको दिया। जो लोग डेटा पब्लिक होने को लेकर हल्ला मचा रहे हैं, उन्हें बाद में अफसोस होगा। पीएम से पूछा गया कि विपक्ष सरकार पर ईडी-सीबीआई के गलत इस्तेमाल करने आरोप लगा रहा है। इस पर पीएम ने कहा- हमने ईडी की स्थापना नहीं की, न ही हमारी सरकार पीएमएलए कानून लाई है। ईडी और सीबीआई को स्वतंत्र रूप से ही काम करना होगा और कोर्ट के तराजू में उसे स्वतंत्र निकलना होगा। >14

'बलपूर्वक कार्रवाई नहीं करेंगे'

कांग्रेस से 1700 करोड़ की रिकवरी पर आयकर विभाग का खुलासा

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि आयकर मामले में लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बलपूर्वक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। आयकर विभाग की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। उन्होंने कहा कि 1700 करोड़ रुपये की रिकवरी के मामले में लोकसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी। आयकर विभाग ने मामले की सुनवाई जून तक टालने की मांग की। मेहता ने कहा कि हम नहीं चाहते कि चुनाव के दौरान किसी राजनीतिक पार्टी के लिए मुसीबत खड़ी करें।

कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी याचिका

आयकर विभाग के नोटिस के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के सामने आयकर विभाग की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपना बयान दर्ज कराया। मेहता ने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक पार्टी है और चूंकि चुनाव चल रहे हैं, ऐसे में हम कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने आयकर विभाग के इस कदम का स्वागत किया।

कांग्रेस ने लगाए ये आरोप :

आयकर विभाग ने रविवार को कांग्रेस पार्टी को नया नोटिस भेजा था, जिसमें 1745 करोड़ रुपये के टैक्स के भुगतान की मांग की गई थी। इसके साथ ही आयकर विभाग कांग्रेस पार्टी को कुल 3567 करोड़ रुपये की रिकवरी का नोटिस भेज चुका है। ताजा नोटिस 2014-15 (663 करोड़ रुपये) और 2015-16 (करीब 664 करोड़ रुपये), 2016-17 (करीब 417 करोड़ रुपये) से संबंधित है। कांग्रेस का आरोप है कि अधिकारियों ने राजनीतिक दलों को मिलने वाली कर छूट खत्म कर दी है और पार्टी पर टैक्स लगा दिया है। कांग्रेस नेताओं से जब्त की गई डायरियों में जो तीसरे पक्ष की एंट्रियां हैं, उनके लिए भी कांग्रेस पर टैक्स लगा दिया गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कर अधिकारियों ने पिछले वर्षों से संबंधित टैक्स डिमांड के लिए पार्टी के खातों से 135 करोड़ रुपये पहले ही निकाल लिए हैं।

सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को भेजा नोटिस

29 अप्रैल तक मांगा जवाब

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा है। गौरतलब है कि सेंथिल को धनशोधन से जुड़े मामले में पिछले साल गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने इस मामले में हाईकोर्ट से राहत न मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुयन की बेंच ने ईडी को नोटिस जारी करते हुए एजेंसी से 29 अप्रैल तक जवाब दाखिल करने को कहा। तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। >14

राहुल के मैच फिक्सिंग वाले बयान पर भाजपा ने दर्ज कराई शिकायत

चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडी गठबंधन की रैली के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के मैच फिक्सिंग वाली टिप्पणी पर भाजपा ने चुनाव आयोग से उनके (राहुल) खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। भाजपा के केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण कुमार ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।

राहुल गांधी के मैच फिक्सिंग वाले बयान पर भड़के केंद्रीय मंत्री :

चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, आज हमने चुनाव आयोग के समक्ष कई मुद्दे रखे। कल रामलीली मैदान पर इंडी गठबंधन की रैली हुई थी। उस रैली में राहुल गांधी ने कई आपत्तिजनक बातें कहीं। उन्होंने (राहुल) कहा कि यहां मैच फिक्स है। उन्होंने कहा कि चुनाव आ0योग में सरकार के अपने ही लोग हैं। ईवीएम के बिना सरकार चुनाव नहीं जीत सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों को छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं ने बोला है कि 400 पार के बाद देश से संविधान को हटा दिया जाएगा। हमें नहीं मालूम कि किस कार्यकर्ता ने ऐसा कहा है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, उन्होंने (राहुल) सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और इंस्टाग्राम पर भी पीएम मोदी की तस्वीर शेयर की और आरोप लगाया कि पीएम मोदी ने कहा है कि वह दुष्कर्म करने वालों को बचाने के लिए अपनी जान दे देंगे। हम उनकी हताशा को समझ सकते हैं। उनका इंडी गठबंधन टूट रहा है। हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि उनका दूसरा मुद्दा पश्चिम बंगाल को लेकर था। उन्होंने कहा, जब संदेशखाली में हिंसा हुई तो कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार का कार्यतंत्र पक्षपाती है और उनसे निष्पक्ष तरीके से जांच करने और कार्रवाई की उम्मीद नहीं की जा सकती है। इसके बाद ईडी वहां पहुंची। कल उन्होंने (राज्य की एजेंसियां) राज्य की स्वास्थ्य योजना के माध्यम से प्राप्त हमारे कार्यकर्ता का व्यक्तिगत डेटा एक्स पर पोस्ट किया।

भाजपा नेता ने इसे निजता का उल्लंघन बताया है। उन्होंने आगे कहा कि इससे भी गंभीर बात यह है कि इससे लोगों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। हमने यह मुद्दा भी उठाया और इसे आगे तक ले जाएंगे। बता दें कि इंडी गठबंधन की रैली में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पीएम मोदी इस लोकसभा चुनाव में मैच फिक्सिंग की कोशिश कर रहे हैं, जिससे कि भारी बहुमत से चुनाव जीतकर संविधान खत्म किया जा सके।

भारत का रक्षा निर्यात पहली बार 21 हजार करोड़ रुपये के पार

रक्षा मंत्री ने पीएम मोदी को दिया श्रेय

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत का रक्षा बजट पहली बार 21 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर यह जानकारी दी। राजनाथ सिंह ने लिखा कि ये बताते हुए बेहद खुशी महसूस हो रही है कि भारत का रक्षा निर्यात अभूतपूर्व तरीके से बढ़कर 21 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत का रक्षा निर्यात पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 21,083 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए प्रयासों के चलते भारत के रक्षा निर्यात में यह ग्रोथ देखी गई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे रक्षा उद्योग, जिसमें निजी और डीपीएसयू भी शामिल हैं, ने हाल के वर्षों में शानदार काम किया है। रक्षा निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए सभी शेयरधारकों को बधाई।

कर्ज पर सीलिंग : सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार की याचिका पर दिया आदेश

मामला पांच जजों की संविधान पीठ को भेजा

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कुल उधारी की अधिकतम सीमा से जुड़े मसले पर केरल सरकार की ओर से दायर वाद को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेज दिया है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने राज्य सरकार की याचिका पर आदेश पारित किया है। याचिका में केंद्र पर कर्ज की सीमा तय कर राज्य के वित्त नियमन के लिए अपनी 'विशेष, स्वायत्त और पूर्ण शक्तियों' के इस्तेमाल में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया है। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 293 का हवाला दिया जो राज्यों द्वारा उधार लेने से संबंधित है और कहा कि इस प्रावधान पर अभी तक शीर्ष अदालत की ओर से कोई प्रामाणिक व्याख्या उपलब्ध नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत दायर एक मूल मुकदमे में, केरल सरकार ने कहा है कि संविधान राज्यों को विभिन्न अनुच्छेदों के तहत अपने वित्त को विनियमित करने के लिए राजकोषीय स्वायत्तता प्रदान करता है, और कर्ज सीमा जैसे विषय राज्य के कानून द्वारा विनियमित होते हैं।

'ज्ञानवापी के तहखाने में जारी रहेगी पूजा'

हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद ज्ञानवापी में व्यास जी के तहखाने में पूजा जारी रहेगी। वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी के व्यास जी के तहखाने में पूजा-अर्चना करने की अनुमति प्रदान की थी। इसके खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हालांकि हाईकोर्ट ने जिला अदालत के फैसले पर रोक से इनकार कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले पर रोक से इनकार कर मस्जिद कमेटी को बड़ा झटका दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का यथास्थिति बनाए रखने का आदेश :

सोमवार को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कि 17 जनवरी और 31 जनवरी के आदेशों के बाद भी मुस्लिम वर्ग द्वारा ज्ञानवापी में नमाज अता की जा रही है। वहीं हिंदू पुजारी द्वारा भी तहखाने में पूजा की जा रही है। ऐसे में यथास्थिति को बनाए रखना सही है। सुप्रीम कोर्ट ने अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की अपील पर हिंदू पक्ष को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ मसाजिद समिति ने सुप्रीम कोर्ट का किया रुख :

दरअसल बीती 31 जनवरी को वाराणसी की अदालत ने अपने एक आदेश में हिंदू श्रद्धालुओं को ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने में पूजा अर्चना करने की अनुमति दी थी। वाराणसी की अदालत के इस फैसले के खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी द्वारा हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि हाईकोर्ट ने कमेटी की याचिका खारिज कर दी और जिला अदालत के फैसले को बरकरार रखा। अब हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

जिला अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा नामित एक पुजारी द्वारा व्यास जी के तहखाने में पूजा-अर्चना की जाएगी। जिला अदालत में याचिका दायर करने वाले पुजारी ने बताया कि उनके दादा व्यास जी दिसंबर 1993 तक तहखाने में पूजा-अर्चना करते थे। हालांकि बाद में इस पर रोक लगा दी गई। जिला अदालत के आदेश के खिलाफ मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद कमेटी को पहले हाईकोर्ट जाने को कहा। अब मसाजिद कमेटी को हाईकोर्ट से निराशा मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लगा है।

सुप्रीम कोर्ट का भोजशाला में एएसआई सर्वे पर रोक से इनकार

कहा-विवादित स्थान का चरित्र न बदलें

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भोजशाला परिसर में साइंटिफिक सर्वे पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित पुरातन भोजशाला पर हिंदुओं के साथ-साथ मुस्लिम भी दावा करते हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि एएसआई सर्वे के नतीजे के आधार पर उसकी अनुमति के बिना कोई फैसला न लिया जाए। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि विवादित परिसर में ऐसी कोई भौतिक खुदाई हीं होगी, जिससे उस परिसर का चरित्र बदलता हो।

हिंदू भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानते हैं। वहीं, मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद मानते हैं। 11वीं सदी के इस परिसर को पुरातत्व धरोहर माना जाता है। एएसआई ने 7 अप्रैल 2003 को एक व्यवस्था बनाई थी। इसके तहत हर मंगलवार को हिंदू यहां आकर पूजा करते हैं। वहीं, शुक्रवार को मुस्लिम यहां नमाज पढ़ते हैं। मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बैंच के 11 मार्च के साइंटिफिक सर्वे के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस पर जस्टिस ऋषिकेश रॉय और पीके मिश्रा की बेंच ने केंद्र, मध्य प्रदेश सरकार, एएसआई और अन्य को नोटिस जारी किए हैं। बेंच ने कहा कि चार हफ्ते में जवाब के लिए नोटिस जारी किया जाए। सर्वेक्षण के नतीजे के आधार पर सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना कोई फैसला न लिया जाए। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि विवादित परिसर में ऐसी कोई भौतिक खुदाई हीं होगी, जिससे उस परिसर का चरित्र बदलता हो।

सर्वे का 11वां दिन :

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश पर भोजशाला में सोमवार को 11वें दिन भी सर्वेक्षण जारी रहा। वरिष्ठ एएसआई अधिकारी सुबह सात बजकर 55 मिनट पर विवादित स्थल पहुंचे। पुलिस ने सारी व्यवस्था अपने हाथ में ले रखी है। सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए गए हैं। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला लंबे समय से विवाद में रही है। करीब 800 साल पुरानी इस भोजशाला को लेकर हिंदू-मुस्लिम मतभेद हैं। >14

आप का भी होगा कांग्रेस जैसा हाल?

हाइलाइट्स

> ईडी अब पीएमएलए कानून के तहत आप को कथित शराब घोटाले में मुख्य आरोपी बनाने की तैयारी में है.

> इससे ईडी के लिए आप के बैंक खातों और संपत्तियों को कुर्क करने का रास्ता साफ हो जाएगा.

> अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस के बाद आप को भी पैसों की तंगी से जूझना पड़ सकता है.

शराब नीति मामला बना जी का जंजाल खाता सीज़ करने की तैयारी में ईडी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के लिए शराब नीति केस गले का बड़ा फांस बन चुकी है. अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जैसे आप के शीर्ष नेता इस मामले में पहले से जेल में हैं. वहीं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आम आदमी पार्टी को ही मुख्य आरोपी बनाने की तैयारी में है. न्यूज18 को पता चला है कि ईडी की इस तरह की कार्रवाई से एजेंसी के लिए आप के खातों और संपत्तियों को कुर्क करने का रास्ता साफ हो जाएगा।

ईडी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कांग्रेस की तरह आप के भी बैंक खाते सीज़ किए जा सकते हैं, हालांकि दोनों ही मामलों में कारण अलग-अलग हैं. आयकर विभाग ने जहां कांग्रेस के वित्तीय प्रबंधन में कथित विसंगतियां पाने के बाद उसका खाता सीज़ किया है, जबकि ईडी के मुताबिक, आप पीएमएलए के तहत एक आरोपी है और ऐसे में निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार कदम उठाते हुए एजेंसी उसकी संपत्ति और खातों को अटैच कर सकती है. अगर ऐसा होता है तो विपक्षी इंडिया गठबंधन के दो बड़े दलों को पैसों की तंगी से जूझना पड़ सकता है।

ईडी ने अरविंद केजरीवाल को बताया शराब घोटाले का किंगपिन ईडी ने 'ग्राउंड फॉर अरेस्ट' (गिरफ्तारी का आधार) रिपोर्ट और रिमांड एप्लिकेशन में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को कथित शराब नीति घोटाले के 'प्रमुख साजिशकर्ता' और "किंगपिन" के रूप में नामित किया है. मामले की जांच में शामिल एक वरिष्ठ ईडी अधिकारी ने बताया कि निदेशालय मई तक आरोप पत्र दाखिल कर सकता है, जिसमें केजरीवाल और बीआरएस नेता के. कविता के अलावा पांच अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ईडी ने पांच हवाला ऑपरेटरों के माध्यम से दिल्ली से गोवा तक 45 करोड़ रुपये के मनी ट्रेल की कड़ियां जोड़ ली हैं. इनकी बयान दर्ज करने के साथ ही उनकी चांज भी कर ली गई है. बताया जाता है कि प्रवर्तन निदेशालय के पास हवाला ऑपरेटर्स और स्थानीय कारोबारियों के बीच हुई चैट और मैसेज का डिटेल भी है, जिन्होंने कथित तौर पर गोवा चुनाव के दौरान प्रचार अभियान के लिए पेमेंट प्राप्त किया था. ईडी अधिकारी ने कहा, 'उनके बीच बातचीत के डिटेल से पता चलता है कि पैसा हवाला चैनलों के जरिये दिल्ली से गोवा तक कैसे पहुंचा. यहां कुछ पेमेंट नकद और कुछ चेक के रूप में किया गया था. हमने 'गिरफ्तारी के लिए आधार' और रिमांड आवेदन में इसकी पूरी डिटेल दी है. आरोपपत्र के साथ और भी सबूत एवं दस्तावेज संलग्न किए जाएंगे।'

कांग्रेस जैसा होगा आप का हाल?

ईडी के एक वरिष्ठ वकील के अनुसार, 'ईडी, तय कानून के अनुसार अपराध की आय को अटैच कर सकता है. जांच से पता चला कि गोवा में चुनाव प्रचाक और अन्य राजनीतिक गतिविधियों के फंडिंग के लिए इस्तेमाल किया गया पैसा शराब नीति घोटाले से आया था, जिसकी पिछले दो वर्षों से जांच चल रही है. यह भी स्थापित किया गया है कि आप के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा नीति निर्माण और संबंधित कार्रवाइयां पीएमएलए के तहत आती हैं और ये संज्ञेय अपराध हैं।'

एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पीएमएलए की धारा 70(1) के तहत, जिस पार्टी ने अपराध की आय का आनंद लिया या इस्तेमाल किया, उसकी संपत्ति पीएमएलए की प्रक्रिया के अंतर्गत आती है. वह बताते हैं कि इस अधिनियम के उल्लंघन का दोषी माने जाने पर उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए दंडित किया जाएगा।'

हिरासत से आदेश पारित मामले पर सुनवाई

हाईकोर्ट ने कहा-ईडी स्पेशल जज को सौंपे नोट

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशायल को अरविंद केजरीवाल की हिरासत के दौरान आदेश पारित करने के मामले में जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने वाली याचिका पहले ही हाईकोर्ट में खारिज हो चुकी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा कि जिस मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है, उसे देख रहे विशेष न्यायाधीश को कानून के अनुसार, यदि आवश्यक हो, आदेश पारित करने का निर्देश दिया जाता है। सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने कहा कि एजेंसी ने याचिका में उठाए इस मुद्दे पर संज्ञान लिया। ईडी ने कोर्ट को सूचित किया कि अरविंद केजरीवाल को आदेश पारित करने के लिए कोई सुविधा नहीं दी गई।

कमलनाथ को एक और झटका छिंदवाड़ा के महापौर भाजपा में शामिल

भोपाल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़े झटके लग रहे हैं। छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के प्रभाव को लगातार कम करने की कोशिश में भाजपा को लगातार सफलता मिल रही है। अब छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए हैं।

मुख्यमंत्री आवास पर महापौर विक्रम ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कमलनाथ के लिए यह दूसरा बड़ा झटका है। इससे पहले अमरवाड़ा के कांग्रेस विधायक कमलेश शाह भी भाजपा में शामिल हो गए थे। गौरतलब है कि राज्य में लोकसभा की 29 सीटें हैं और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा सिर्फ छिंदवाड़ा सीट ही हारी थी, शेष 28 सीटों पर उसे जीत मिली थी। भाजपा इस बार छिंदवाड़ा फतह करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। पार्टी के तमाम बड़े नेता यहां सक्रिय है। इसी क्रम में कांग्रेस के कई नेता भाजपा का दामन थाम रहे हैं।

भाजपा सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता श्रीनेत को आयोग ने लगाई फटकार, दी ये चेतावनी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने भाजपा सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत को उनके महिलाओं के खिलाफ दिए आपत्तिजनक बयान को लेकर फटकार लगाई है। आयोग ने साथ ही दोनों नेताओं को चेतावनी दी है कि वे अपने बयानों को लेकर सावधान रहें और आयोग की अब उन पर चुनाव के दौरान खास नजर रहेगी। चुनाव आयोग ने दोनों नेताओं को चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी माना है और भविष्य में सार्वजनिक बयानों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने दी बयानों को लेकर सावधानी बरतने की चेतावनी

भाजपा सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत के बयानों को लेकर चुनाव आयोग ने दोनों नेताओं को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। अपने जवाब में दोनों नेताओं ने स्वीकार किया कि उन्होंने चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया और निजी हमले किए। जवाब मिलने के बाद आयोग ने दोनों नेताओं को चेतावनी दी है कि अब वे आगे से सार्वजनिक बयानों को लेकर सावधानी बरतें। साथ ही चुनाव के दौरान दोनों नेताओं के बयानों की चुनाव आयोग द्वारा विशेष समीक्षा की जाएगी। आयोग ने कहा कि 'वह आश्वस्त है कि दोनों नेताओं ने निम्न स्तर का व्यक्तिगत हमला किया और यह आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन है। उन्हें आदर्श आचार संहिता की अवधि के दौरान सार्वजनिक बयानों में सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है। आयोग द्वारा सोमवार से इन दोनों नेताओं के चुनाव संबंधी संवाद पर विशेष और अतिरिक्त निगरानी रखी जाएगी।' आयोग ने अपने चेतावनी नोटिस की कॉपी पार्टी के अध्यक्षों को भी भेज दी है ताकि वे भी अपनी पार्टी के नेताओं को चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन और आपत्तिजनक बयानबाजी को लेकर आगाह कर सकें।

दोनों नेताओं ने महिलाओं को लेकर दिया था आपत्तिजनक बयान कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने फिल्म अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट किया था। जिस पर विवाद हुआ था और भाजपा ने इसे लेकर कांग्रेस नेता को घेर लिया था। बाद में सुप्रिया श्रीनेत को अपने बयान को लेकर सफाई देनी पड़ी थी।

वहीं भाजपा सांसद दिलीप घोष ने चुनाव प्रचार के दौरान बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिस पर चुनाव आयोग ने दिलीप घोष और सुप्रिया श्रीनेत को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

हरियाणा-हिमाचल तक फैला अलकेमिस्ट ग्रुप का फर्जीवाड़ा

पंचकूला-शिमला में खरीदी करोड़ों की प्रॉपर्टी ईडी ने अटैच की, टीएमसी के पूर्व सांसद मालिक

चंडीगढ़, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अलकेमिस्ट ग्रुप का फर्जीवाड़ा हरियाणा और हिमाचल प्रदेश तक फैला हुआ है। इसका खुलासा तब हुआ है, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले की जांच शुरू की। कंपनी द्वारा हरियाणा के पंचकूला में पार्श्वनाथ रॉयल प्रोजेक्ट में अलकेमिस्ट रियल्टी लिमिटेड द्वारा कुल 18 फ्लैट और हिमाचल प्रदेश के शिमला (ग्रामीण) के साथ सिरमौर के क्योंथल में लगभग 250 बीघा और 78 बीघा जमीन की जांच की गई। हालांकि, ईडी ने ये प्रॉपर्टियां अटैच कर दी हैं। इनकी कीमत 29 करोड़ रुपए से ज्यादा की बताई जा रही है। इस कंपनी के मालिक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व सांसद केडी सिंह हैं। हरियाणा-हिमाचल के साथ ही ग्रुप के द्वारा मध्य प्रदेश में भी प्रॉपर्टी खरीदी गई।

लोगों से 1,800 करोड़ लिए

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा इस मामले में कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें आरोप लगाया गया है कि समूह ने अलकेमिस्ट होल्डिंग्स लिमिटेड और अलकेमिस्ट टाउनशिप इंडिया लिमिटेड जैसी अपनी कंपनियों में लोगों से 1,800 करोड़ रुपए से अधिक की राशि एकत्र की। इसके साथ ही कंपनी के द्वारा लोगों से निवेश पर उच्च ब्याज दर के अलावा अच्छा रिटर्न देने के साथ फ्लैट, विला, प्लॉट देने का झूठा वादा भी किया गया। ईडी ने इसका खुलासा करते हुए कहा है कि प्रॉपर्टी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी रूप से संलग्न किया गया है।

निवेशकों को नहीं लौटाया गया पैसा

अलकेमिस्ट समूह का नेतृत्व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व राज्यसभा सदस्य कंवर दीप सिंह कर रहे हैं। कुर्क की गई संपत्तियों की कुल कीमत 29.45 करोड़ रुपए है। ईडी ने दावा किया है कि जांच के अनुसार, सार्वजनिक निवेशकों को कभी भी उनका पैसा नहीं लौटाया गया और धन को अलकेमिस्ट समूह की विभिन्न कंपनियों में डायवर्ट कर दिया गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि अलकेमिस्ट ग्रुप ने निवेशकों से अर्जित अपराध की आय से संपत्ति हासिल करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कई कंपनियां बनाई थीं।

किसान की मौत के मामले में हरियाणा सरकार को झटका

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक आदेश पर रोक लगाने से इनकार किया। दरअसल, उच्च न्यायालय ने किसान शुभकरण सिंह की मौत की जांच के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया था। हरियाणा सरकार ने इसे शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति द्वारा मामले की निगरानी निष्पक्षता और पारदर्शिता को बढ़ावा देगी। सर्वोच्च न्यायालय हरियाणा सरकार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में उच्च न्यायालय के 7 मार्च के आदेश को चुनौती दी गई थी।

केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

कोझिकोड, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की विरोध रैली के एक दिन बाद सोमवार को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी और कांग्रेस की आलोचना की। रैली में राहुल के साथ सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी भी शामिल थे।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सीएम विजयन ने कहा कि कांग्रेस की ओर से सबसे पहले की गई शिकायत के कारण ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में हैं। सीएम विजयन कोझिकोड और उसके आसपास अपने चुनाव अभियान से पहले मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने वायनाड लोकसभा क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ रहे राहुल गांधी पर हमला किया। उनके मुकाबले वहां इंडिया ब्लॉक में शामिल सीपीआई उम्मीदवार मैदान में है। सीएम विजयन ने कहा,"हम सभी जानते हैं कि राहुल कांग्रेस पार्टी में सबसे बड़े नेता हैं। जरा देखिए, वह अपने निर्वाचन क्षेत्र वायनाड में किसके खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। वह सीपीआई की एनी राजा के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि कांग्रेस और सीपीआई इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं। विजयन ने कहा कि वह बीजेपी से मुकाबला करने के बजाय सीपीआई उम्मीदवार को टक्कर दे रहे हैं।"

हरिद्वार-ऊधमसिंह नगर में सबसे ज्यादा स्टार प्रचारक उतारेगी भाजपा, मोदी-शाह भरेंगे जोश

देहरादून, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इस बार लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी मैदानी प्रभाव वाली हरिद्वार और नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा सीटों पर सबसे ज्यादा स्टार प्रचारक उतारेगी। 2017 के मुकाबले 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन गिरने के बाद पार्टी ने ये रणनीति बनाई है। दोनों सीटों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक को लाने की तैयारी है।

हरिद्वार लोकसभा सीट में कुल 14 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से 2017 के विस चुनाव में भाजपा के पास 11 व कांग्रेस के पास तीन थीं। 2022 के विस चुनाव में लोकसभा में छह सीटें भाजपा के पास रह गई थीं। पांच सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया था। दो पर बसपा और एक निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत दर्ज की थी। इसी प्रकार, नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा में कुल 14 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 2017 के विस चुनाव में भाजपा के पास 11, कांग्रेस के पास दो और एक निर्दलीय विधायक था, लेकिन 2022 के विस चुनाव में इस लोकसभा के अंतर्गत आने वालीं 14 सीटों में से भाजपा के पास आठ रह गईं और कांग्रेस की दो से बढ़कर छह हो गई थीं। लिहाजा, लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने इन दोनों जिलों के लिए खास प्लान तैयार किया है।

पार्टी जल्द ही जारी करेगी शेड्यूल

हरिद्वार में कार्यकर्ताओं के बीच प्रचार करने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अप्रैल के पहले सप्ताह में रोड शो करेंगे। इसके बाद यहां भगवानपुर में गृह मंत्री अमित शाह और रुड़की में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को बतौर स्टार प्रचारक लाने की तैयारी हो रही है। वहीं, ऊधमसिंह नगर जिले में पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रुद्रपुर, अमित शाह, राजनाथ सिंह को लाने की तैयारी में जुट गई है। पार्टी जल्द ही इसका शेड्यूल जारी करेगी।

रोचक खबरें

मौत के बाद करते हैं बॉडी के टुकड़े-टुकड़े, फिर खिलाते हैं गिद्धों को

चौंका देगी अंतिम संस्कार की परंपरा!

दुनियाभर के अलग-अलग हिस्सों में मौत के बाद लोगों के अंतिम संस्कार को लेकर अलग-अलग परंपराओं का पालन किया जाता है. हिन्दू समाज में जहां लोगों की डेड बॉडी को जला दिया जाता है या फिर नदी में प्रवाहित कर दिया जाता है, तो ईसाई और मुस्लिम धर्म में दफनाने का रिवाज है. लेकिन इन सबसे अलग अंतिम संस्कार को लेकर अजीबोगरीब परंपराएं भी निभाई जाती हैं, जिनके बारे में जानकर कोई भी चौंक जाए. आज हम आपको एक ऐसी ही अंतिम संस्कार से जुड़ी परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर लोगों की मौत के बाद उनके डेड बॉडी के टुकड़े-टुकड़े किए जाते हैं, फिर उन्हें गिद्धों को खिला दिया जाता है. अंतिम संस्कार की इस परंपरा को मानने वाले समुदाय की मान्यता है कि मृत व्यक्ति के शव को गिद्ध जैसे जानवर खाएं तो उनकी उड़ान के साथ उस व्यक्ति की आत्मा भी स्वर्ग पहुंच जाती है. तिब्बत, किंगघई, मंगोलिया में रहने वाले वजरायन बुद्धिस्ट लोग इसे निभाते हैं. अंतिम संस्कार के इस तरीके को स्थानीय लोग झाटोर या आकाश में दफनाना कहते हैं, जिसका पालन हजारों साल पहले से होता रहा है. शव को जब गिद्धों के सामने खाने के लिए खुले मैदान में रखा जाता है, तब मृतक के रिश्तेदार भी वहां मौजूद होते हैं.

आखिर कैसे शुरू हुई ये परंपरा?

सवाल ये उठता है कि अंतिम संस्कार की इतनी विभत्स परंपरा आखिर शुरू कैसे हुई? तो आपको बता दें कि इसके पीछे दो प्रमुख कारण है. वहां पर डेड बॉडी को जलाया नहीं जा सकता है, क्योंकि तिब्बत काफी ऊंचाई पर स्थित है और वहां पर पेड़ भी नहीं पाए जाते हैं. दूसरी वजह वहां की पथरीली जमीन है, जिसकी खुदाई संभव नहीं है. ऐसे में बॉडी को दफनाना भी मुश्किल है.

क्या है झाटोर?

अंतिम संस्कार के इस प्रक्रिया को पूरी करने के लिए शव को शमशान तक जाना होता है, जो मूलतः एक ऊंचाई वाले इलाके में होता है. वहां पर लामा (बौद्ध भिक्षु) धूप-बत्ती जलाकर डेड बॉडी की पूजा करते हैं, फिर शमशान का एक कर्मचारी उस शव को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटता है. वहीं, वहां पर मौजूद दूसरा कर्मचारी उन टुकड़ों को जौ से बने आटे के घोल में डुबोता है और गिद्धों को खाने के लिए डाल देता है. इस दौरान मृतक के परिजन वहां मौजूद रहते हैं. ऐसे में जब गिद्ध सारा मांस खाकर चले जाते हैं, तब उसके बाद उन हड्डियों को इकठ्ठा करके उनका चूरा किया जाता है. फिर दोबारा हड्डियों के चूर्ण को जौ के आटे और मक्खन में डुबोकर कौओं और बाज को खाने के लिए डाल दिया जाता है. अंतिम संस्कार कि ऐसी ही परम्परा मंगोलिया के भी कुछ इलाको में निभाई जाती है.

मुर्गियों की तरह अंडे देने लगा लड़का, 2 साल तक हुआ ऐसा

डॉक्टर भी चौंक गए, नहीं जान पाए वजह!

शाकाहारी लोगों को भले ही प्रोटीन सोर्स ढूंढना पड़े, ले कि न मांसाहारी लोगों के लिए अंडा एक ऐसी चीज़ है, जो उनकी प्रोटीन की ज़रूरतों को पूरा कर देता है. अंडे की वजह से ही लोग मुर्गियों को पालते हैं. इनसे मिलने वाले अंडों को मार्केट में अच्छे दाम पर बेचा जाता है. हालांकि आपने शायद ही सुना होगा कि कोई इंसान भी अंडा दे सकता है. आज आपको इससे जुड़ी एक अजीबोगरीब घटना बताते हैं.

ये घटना इंडोनेशिया की है. यहां एक लड़के का दावा किया कि वो मुर्गी की तरह अंडे देता है. सुनने में ये बेहद अजीब बात है लेकिन उसके परिवार वालों ने भी इस बात की तस्दीक की और बताया कि वाकई लड़का अंडे देता है. उन्होंने दावा किया कि पिछले 2 साल में लड़का 20 अंडे दे चुका है. है ना अजीब बात!

डॉक्टरों के सामने दिए अंडे

इंडोनेशिया के दक्षिणी सुलावेसी के रहने वाले लड़के अकमल की उम्र जब 14 साल थी, तभी उसने अंडे देने का दावा किया. हद तो तब हो गई, जब उसने डॉक्टरों के सामने भी 2 अंडे दिए. जब इन अंडों की जांच की गई तो ये बिल्कुल मुर्गी के अंडों जैसे ही थे. अंडों में वैसी ही जर्दी थी और कुछ अंडों में सिर्फ सफेद हिस्सा ही था. साल 2016 से अंडे देने का दावा कर रहे लड़के को साल 2018 में अस्पताल ले जाया गया था.

आते कहां से हैं अंडे?

डॉक्टरों के सामने भी सबसे यही बड़ा सवाल है कि अकमल के पेट में अंडे आते कहां से हैं? पहले तो डॉक्टर्स को लगा कि लड़के ने अंडे निगल लिए होंगे लेकिन उसके पिता ने साफ किया कि ऐसा कभी नहीं हुआ. सोनोग्राफी रिपोर्ट में भी लड़के के पेट में अंडे दिखाई दिए. डॉक्टरों के मुताबिक ये अंडे मुर्गी के ही हैं. हालांकि यइस सवाल का जवाब कोई नहीं दे पाया कि आखिर अकमल के पेट में अंडे आते कहां से हैं?

चोरी के डेबिट कार्ड से जीते 42 करोड़

किस्मत ऐसी कि नहीं मिली फूटी कौड़ी, मालिक हुआ मालामाल

लोगों को कहते हुए आपने सुना होगा की भाग्य कोई नहीं चुरा सकता. अगर आपकी किस्मत में कुछ लिखा है, तो वो मिलकर रहेगा. एक शख्स के साथ बिल्कुल ऐसा ही हुआ, जिसे जानकर आप कहेंगे, अच्छा हुआ. चोरों ने एक शख्स का डेबिट कार्ड चुरा लिया. उसी से लॉटरी का टिकट खरीदा. उन्हें लगा कि अगर जीत जाएंगे तो पैसे उनके खाते में आ जाएंगे. लेकिन किस्मत ऐसी कि फूटी कौड़ी तक उन्हें नहीं मिली और जिस शख्स का डेबिट कार्ड था, वह मालामाल हो गया. द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, बोल्टन के रहने वाले जॉन-रॉस वॉटसन और मार्क गुडराम ने लॉटरी टिकट खरीदने के लिए किसी और के बैंक कार्ड का इस्तेमाल किया. लेकिन जब नतीजा आया, तो खुशी से नाचने लगे. दोनों ने 4 मिलयिन पाउंड यानी 42 करोड़ का जैकपॉट जीता था. एक सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ था, जिसमें वॉटसन को नाचते और कूदते हुए दिखाया गया है. मार्क गुडराम खुशी में काउंटर पर अपनी मुट्ठियां मारता हुआ नजर आता है. लेकिन उनकी यह खुशी पलभर ही काफूर हो गई. जब मार्क गुडराम ने लॉटरी के पैसे लेने के लिए दावा ठोका, तो जांच में मामला कुछ और ही निकला. पता चला कि उसके पास तो कोई बैंक खाता ही नहीं. जब बैंक खाता ही नहीं, तो उसने जिस बैंक कार्ड से टिकट खरीदा, आखिर वो किसका था? इसके बाद ही लॉटरी अधिकारियों को उस पर शक हुआ और जांच शुरू की गई. जांच में गुडराम ने बताया कि टिकट खरीदने के लिए उसने जिस कार्ड का इस्तेमाल किया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 2 अप्रैल, 2024

युविचार

असफलता की राह से गुजर कर ही व्यक्ति को सफलता की मंजिल प्राप्त होती है।

केसीआर अवसाद और हताशा के कारण झूठ बोल रहे हैं : उत्तम

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने बीआरएस प्रमुख और पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव के आरोपों का जोरदार खंडन किया, जिसमें राव ने तेलंगाना के कुछ हिस्सों में सूखे की स्थिति के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। सोमवार को गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि रविवार को सूर्यापेट में एक संवाददाता सम्मेलन में केसीआर द्वारा बोला गया हर शब्द मनगढ़ंत था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केसीआर की प्रेस वार्ता अशुद्धियों और झूठों से भरी हुई थी, जिसके लिए उन्होंने तेलंगाना में सत्ता खोने के बाद केसीआर की हताशा और अवसाद को जिम्मेदार ठहराया। उत्तम कुमार रेड्डी ने दावा किया, तेलंगाना के किसी भी हिस्से में किसी भी क्षेत्र में बिजली की कमी या बिजली कटौती नहीं है, जैसा कि केसीआर ने झूठा दावा किया है। उत्तम कुमार रेड्डी ने जोर देकर कहा कि बीआरएस पूरी तरह से विघटित हो गया है और विलुप्त होने के कगार पर है। उन्होंने बीआरएस की विशिष्टता पर प्रकाश डाला जो संभावित रूप से एक चुनावी हार के बाद पूर्ण विनाश का सामना करने से पहले राष्ट्रीय पार्टी में परिवर्तित होने

वाली भारत की पहली क्षेत्रीय पार्टी बनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि बीआरएस आगामी लोकसभा चुनावों में एक भी सीट सुरक्षित करने में विफल रहेगी, जिससे पार्टी के भीतर केवल केसीआर और उनके परिवार के सदस्य रह जाएंगे।मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री के रूप में केसीआर के कार्यकाल के दौरान, उन्होंने या तो महलनुमा प्रगति भवन या अपने फार्महाउस में एक शानदार जीवन शैली का आनंद लिया। हालांकि, सत्ता खोने के बाद, केसीआर ने हताशा में सूखा प्रभावित किसानों से मिलने के बहाने सूर्यापेट का दौरा किया। उन्होंने केसीआर पर अपने पूरे दौरे के दौरान झूठ फैलाने का आरोप लगाया, एक ऐसी घटना का उदाहरण दिया जहां केसीआर की प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए बिजली की आपूर्ति जनरेटर पर निर्भर थी। उन्होंने पूरे तेलंगाना में निर्बाध बिजली सुनिश्चित करने के सरकार के प्रयासों के बावजूद, बिजली आपूर्ति के मुद्दों के लिए कांग्रेस सरकार को गलत तरीके से दोषी ठहराने के लिए केसीआर की आलोचना की।

उन्होंने कहा, केसीआर ने दो कार्यकाल तक मुख्यमंत्री का पद संभाला है। यह बेहद चिंताजनक है कि ऐसे कद का व्यक्ति इस तरह के झूठ का सहारा ले रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस सरकार ने सभी परिस्थितियों में पूरे तेलंगाना में निर्बाध 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने सभी श्रेणियों के उपभोक्ता को निर्बाध बिजली आपूर्ति की गारंटी के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। फिर भी, उन्होंने बताया कि केसीआर ने बिजली आपूर्ति के मुद्दों के लिए गलती से कांग्रेस सरकार को दोषी ठहराया। उत्तम कुमार रेड्डी ने जोर देकर कहा कि केसीआर के पास तेलंगाना में बिजली आपूर्ति की स्थिति पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। लोकसभा सदस्य के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एनटीपीसी के अध्यक्ष गुरदीप सिंह के साथ अपनी पूर्व बातचीत का उल्लेख करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने वादे के बावजूद 4,000 मेगावाट बिजली संयंत्र की स्थापना के लिए समय पर भूमि और पानी उपलब्ध कराने में एनटीपीसी के साथ सहयोग करने में पिछली बीआरएस सरकार की विफलता पर प्रकाश डाला। शेष परियोजना लागत एनटीपीसी वहन कर रही है। उन्होंने एक दशक में केवल एक बिजली परियोजना- भद्रदारी पावर प्लांट- को पुरानी उप-महत्वपूर्ण तकनीक का उपयोग करके पूरा करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस निर्णय से सरकारी खजाने पर अत्यधिक बोझ पड़ा है, लागत नियमित संयंत्रों की मानक दरों से तीन गुना अधिक हो गई है।

कांग्रेस प्रभारियों की नियुक्ति

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने चुनावों में अधिकांश सीटें जीतने के उद्देश्य से वरिष्ठ नेताओं को तेलंगाना में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रभारी नियुक्त किया है।एआईसीसी के तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी ने एक आदेश जारी कर मंत्रियों, विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को 17 लोकसभा क्षेत्रों में प्रभारी नियुक्त किया है। जिन लोगों को प्रभारी नियुक्त किया गया है उनमें उत्तम कुमार रेड्डी (नलगोंडा), खम्मम- पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी (खम्मम), पोन्नम प्रभाकर (करीमनगर), डुडिल्ला श्रीधर बाबू (पेद्दापल्ली), दामोदर राजा नरसिम्हा (जहीराबाद), तुम्मला नागेश्वर राव (महबूबाबाद) , जुपल्ली कृष्णा राव (नगर कर्नूल), कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी (सिकंदराबाद), कोंडा सुरेखा (मेदक), सीताक्का (आदिलाबाद), कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी (भुवनगिरी), रेवुरी प्रकाश रेड्डी (वारंगल), सुदर्शन रेड्डी (निजामाबाद), संपत कुमार (महबूबनगर), मयनामपल्ली हनुमंत राव (मल्काजगिरी), वेम नरेंद्र रेड्डी (चेवेल्ला) और ओबेदुल्ला कोटवाल (हैदराबाद) शामिल हैं।

मंत्री ने श्री राजराजेश्वर स्वामी के दर्शन किए, श्रद्धालु सुविधा की जानकारी ली

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ विभाग की मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा ने सोमवार को वेमुलावाड़ा श्री राजराजेश्वर स्वामी के दर्शन किये। इस मौके पर विशेष पूजा कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। मंत्री सुरेखा, पोते श्रीयांश मुरली कृष्ण पटेल और परिवार के अन्य सदस्यों को पुजारियों ने वेदाशिर्वचन दिए और स्वामी का प्रसाद खिलाया। मंत्री सुरेखा कोडे मोक्कू को राजराजेश्वर स्वामी को उनके पोते श्रीयांश मुरली कृष्ण पटेल के नाम पर भुगतान किया गया था। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि राज्य में उन्नति हो और सभी लोग सुखपूर्वक रहें। बाद में मंत्री सुरेखा बद्दी पोचम्मा मंदिर पहुंचीं और पूजा-अर्चना की। मंदिरों में घूम-घूमकर उन्होंने अधिकारियों से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दी जा रही सेवाओं और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। मंदिर में चल रहे विकास कार्यक्रमों की जांच की गयी। इस कार्यक्रम में सरकारी सचेतक, वेमुलावाड़ा विधायक आदि श्रीनिवास और अन्य शामिल हुए।

भद्राद्री श्रीसीतारामचंद्र का कल्याण तलंब्रालू भक्तों तक पहुंचाएंगा टीएसआरटीसी

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के प्रबंधन ने श्री राम नवमी के अवसर पर भद्राचलम में आयोजित होने वाले श्री सीतारामचंद्र के कल्याणोत्सव तलंब्रालू को सौंपने का निर्णय लिया है। पिछले साल की तरह इस बार भी तेलंगाना देवदाय विभाग की मदद से, भक्तों के घरों तक तलंब्रालू को पहुंचाने के पवित्र कार्य के लिए रामुलोरी कल्याण तलंब्रालू शुरू किया गया है। जो भक्त इन विशेष तालंब्रालू को चाहते हैं, उन्हें टीएसआरटीसी लॉजिस्टिक्स केंद्रों पर 151 रुपये का भुगतान करना होगा और अपना विवरण दर्ज कराना होगा। टीएसआरटीसी श्री सीतारामचंद्र के कल्याणोत्सव के बाद भक्तों को ये तलंब्रालू वितरित करेगा। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनर ने सोमवार को हैदराबाद के बस भवन में भद्राद्री श्री सीतामूला कल्याण तलंब्रालू के बुकिंग पोस्टर का अनावरण किया। उन्होंने तलंब्रालू की बुकिंग शुरू कर दी। कोटि चावल के दाने (जिन्हें गोटी से छील दिया गया है) का उपयोग रामुलोरी कल्याणम में कई वर्षों से तलंब्रालू के रूप में किया जाता रहा है। दो साल पहले, टीएसआरटीसी के प्रबंधन ने इन विशेष तलंब्रालू को भक्तों के घरों में जोड़ने का फैसला किया। इस पहल को एक सम्मान मिला है। भक्तों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। संगठन के प्रति आस्था रखते हुए भक्त बड़ी संख्या में तलंब्रालू की बुकिंग कर रहे हैं। 2022 में जहां हजारों भक्तों के लिए करीब 89 तालंब्रालू की बुकिंग की गई थी, वहीं पिछले साल संगठन ने 1.17 लाख भक्तों को तलंब्रालू की बुकिंग कराई थी। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार, आईपीएस ने कहा कि टीएसआरटीसी ने कहा कि जो भक्त इस महीने की 17 तारीख को भद्राद्री में श्री रामनवमी समारोह में नहीं जा सकते, उन्हें इन सेवाओं का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तलंब्रालू को राज्य के सभी टीएसआरटीसी लॉजिस्टिक्स काउंटरों पर बुक किया जा सकता है। उन्होंने कहा, कंपनी के विपणन अधिकारियों को भी सीधे भक्तों से ऑर्डर प्राप्त होंगे। जो भक्त तलंब्रालू सेवा का लाभ उठाना चाहते हैं, उन्हें टीएसआरटीसी कॉल सेंटर पर संपर्क करने की सलाह दी जाती है। इस कार्यक्रम में टीएसआरटीसी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीवीओ) डॉ.वी. रविंदर, कार्यकारी निदेशक कृष्णकांत, सीटीएम (विपणन और वाणिज्यिक) श्रीधर और अन्य ने भाग लिया।

जीएचएमसी ने संपत्ति कर संग्रह में नया रिकॉर्ड बनाया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने संपत्ति कर संग्रह के मामले में पिछले साल के आंकड़ों को पार करते हुए उत्कृष्ट संग्रह हासिल किया है। पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस वर्ष 257 करोड़ से अधिक संपत्ति कर अतिरिक्त वसूला गया है। वर्ष 2023-2024 के संशोधित बजट अनुमान 1810 करोड़ रुपये के अनुसार अब तक 1917 करोड़ रुपये का कर संग्रह हो चुका है। पिछले वर्ष 2022-2023 में संपत्ति कर संग्रह 1660 करोड़ रुपये की तुलना में इसमें 15.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 तक बकाया सम्पत्ति कर पर वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना लागू कर सम्पत्ति कर पर 90 प्रतिशत ब्याज माफी की शुरूआत की गई है, जिसके अच्छे परिणाम प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस साल करीब 300 करोड़ रुपये का टैक्स जमा हुआ है। उन्होंने कहा कि आखिरी दिन 123 करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन दर्ज किया गया।

कांग्रेस शासन को बदनाम कर रहे हैं केसीआर : डिप्टी सीएम

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि केसीआर ने अपने साथ-साथ कांग्रेस शासन को भी बदनाम किया है। आज दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने केसीआर पर आरोप लगाया कि वह बीआरएस नेताओं के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन राज्य में कई समस्याओं के लिए जिम्मेदार था। पिछले 3 महीने से दस साल से खंडित राज्य की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि केसीआर ने उनका बनाया हुआ घर जला दिया। यह कहकर व्यंग्य किए गए कि केसीआर बहुत दिनों बाद बाहर आए हैं। उन्होंने कहा कि जहां यदाद्री पावर प्रोजेक्ट बनाया गया है वह जगह ठीक नहीं है।

पर्यावरणीय मंजूरी नहीं मिलने के कारण यदाद्री परियोजना में देरी हुई। उन्होंने कहा कि केसीआर अब भी कालेश्वरम में हुई गलती को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। केसीआर लोगों को गुमराह करने की बात कर रहे हैं। उनकी सरकार लोगों पर बोझ डाले बिना फैसले ले रही है। प्रदेश में मौजूदा समय में मांग के अनुरूप आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि अकेले बिजली क्षेत्र पर 1,10,690 करोड़ रुपये का बकाया है। डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने 7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लेकर राज्य को डुबो दिया है।

फोन टेपिंग से ही रघुनंदन, कोमाटिरेड्डी के पैसे जब्त

राधाकिशन राव की रिमांड रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासे

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। फोन टैपिंग मामले में लगातार नए-नए मामले सामने आ रहे हैं। जैसे-जैसे जांच हो रही है, फोन टैपिंग मामले के पीछे छिपा कलेक्शन रैकेट सामने आ रहा है। हाल ही में पुलिस ने इस मामले में आरोपी ए-4 टास्क फोर्स के पूर्व डीसीपी राधाकिशन राव की रिमांड रिपोर्ट में सनसनीखेज बातों का जिक्र किया है। कहा गया है कि फोन टैपिंग बीआरएस प्रमुख नेताओं की देखरेख में की गई थी और यह स्वीकार किया गया है कि फोन टैपिंग पूर्व एसआईबी प्रमुख प्रभाकर राव के आदेश पर की गई थी, जिसके माध्यम से विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं, उनके परिवार के सदस्य और उन्हें आर्थिक रूप से समर्थन देने वाले व्यवसायी अपनी गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस में कुछ संदिग्ध नेताओं पर भी निगरानी रखी गई थी। पुलिस ने कहा कि उन्होंने स्वीकार किया है कि मुनुगोडु, हुजूराबाद और दुब्बाका उपचुनाव के दौरान निगरानी बढ़ा दी गई थी। माना जा रहा है कि 2016 से एक ग्रुप से जुड़े अधिकारियों को लेकर एक विशेष टीम बनाई गई थी। राधाकिशन राव ने खुलासा किया कि भव्या सीमेंट के मालिक आनंद प्रसाद से 70 लाख रुपये जब्त किये गये। उन्होंने स्वीकार किया कि इसके अलावा, दुब्बाका उपचुनाव के दौरान, रघुनंदन राव और उनके रिश्तेदारों से 1 करोड़ रुपये और कोमटी रेड्डी राजगोपाल रेड्डी से 3.50 करोड़ रुपये जब्त किए थे। पुलिस ने दावा किया कि 2018 और 2023 के चुनावों में, उन्होंने दुब्बाका और मुनुगोडु उपचुनावों में बीआरएस के लिए टास्क फोर्स वाहनों में धन परिवहन करने की बात स्वीकार की, और एक पूर्व-आईएएस अधिकारी ने स्वीकार किया कि टास्क फोर्स टीम को वाहन उपलब्ध कराए गए थे।

एससीआर का वित्त वर्ष 2023-24 में माल ढुलाई व्यवसाय में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

ज़ोन ने 141.117 मीट्रिक टन की ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग हासिल की

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान माल ढुलाई व्यवसाय में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन दर्ज किया है, जो प्रारंभिक लोडिंग और कमाई दोनों में रिकॉर्ड-तोड़ उपलब्धि द्वारा चिह्नित है। जोन ने अपने इतिहास में पहली बार आरंभिक माल लदान में 140 मीट्रिक टन के आंकड़े को पार कर 141.117 मीट्रिक टन माल लदान हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.785 मीट्रिक टन अधिक है। इसी तरह कमाई के मामले में भी जोन 10 लाख करोड़ रुपये से आगे निकल गया। माल ढुलाई राजस्व की उत्पत्ति के मामले में पहली बार 13,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा हासिल किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 में 13,438.76 करोड़, जो पिछले साल से 506 करोड़ ज्यादा है। जोन का रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन उसके सभी छह डिवीजनों द्वारा प्रदर्शित असाधारण टीम वर्क का परिणाम था। जोन अपनी मौजूदा माल ढुलाई टोकरी को मजबूत करते हुए, माल ढुलाई व्यवसाय की नई धाराओं को आकर्षित करने की दिशा में बड़ा जोर दे रहा है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों की शुरूआत, गुड्स शेड्स में सुधार आदि के साथ हमारे टर्मिनलों पर दक्षता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही, माल ढुलाई ग्राहकों से उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित फीडबैक लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप यह शानदार उपलब्धि हासिल हुई। वास्तव में, पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान एससीआर वृद्धिशील लोडिंग ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेलवे की कुल वृद्धिशील लोडिंग में लगभग 11.187 का योगदान दिया। जोन की लोडिंग में सभी कमोडिटी स्ट्रीम में उछाल देखा गया। जोन फ्रेट बास्केट में प्रमुख वस्तु कोयला ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 70.522 मीट्रिक टन लोडिंग में योगदान दिया (वित्त वर्ष 22-23 में 67.18 मीट्रिक टन की तुलना में)। सीमेंट (क्लिंकर के साथ) वित्त वर्ष 2023-24 में लोडिंग में 36.117 मीट्रिक टन (वित्त वर्ष 22-23 में 34.855 मीट्रिक टन की तुलना में) का योगदान देने वाली दूसरी सबसे बड़ी वस्तु है। अन्य प्रमुख वस्तुओं ने भी पिछले वर्ष की तुलना में लदान में उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित की। इनमें शामिल उर्वरक (7.402 मीट्रिक टन बनाम 6.511 मीट्रिक टन), खाद्यान्न (7.388 मीट्रिक टन बनाम 7.058 मीट्रिक टन), इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल (4.852 मीट्रिक टन बनाम 4.504 मीट्रिक टन), लौह अयस्क (3.743 मीट्रिक टन बनाम 1.561 मीट्रिक टन), कंटेनर (2.392 मीट्रिक टन बनाम 2.189 मीट्रिक टन)। एमटी, पीओएल (1.095 एमटी बनाम 0.515 एमटी) और अन्य सामान (7.606 एमटी बनाम 7.959 एमटी) है। रिकॉर्ड तोड़ लोडिंग और कमाई के साथ एससीआर ने अपना अब तक का सबसे अच्छा माल ढुलाई प्रदर्शन हासिल किया है, जो उत्कृष्टता के प्रति जोन की प्रतिबद्धता और इस महत्वपूर्ण खंड में विकास को बढ़ावा देने के लिए दिए गए विशेष जोर को रेखांकित करता है। महाप्रबंधक ने इस शानदार उपलब्धि पर परिचालन और वाणिज्यिक टीम के प्रयासों की सराहना की और उन्हें चालू वित्तीय वर्ष में इसी गति को बनाए रखने की सलाह दी।

डीसीए ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए जब्त कीं दवाएं

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (डीसीए) के ड्रग इंस्पेक्टरों ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए दो दवाओं, एक होम्योपैथी और एक आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन को जब्त कर लिया।

टीएसडीसीए ने कहा कि स्टोनिल टैबलेट, एक होम्योपैथिक दवा दावा कर रही थी कि यह गुर्दे की पथरी का इलाज कर सकती है। जबकि हेमपुष्पा टॉनिक, एक आयुर्वेदिक दवा, जिसे हेमटैब टैबलेट के साथ आपूर्ति की गई थी, ने दावा किया था कि यह सामान्य रूप से महिला रोगों का इलाज करेगी।

बीमारियों के इलाज के ऐसे दावे ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक और विज्ञापन) अधिनियम, 1954 का उल्लंघन हैं। कोई भी व्यक्ति ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम के तहत संकेतित बीमारियों के संबंध में विज्ञापन के प्रकाशन में भाग नहीं लेगा।

भ्रामक और आपत्तिजनक विज्ञापनों के साथ बाजार में घूम रही दवाओं का पता लगाने के लिए 30 मार्च और 31 मार्च को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान, ड्रग्स इंस्पेक्टर, शबाद ने लॉर्ड्स होम्योपैथिक लेबोरेटरी (पी) लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा निर्मित 'लॉर्ड्स स्टोनिल टैबलेट' का पता लगाया। उत्पाद लेबल पर भ्रामक दावा किया गया है कि यह 'रीनल कैलकुली' (किडनी स्टोन्स) का इलाज करता है। यह छापेमारी रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद गांव में एक मेडिकल दुकान पर की गई।

ड्रग्स इंस्पेक्टर गंडीमैसम्मा ने राजवैद्य शीतल प्रसाद एंड संस, द्वारा निर्मित 'हेमपुष्पा टॉनिक' का पता लगाया। उत्पाद का लेबल एक भ्रामक दावा कर रहा था 'महिलाओं के स्वास्थ्य को मजबूत करने वाला टॉनिक' और यह कि यह पेट में ऐंठन, पैल्विक दर्द, भूख न लगना, एनीमिया, पीठ दर्द, मतली, उल्टी, कर्कशता, थकावट, चक्कर आना में मदद करता है। मेडचल-मलकजगिरी जिले के डुंडीगल-गंडीमैसम्मा मंडल के मल्लमपेट गांव में एक मेडिकल दुकान पर की गई छापेमारी के दौरान दवाओं के स्टॉक जब्त किए गए।

आगे की जांच की जाएगी और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। जो व्यक्ति कुछ बीमारियों और विकारों के इलाज के लिए दवाओं के संबंध में भ्रामक विज्ञापन करते हैं, वे ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत दंडनीय हैं, जिसमें छह महीने तक की कैद या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं, टीएसडीसीए के डीजी वी बी कमलासन रेड्डी ने कहा।

पेयजल आपूर्ति और प्रबंधन पर बैठक

हनमाकोंडा, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर वारंगल नगर निगम के आयुक्त अश्विनी तानाजी वाकडे, अतिरिक्त कलेक्टर राधिका गुप्ता और नगर निगम के अधिकारियों ने सोमवार को ग्रेटर वारंगल नगर पालिका के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों और जिले के गांवों में पेयजल आपूर्ति और प्रबंधन पर हनुमाकोंडा जिला कलेक्ट्रेट के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में एक समीक्षा बैठक की।

इस मौके पर पेयजल आपूर्ति एवं प्रबंधन के लिए क्या उपाय किये जा रहे हैं, समस्याओं के समाधान के लिए क्या व्यवस्था की जा रही है। पीने के पानी के मुद्दों पर लोगों की शिकायतों के लिए एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना, अधिकारियों की निगरानी आदि पर पटनायक, जीडब्ल्यूएमसी आयुक्त अश्विनी

तानाजी, अतिरिक्त कलेक्टर राधिका गुप्ता ने अधिकारियों के साथ चर्चा की।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने कहा कि इस गर्मी में ग्रेटर वारंगल नगरपालिका क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं भी पीने के पानी की समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल के संबंध में कार्ययोजना बनाई जाए और पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके उपाय किए जाएं। ग्रेटर वारंगल नगर निगम एसई प्रवीण चंद्रा, ईई के राजैया, श्रीनिवास, श्रीनिवास राव, डीई एवं अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

नेचर क्लब लाइफ सेंटर बीट द हीट समर कैंप का सोमवार को नेचर क्लब हिमायतनगर में गोपाल बलदवा द्वारा उद्घाटन किया गया। इस कैंप में योग और ध्यान, हिप हॉप नृत्य, कला और शिल्प आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। 85 विद्यार्थी शिविर में भाग ले रहे हैं।

भाजपा विधायक को पाकिस्तान से मिली धमकी, 50 लाख मांगे

फोन कर कहा-पैसे नहीं मिले तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे

भागलपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भागलपुर की कहलगांव विधानसभा सीट से भाजपा विधायक पवन यादव को पाकिस्तान के नंबर से धमकी मिली है। फोन पर उनसे 50 लाख की डिमांड की गई है। पैसे नहीं देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। भाजपा नेता ने पुलिस से मामले में शिकायत की है। उन्होंने बताया कि उन्हें +92 3486747773 नंबर से रंगदारी मांगी गई है।

विधायक ने कहा कि सतीश यादव मेरा बेटा है। उधर से धमकी दी गई कि 50 लाख रुपए दे दो, नहीं तो बेटे को मार देंगे। इस पर विधायक ने कहा कि कोई मजाक है क्या? इसके बाद फोन करने वाले ने गालियां देनी शुरू कर दीं। फिर धमकी दी कि 50 लाख रुपए दो, नहीं तो तुम्हारे बेटे समेत तुमको जान मार देंगे। मामले को लेकर विधायक की ओर से स्थानीय थाने में लिखित आवेदन दिया है।

एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है: एसपी

एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि विधायक के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले शख्स ने रंगदारी के तौर पर पैसे की मांग की है और जान से मारने की धमकी भी दी है। इस मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। एसपी ने बताया कि कहलगांव एसडीपीओ शिवानंद सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई है, जो जांच में जुट गई है। पाकिस्तान के नंबर से धमकी मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी इस पर कहना मुश्किल है। हमारी टेक्निकल टीम जांच कर रही है। एसएसपी ने कहा कि विधायक की सुरक्षा का आकलन किया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर सुरक्षा बढ़ा दी जाएगी।

भाजपा विधायक ललन पासवान को भी मिली थी धमकी

भागलपुर में बीजेपी विधायक से 10 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। दरअसल, मामला पीरपैंती विधानसभा के विधायक ललन पासवान से जुड़ा हुआ है। विधायक के मोबाइल पर वॉट्सऐप मैसेज के जरिए धमकी दिया गया है। उसमें लिखा गया है कि अगर 10 लाख रुपए नहीं दिया तो परिवार समेत जान मार देंगे। मामले को लेकर विधायक ने एसएसपी से शिकायत किया है। उन्होंने लिखित रूप से एसएसपी को आवेदन दिया है। न्याय की गुहार लगाई है।

मधेपुरा में जिंदा जले दो मासूम

मधेपुरा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मधेपुरा में सोमवार को भीषण अगलगी में दो मासूम जिंदा जल गए। घटना सदर प्रखंड के सकरपुरा बेतौना पंचायत के बेतौना वार्ड-14 की है। बताया जाता है कि सोमवार को उमेश यादव के घर में अचानक आग लग गई। घटना के समय घर में कोई भी बड़े सदस्य नहीं थे। सभी खेत में काम करने चले गए थे। केवल तीन बच्चे आंगन में खेल रहे थे।

इसी दौरान अचानक आग लगी गई। आग की लपटों को देखकर दो बच्चेआंगन में ही बने भूषा घर में छिप गए। जबकि एक बच्चा वहां से भाग गया। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी अग्निशमन विभाग को दी गई। जब तक दमकल की गाड़ी घटना स्थल पर पहुंचती तब तक एक ही परिवार का छह घर जलकर राख चुके थे। स्थानीय लोगों को लगा कि घर में कोई नहीं था। पर, जब आग पर काबू पाया गया तो दोनों बच्चे भूसा घर से बरामद हुए।

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में बोले सीएम योगी

दंगा युक्त नहीं अब रोजगार देने वाला प्रदेश है यूपी

बुलंदशहर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा प्रत्याशी के लिए प्रचार करते हुए प्रबुद्ध वर्ग को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2017 से पहले दंगा युक्त प्रदेश होता था, लेकिन अब प्रदेश के हालात बदल गए हैं और दंगा युक्त के बजाए रोजगार युक्त प्रदेश बन चुका है। प्रदेश के विकास के साथ ही जिले में भी विकास हुआ है और जिले के ओडीओपी (खुर्जा की क्रॉकरी) को नई पहचान मिली है। दोपहर 1.49 बजे बुलंदशहर के नुमाईश मैदान स्थित निकुंज हॉल में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में आए लोगों ने खड़े होकर तालियां बजाते हुए स्वागत किया। कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में चुनिंदा परिवार और गुंडे ही सुरक्षित थे, लेकिन अब गुंडे असुरक्षित हैं और पूरा प्रदेश सुरक्षित है।

इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भी 10.5 लाख करोड़ का निवेश धरती पर उतारा गया, इससे लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा। आजादी के बाद से 2014 तक विभिन्न दलों की सरकारें रहीं, लेकिन अटल जी की सरकार को छोड़कर शेष किसी दल की सरकार ने गरीब कल्याण और देश हित में कार्य नहीं किया। आज देश के प्रत्येक गरीब को फ्री राशन, स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं दी जा रहीं हैं। अपने 20 मिनट के संबोधन में उन्होंने रिकॉर्ड मतों से भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील की।

ओवैसी ने मुख्तार अंसारी के बेटे को लगाया गले 40 मिनट की बात; सरकार पर ऐसे साधा निशाना

गाजीपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार की मौत के बाद एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी रविवार को मुहम्मदाबाद पहुंचे। ओवैसी ने मुख्तार अंसारी की मौत पर शोक जताने रविवार की देर रात पहुंचे। ओवैसी लखनऊ से सीधे मुहम्मदाबाद में सांसद अफजाल अंसारी के फाटक स्थित आवास पर पहुंचे। इस दौरान समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी भी मुख्तार अंसारी की मौत पर शोक जताने रविवार की देर रात पहुंचे। वह लखनऊ से सीधे मुहम्मदाबाद में सांसद अफजाल अंसारी के फाटक स्थित आवास पर पहुंचे। जहां फाटक पर मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को गले लगाया। वहीं, उनके साथ खाना भी खाया। 40 मिनट तक बातचीत भी हुई। उधर, इसके पहले ओवैसी के आने की खबर लगने पर समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी । मुख्तार अंसारी के भतीजे व विधायक शोहेब अंसारी ने माइक लेकर लोगों से जाने की अपील किया।

उधर, पुलिस ने फिर से फाटक के पास बैरिकेडिंग कर दिया। साथ ही फोर्स की तैनात कर दिया और मीडिया कर्मियों को भी बैरिकेडिंग के बाहर गया। उधर, मुख्तार अंसारी के भतीजे व विधायक शोहेब अंसारी ने माइक लेकर लोगों से जाने की अपील किया। मुलाकात के बाद ओवैसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मरहूम मुख्तार अंसारी के घर गाजीपुर जाकर उनके खानदान को पुरसा दिया, इस मुश्किल वक्त में हम उनके खानदान, समर्थक और चाहने वालों के साथ खड़े हैं। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि इंशा अल्लाह इन अंधेरों का जिगर चीरकर नूर आएगा, तुम हो 'फिरौन' तो 'मूसा' भी जरूर आएगा।

भीषण सड़क हादसा, 2 की मौत

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में स्थित पीजीआई अस्पताल के गेट के बाहर सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार कंटेनर ने एक टेंपो और ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो का पिछला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पास के एपेक्स ट्रामा सेंटर टू पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। वहीं करीब दस घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने कंटेनर और उसके चालक को हिरासत में ले लिया हैं। पूछताछ की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री आवास के सामने प्रदर्शन कर रहे अतिथि शिक्षकों पर लाठीचार्ज

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री आवास के सामने विरोध कर रहे अतिथि शिक्षकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसमें कई शिक्षक चोटिल हो गए। अतिथि शिक्षकों का आरोप है कि इन लोगों की सेवा बिहार सरकार ने 31 मार्च को समाप्त कर दी। इस कारण उनका रोजगार छिन गया। सोमवार दोपहर शांतिपूर्ण तरीके से मुख्यमंत्री आवास के सामने प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन आचार संहिता की बात कहकर पुलिसकर्मियों ने बेरहमी से पिटाई की। अतिथि शिक्षकों का आरोप है कि हमलोग पुलिस से गुहार लगाते रहे लेकिन वह हमलोगों को बेरहमी से पीटते रहे।

चार हजार से अधिक अतिथि शिक्षकों का हटाया गया

अतिथि शिक्षकों का कहना है कि करीब चार हजार अधिक लोग बिहार के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अतिथि शिक्षक के तौर पर काम कर रहे थे। अचानक नीतीश सरकार ने हमलोगों से सेवा लेने से मना कर दिया। अपर मुख्य सचिव के आदेश पर शिक्षा विभाग ने हमलोगों से सेवा लेने से मना कर दिया। 31 मार्च को हमलोगों के कार्यकाल का आखिरी दिन था। शिक्षा विभाग ने उन्हें सेवा मुक्त कर दिया है। शिक्षक इसी के विरोध में घेराव करने पहुंचे थे।

25 जनवरी 2018 से काम कर रहे थे अतिथि शिक्षक

बता दें कि हाल में शिक्षा विभाग की ओर से एक चिट्ठी जारी की गई थी। इसमें कहा गया था कि 25 जनवरी 2018 से राज्य में उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों की सेवा ली जा रही है। अभी वर्तमान में कक्षा नौवीं और दसवीं के लिए 37 हजार 847, कक्षा 11वीं और 12वीं के लिए 56 हजार 891 और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कुल 94 हजार 738 शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। इन शिक्षकों द्वारा स्कूल में सेवा दिया जा रहा है। इसलिए अब इन स्कूलों में अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता नहीं है। इसलिए अतिथि शिक्षकों की सेवा समाप्त की जाती है।

सांसद की रिश्तेदार के विरुद्ध आरोपी दरोगा की पत्नी ने दी तहरीर, लगाए गंभीर आरोप

लखीमपुर खीरी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी में गैरजनपद के एक भाजपा सांसद की रिश्तेदार से छेड़छाड़, अभद्रता करने के मामले में नामजद हुए नारकोटिक्स विभाग के प्रभारी दरोगा की पत्नी ने अपना और बेटी का मेडिकल परीक्षण कराया है। उन्होंने सांसद की रिश्तेदार व उनके परिजनों पर मारपीट समेत कई गंभीर आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। इधर, कोतवाली पुलिस ने टकराव होने की आशंका पर आरोपी दरोगा से रविवार को पीड़िता का मकान खाली करवा दिया। इस मामले में चर्चा हो रही है कि आरोपी दरोगा भी एक सांसद का चहेता है। आरोपी दरोगा नारकोटिक्स विभाग के प्रभारी अभय मिश्रा मोहल्ला काशीनगर में अन्य जिले के सांसद की रिश्तेदार के मकान में किराए पर रहते थे। विवाद के बाद रविवार को बड़ी संख्या में फोर्स की मौजूदगी में प्रभारी से मकान खाली कराया गया।

इधर कोतवाली पुलिस ने शनिवार की शाम आरोपी अभय मिश्रा की पत्नी और पुत्री का मेडिकल कराया था। मेडिकल परीक्षण करने वाले ईएमओ अब्दुल कादिर ने बताया कि परीक्षण के दौरान दरोगा की पुत्री के शरीर में कहीं भी कोई चोट के निशान नहीं पाए गए, महिला को तीन जगहों पर चोटें आईं हैं। हाथ में ज्यादा समस्या होने की वजह से एक्स-रे कराने को बोला था। एक्स-रे सोमवार को किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीज ने तीसरी मंजिल से लगाई छलांग, मौत से मचा कोहराम-बीमारी से था परेशान

जालौन, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के जालौन जिले में मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीज ने सोमवार को तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। रामपुर थाना क्षेत्र ग्राम मजीठ निवासी लालजी उर्फ रेशु (30) जयपुर में मजदूरी करता था। कुछ माह से वह बीमार रहने लगा था। जिस वजह से वह दो माह पहले अपने गांव आ गया था। जहां से परिजन उसे झांसी इलाज के लिए लेकर गए तो पता चला कि लालजी के किडनी में शराब पीने से इंफेक्शन हो गया है।

आर्थिक तंगी होने की वजह से परिजन उसे वापस घर ले आए। तीन दिन पहले हालत बिगड़ने पर परिवार के लोगों ने उसे उरई मेडिकल कॉलेज की तीसरी मंजिल के वार्ड नंबर 10 में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज किया जा रहा था लेकिन उसकी तबीयत में सुधार नहीं था। जिसके चलते सोमवार सुबह वह अपनी मां उषा के साथ वार्ड के टॉयलेट में पेशाब करने गया और मां को बाहर खड़ा कर दिया। इस दौरान उसने टॉयलेट की खिड़की से छलांग लगा दी। जिससे उसकी मौत हो गई।

तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत

हमीरपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। हमीरपुर जिले में गांव के तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबकर मौत हो गई। जानकारी होने पर परिजन अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। बिवांर थाना क्षेत्र के ग्राम कुनेहटा हनुमान मंदिर के पास स्थित देवी तालाब पर दोपहर करीब एक बजे गांव के तालाब में तीन बच्चे मोहित वर्मा (12) पुत्र नन्नू वर्मा, विक्की श्रीवास (13) पुत्र भगवानदीन और दीपांशु वर्मा (10) पुत्र धापू चंद्र नहाते समय गहरे पानी में डूब गए। स्थानीय लोग उन्हें सीएचसी मौदहा ले गए। जहां उन्हें डॉक्टर द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। स्थानीय पुलिस मौके पर मौजूद है। बिवांर थाना प्रभारी राकेश कुमार सरोज का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

मां को बचाने को गिड़गिड़ाते रहे मासूम...पैर पकड़े फिर बेरहम बाप ने उन दोनों को भी मार डाला

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ के बिजनौर के सरवन नगर इलाके में एक पीओपी कारीगर ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद वह उसी कमरे में रहता रहा और दिन में काम पर भी जाता रहा।

रविवार को मकान मालिक जब वहां पहुंचे तो बदबू आने पर कमरे में खिड़की से देखा। जहां महिला का शव पड़ा दिखा। तब उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस ताला तोड़कर भीतर दाखिल हुई तो महिला के अलावा अलग-अलग बोरे में उनके दोनों बच्चों की भी लाश मिली। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मूलरूप से बलरामपुर के रतनपुर निवासी रामलगन गौतम बिजनौर के गौरी इलाके में किराये पर रहता था। वह पीओपी कारीगर है। 15 मार्च को उसने सरवन नगर में कमरा किराये पर लिया था। यहां पर वह पत्नी ज्योति(30), बेटी पायल (6) व बेटे आनंद (3) के साथ रह रहा था। रविवार दोपहर इलाके में रहने वाले मकान मालिक धीरेंद्र कुमार वहां पहुंचे। मकान से बहुत बदबू आ रही थी। वह तुरंत पहली मंजिल पर स्थित रामलगन के कमरे के बाहर गए। खिड़की से झांककर भीतर देखा तो जमीन पर ज्योति का शव पड़ा देखा। तत्काल उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी रामलगन को गिरफ्तार कर लिया है। मकान मालिक की तहरीर पर उसके खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की है।

28 मार्च की रात वारदात को दिया अंजाम

डीसीपी साउथ तेज स्वरूप सिंह ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि 28 मार्च की रात उसने घटना को अंजाम दिया। सोते वक्त उसने पहले साड़ी से पत्नी ज्योति का गला कसा। जब उसकी सांसें थम गईं तब उसने पहले बेटी और फिर बेटे का हाथों से गला घोंट दिया। अपनों की हत्या करने के बाद भी उसके चेहरे पर जरा भी शिकन नहीं दिखी।

आरोपी बोला....इसलिए की हत्या

पुलिस ने आरोपी से लंबी पूछताछ की। जिसमें उसने बताया कि वह करीब डेढ़ दशक पहले मुंबई में काम करता था। 2014 में वहीं पर उसने ज्योति से प्रेम विवाह कर लिया था। आरोपी के मुताबिक उसको शक था कि पत्नी के किसी दूसरे शख्स से संबंध हैं। वह उससे फोन पर बात करती थीं। इसको लेकर पहले भी विवाद हुआ था। तब वह उस युवक के साथ कमता इलाके में रहने लगी थीं। कुछ महीने के बाद वापस रामलगन के साथ रहने लगी थी। इन्हीं बातों की वजह से उसने साजिश रचकर ज्योति की हत्या की। फिर बच्चों को मारा।

चार अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आएंगे जमुई

एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में करेंगे सभा को संबोधित

जमुई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जमुई में आगमन की सूचना मिलते ही कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन भी एक्शन मोड में आ गए हैं। प्रधानमंत्री के सभा स्थल पर कोई चूक न हो इसके लिए डीएम राकेश कुमार, एसपी डॉक्टर शौर्य सुमन, एसडीओ अभय कुमार तिवारी, एसडीपीओ सतीश सुमन समेत जिले के आला अधिकारियों द्वारा सभा स्थल का जायजा लिया जा रहा है। जमुई विधायक श्रेयसी सिंह ने बताया कि पहले चरण के चुनाव प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 अप्रैल को जमुई पहुंचेंगे, जहां खैरा-सोनो मुख्य मार्ग स्थित नरियाना नदी पुल के समीप बल्लोपुर में एनडीए से लोजपा (रामविलास) प्रत्याशी अरुण भारती के लिए चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। जिसकी तैयारी जोरशोर से शुरू हो गई है।

2019 को भी इसी स्थान पर चुनावी सभा को किया था संबोधित

2019 लोकसभा चुनाव में भी एनडीए से लोजपा (रामविलास) प्रत्याशी चिराग पासवान के पक्ष में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी स्थान से सभा को संबोधित किया था। जिससे चिराग पासवान ने भारी मतों से अपना जीत दर्ज किया था। जिले के खैरा प्रखंड अंतर्गत खैरा-सोनो मुख्य मार्ग स्थित नरियाना नदी पुल के समीप बल्लोपुर में सभा स्थल पर पंडाल बनाने का कार्य तेजी से की जा रही है।

यूपी में 'इंडिया' मतलब सपा-कांग्रेस, गठबंधन से छिटक रहे हैं एक के बाद एक दल, बढ़ा सकते हैं मुश्किलें

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जिस वक्त इंडिया गठबंधन की दिल्ली में रैली हो रही थी और पूरे देश में विपक्षी एकजुटता का संदेश दिया जा रहा था, उसी वक्त उत्तर प्रदेश में गठबंधन के दो धड़ों ने अलग होने का एलान कर दिया। इनमें पीडीए का नारा बुलंद करने वाले पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपनी उम्मीदवारी घोषित की, तो सपा विधायक पल्लवी पटेल ने पिछड़ा, दलित, मुसलमान (पीडीएम) न्याय मोर्चा का एलान कर दिया।

ऐसे में अब प्रदेश में इंडिया गठबंधन का मतलब सिर्फ सपा और कांग्रेस ही रह गई है। हालांकि कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस से जुड़ने वाले पूर्व विधायक ललितेशपति त्रिपाठी को गठबंधन के तहत भदोही सीट दी गई है। यूपी में मुख्य विपक्षी दल सपा के साथ विभिन्न दल एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने का भले ही खूब प्रयास किए, लेकिन चंद दिनों के बाद ही उनमें बिखराव होने लगा। सपा ने कांग्रेस को अमेठी, रायबरेली व वाराणसी सहित 17 सीटें दीं। इस बीच सपा के सिंबल पर विधायक बनीं अपना दल (कमेरावादी) की नेता पल्लवी पटेल ने तेवर दिखाए। उन्होंने सपा पर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की अनदेखी का आरोप लगाया। उनकी पार्टी ने फूलपुर, मिर्जापुर, कौशांबी से प्रत्याशी उतारने की घोषणा भी की। अब रविवार को पल्लवी पटेल ने एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के साथ मंच साझा किया और

पीडीएम न्याय मोर्चा का एलान कर दिया। पल्लवी के इस कदम के सियासी मायने हैं। वह पिछड़ा, दलित और मुसलमानों की एकजुटता के जरिये नया मोर्चा तैयार करने की ख्वाहिशमंद हैं। इसमें ओवैसी उनके साथ हैं। यह कवायद कितना करिश्मा दिखाएगा, यह तो वक्त बताएगा लेकिन इतना जरूर है कि विभिन्न दलों के छिटकने से इंडिया गठबंधन की सियासी धार अब कुंद हो सकती है। पल्लवी के इस कदम पर सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी सवाल उठाते हैं। कहते हैं कि पल्लवी पटेल सपा की विधायक हैं। उन्हें अलग मोर्चा बनाने से पहले नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

स्वामी प्रसाद मौर्य, डॉ. संजय चौहान और चंद्रशेखर बने प्रत्याशी

अखिलेश के साथ पीडीए की वकालत करने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा का साथ छोड़कर राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी बनाई और रविवार को कुशीनगर से खुद चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। सपा गठबंधन में शामिल रहे जनवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय चौहान को उम्मीद थी कि गठबंधन के तहत वह घोसी से मैदान में उतरेंगे, लेकिन सपा ने राजीव राय को प्रत्याशी बना दिया।

उन्होंने 30 लोकसभा सीट पर लड़ने का एलान किया और अब तक 14 सीट पर उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं। इसी तरह पीडीए का नारा देने वाले आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद ने नगीना से नामांकन कर दिया है। महान दल चुनाव मैदान में नहीं है। दल के अध्यक्ष केशवदेव मौर्य ने सपा-बसपा को समर्थन देने और कांग्रेस-भाजपा उम्मीदवार का विरोध करने का एलान किया है।

पीएम मोदी के बयान पर स्टालिन का तीखा प्रहार

केंद्र से किए तीन सवाल, भाजपा पर लगाए आरोप

चेन्नई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कच्चातिवु द्वीप मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान और केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की प्रेस कॉन्फेरेंस के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पलटवार किया है। उन्होंने मछुआरों के प्रति अचानक भाजपा का प्यार जागने पर सवाल उठाया है। पीएम मोदी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मामले को लेकर आलोचना करने के बाद सीएम स्टालिन ने इसे ध्यान भटकाने वाली रणनीति बताया है।

सीएम स्टालिन का पलटवार

मीडिया से बात करते हुए स्टालिन ने कहा, 10 वर्षों से कुंभकर्ण की नींद से उठने के बाद जो मछुआरों के प्रति अपना प्यार दिखा रहे हैं, तमिलनाडु की जनता उनसे तीन सवाल पूछना चाहती हैं। केंद्र सरकार तमिलनाडु द्वारा कर के रूप में दिए गए एक रुपये में से 29 पैसे क्यों लौटाती है? राज्य को दो प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा, इस दौरान केंद्र ने बाढ़ राहत के तौर पर तमिलनाडु को एक भी पैसा क्यों नहीं दिया? वह एक ऐसी परियोजना के बारे में बता दें जिसे पिछले दस वर्षों में उनके द्वारा राज्य में लागू किया गया है? उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, ध्यान भटकाने की रणनीति न करके वह (पीएम मोदी) पहले इन तीन सवालों का जवाब दें। इसी के साथ स्टालिन ने हैशटैग के साथ कहा 'बथिल सोलुंगा मोदी', जिसका मतलब है पीएम मोदी से जवाब मांग रहे हैं। कच्चातिवु द्वीप मामले को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने आज एक प्रेस कॉन्फेरेंस की थी। उन्होंने डीएमके पर इस मामले को लेकर कोई जिम्मेदारी नहीं दिखाने का आरोप लगाया है। जयशंकर के इस आरोप पर डीएमके प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने पलटवार किया है। उन्होंने मीडिया से कहा, आप (भाजपा) यहां पिछले 10 वर्षों से सत्ता में है। इस दौरान भाजपा सरकार ने कच्चातिवु द्वीप को वापस पाने की कोशिश तक नहीं की। भाजपा अब ऐसा क्यों कर रही है? उन्हें मालूम है कि देशभर में वे 150 सीट भी नहीं जीत पाएंगे। वह इस मुद्दे को इसलिए उठाना चाहते हैं, ताकि चुनावी बॉन्ड से सबका ध्यान भटक जाए।

पीएम मोदी पर भड़के कांग्रेस नेता कच्चातिवु द्वीप को लेकर पीएम मोदी के पोस्ट और विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फेरेंस पर कांग्रेस नेता मनिकम टैगोर ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के लोग भाजपा को खारिज कर रहे हैं और पार्टी ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। मीडिया से बात करते हुए अन्नादुरई ने कहा, भाजपा, आरएसएस और पीएम मोदी के साथ एक ही परेशानी है। तमिलनाडु के लोग उन्हें खारिज कर रहे हैं और वह ध्यान भटकाने की रणनीति चाहते हैं। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत सरकार ने समझौते पर हस्ताक्षर किया था, जिसे इंदिरा गांधी-सिरीमावो भंडारनायके समझौता के नाम से जाना जाता है। छह लाख तमिलों को बचाने के लिए यह द्वीप श्रीलंका को दे दी गई थी। हम स्पष्ट थे कि अगर हमारे मछुआरों पर हमला किया गया तो हम इस द्वीप को वापस पाने के लिए आवाज उठाएंगे। लेकिन इन 10 वर्षों में पीएम मोदी ऐसा करने में नाकाम रहें। उन्होंने दावा किया कि इस गिरी हुई रणनीति के साथ भाजपा तमिलनाडु में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी।

असम-मणिपुर और त्रिपुरा में भी जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

जलपाईगुड़ी अस्पताल में ममता ने दिया दिलासा

गुवाहाटी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारी बारिश और तूफान ने पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा, मिजोरम व मणिपुर में तबाही मचाई। त्रिपुरा में 600 से अधिक घर तबाह होने की खबर है। इनमें 162 घर पूरी तरह जमींदोज या गंभीर क्षतिग्रस्त हो गए। बारिश और हवाओं के थपेड़ों के बीच मिजोरम में चर्च गिर गया। खबर के मुताबिक मिजोरम के चम्फाई जिले के लुंगटन गांव में यूनाइटेड पेंटेकोस्टल चर्च की इमारत ढह गई।

आइजोल के सियालसुक में एक और चर्च की इमारत को नुकसान पहुंचा। उधर, मणिपुर के थौबल व खोंगजोम इलाके में भी कई पेड़ उखड़ गए और घरों की टीन की छतें उड़ गईं। वहीं, असम में गुवाहाटी हवाईअड्डा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके चलते हवाईअड्डे का परिचालन रोकना पड़ा। छह उड़ानों के मार्ग बदलने पड़े। त्वरित प्रतिक्रिया दल भी तैनात किए गए हैं। प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने स्थिति का जायजा लिया और चक्रवात प्रभावित लोगों से मुलाकात की। जलपाईगुड़ी में चक्रवात के कहर के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जलपाईगुड़ी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में तूफान पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने आश्वासन दिया, प्रशासन प्रभावित इलाकों में मुस्तैद है। जरूरी सहायता प्रदान की जा रही है। सरकार पीड़ितों की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, 'डॉक्टर, नर्स और अस्पताल कर्मचारी स्थिति को संभालने के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। बचाव अभियान खत्म हो चुका है। सीएम ममता ने बताया कि जिला और ब्लॉक प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन दल (डीएमजी) और क्यूआरटी टीमें राहत और बचाव अभियान चला रही हैं। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

विधानसभा में आप विधायकों का हंगामा

ऋतुराज झा का दावा, भाजपा ने 25 करोड़ का दिया ऑफर, चंदे का मुद्दा भी उठाया

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी के विधायकों ने भाजपा को चंदा देने के मामले पर जमकर हंगामा किया। विधायकों ने रेड्डी की ओर से भाजपा को 60 करोड़ रुपये का चंदा देने के मामले पर घेरा। हंगामा होने पर विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्रवाई अगले सोमवार तक स्थागित कर दी। आम आदमी पार्टी के किराड़ी विधानसभा से विधायक ऋतुराज झा ने बड़ा दावा किया है। झा ने कहा कि भाजपा ने 25 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है।

साथ ही पूर्वांचल कोटे से मंत्री बनने का ऑफर भी दिया। 10 विधायकों को ज्वाइन कराने पर मंत्री बनने का ऑफर दिया गया है। इसके साथ ही आज सुबह किसी को ये बात न बताने की धमकी भी दी गई। विधानसभा में बोलते हुए विधायक ऋतुराज झा ने कहा कि मैं नंबर नहीं दूंगा, सबूत दूंगा। भाजपा का ऑपरेशन लोटस एक्सपोज होगा। अभी तक तो सुन ही रहे थे कि राष्ट्रपति शासन लगा देंगे। कल में एक शादी में गया तो मुझे साइड में आने के लिए कहा। मुझसे कहा कि आपको बहुत समय से समझाने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली में कुछ नहीं मिलने वाला है।

एलओसी पर पाकिस्तानी ड्रोन से घुसपैठ की कोशिश, जवानों ने की गोलीबारी

जम्मू कश्मीर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के सुंदरबनी सेक्टर में सोमवार को नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी ड्रोन ने घुसपैठ की कोशिश की। सतर्क भारतीय सेना के जवानों ने जब ड्रोन को अपनी सीमा में प्रवेश करते देखा तो गोलीबारी की।

अधिकारियों ने बताया का एलओसी के पास दो अलग-अलग स्थानों पर एक पाकिस्तानी ड्रोन और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही देखने के बाद सेना के जवानों ने गोलीबारी की। सुंदरबनी सेक्टर के एक अग्रिम इलाके में ड्रोन की गतिविधि देखी गई। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते ही पाकिस्तानी क्वाडकॉप्टर को मार गिराने के लिए कम से कम चार राउंड फायरिंग की। गोलीबारी होते ही ड्रोन वापस पाकिस्तान की ओर लौट गया।

केरी सेक्टर में दिखे संदिग्ध

वहीं, रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि के दौरान केरी सेक्टर में कुछ लोगों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई, जिन्हें आतंकवादी माना जा रहा है।संदिग्ध गतिविधि का पता चलने के बाद सैनिकों ने कुछ राउंड दागे। इसके बाद वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की ओर भाग निकले। इसके तुरंत बाद दोनों जगहों पर सेना की तरफ से बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई ड्रोन न गिराया गया हो और संदिग्धों द्वारा कुछ भी संदिग्ध न फेंका गया हो।

इंदिरा सरकार ने कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को क्यों दिया

चिदंबरम ने दिया तर्क, पीएम मोदी पर साधा निशाना

चेन्नई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कच्चातिवु द्वीप मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पोस्ट और केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर की प्रेस कॉन्फेरेंस पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि भाजपा इस मामले में बेतुका आरोप लगा रही है।

चिदंबरम का पीएम मोदी पर पलटवार

मीडिया से बात करते हुए चिदंबरम ने कहा, यह समझौता 1974 और 1976 में हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी आरटीआई में दिए गए हालिया जवाब के आधार पर आरोप लगा रहे हैं, जबकि उन्हें 27 जनवरी 2015 के आरटीआई के जवाब को देखना चाहिए, जब जयशंकर विदेश सचिव थे। उस जवाब में स्पष्ट रूप से कहा गया कि बातचीत के बाद यह द्वीप अंतर्राष्ट्रीय सीमा के श्रीलंकाई हिस्से में है। इंदिरा गांधी ने क्यों स्वीकार किया कि यह श्रीलंका का है? क्योंकि श्रीलंका में छह लाख तमिल पीड़ित थे और वह भारत आना चाहते थे। इस समझौते के बाद छह लाख तमिल भारत आए और वे अब यहां सभी मानवाधिकारों का आनंद ले रहे हैं। चिदंबरम ने दावा किया कि इसका प्रभाव इंडी गठबंधन के पक्ष में पड़ेगा। भाजपा को केरल और तमिलनाडु में एक भी सीट नहीं मिलने वाला है। तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस के पास भाजपा से बेहतर संख्या होगी।

कंगना के बयान पर प्रतिभा का पलटवार : बोलीं-क्या करना है, हम देखेंगे; चुनाव में उतरने का आदेश मिला...

मंडी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा है कि मुझे रेस्ट करने को कहना भाजपा प्रत्याशी कंगना रणौत का सुझाव हो सकता है। मगर क्या करना है, यह हमने देखना है। प्रतिभा सिंह नाचन के पूर्व विधायक टेक चंद डोगरा के देहांत पर उनके परिजनों से मिलने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहीं थीं।

उन्होंने दावा किया कि जल्द कांग्रेस प्रदेश की चारों सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। अगर हाईकमान उन्हें आदेश करता है तो वह चुनावी दंगल में उतरकर अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगी। लोकसभा चुनाव के साथ-साथ कांग्रेस प्रदेश में होने वाले उपचुनाव में डटकर मुकाबला करेगी। प्रतिभा सिंह ने कहा कि कांग्रेस सरकार को कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। कांग्रेस की सरकार ने 15 माह में ही अपने चुनावी घोषणापत्र में किए कई वायदों को पूरा किया है। ओपीएस, महिलाओं को 1500 रुपये देने का वादा और आपदा में लोगों को राहत देने सहित बहुत से ऐसे काम हैं, जिनको लेकर हम जनता के बीच जाएंगे। हिमाचल में कांग्रेस पार्टी ने पहले भी विकास किया है। अब भी कर रही है और आगे भी करेगी। इस मौके पर उनके साथ पूर्व मंत्री प्रकाश चौधरी और पूर्व सीपीएस सोहन लाल ठाकुर भी उपस्थित रहे।

कंगना ने मोदी को बताया श्रीराम का अवतार, खुद को रामसेतु की गिलहरी

हॉट सीट मंडी से भाजपा प्रत्याशी एवं बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत ने पीएम नरेंद्र मोदी को श्रीराम का अवतार बताया है। साथ ही खुद को रामसेतु की गिलहरी बताते हुए उनकी सेना में जुड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मोदी साधारण व्यक्तित्व नहीं हैं। राम मंदिर 600 साल में नहीं बन पाया। सदियों में जो काम नहीं हो पाया, उसे ईश्वर ने उनके हाथों से करवाया। उनका चरित्र ही ऐसा है। वह रविवार को सरकाघाट के पौंटा में जनसमूह को संबोधित कर रही थीं। कंगना ने कहा कि भाजपा प्राण जाए पर वचन न जाए पर काम करती है। भाजपा के लोग जो वचन देंगे, वह पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें मोदी की सेना से जुड़ने का मौका मिला है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी तंज कसे। कहा, कांग्रेस झूठे वायदे करने में माहिर है, जबकि भाजपा काम करने में विश्वास रखती है। पहली बार भाजपा हाईकमान ने सरकाघाट को बड़ा मौका दिया है। अच्छे मार्जिन से जीत दिलानी है, जिससे हमारा दबदबा होगा। इस मौके पर स्थानीय विधायक दिलीप ठाकुर ने भी केंद्र सरकार की उपलब्धियां बताईं और कहा कि प्रदेश कांग्रेस सरकार ने जनता को ठगने का ही काम किया है। कंगना ने कहा कि कांग्रेस नेता कह रहे हैं कि आपदा के दौरान वह कहां थीं। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान दान दिया है, लेकिन आपदा में सही भूमिका निभाने के लिए कांग्रेस के चुने प्रतिनिधियों को लोगों की सहायता करनी चाहिए थी। कांग्रेस मात्र भ्रमित करने में लगी हुई है।

कंगना से मिले जयराम, बनाई रणनीति

रविवार सुबह नेता प्रतिपक्ष एवं हिमाचल के पूर्व सीएम जयराम ठाकुर मंडी से कंगना रणौत से मिलने से पहुंचे। कंगना ने उनका हिमाचली टोपी पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने बैठक कर लोकसभा चुनाव पर रणनीति बनाई। कंगना से मिलने के बाद जयराम हमीरपुर के लिए रवाना हो गए।

सनातन धर्म पर विवादित बयान मामले में उदयनिधि स्टालिन से सुप्रीम कोर्ट ने पूछा सवाल, दिए निर्देश

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन से सनातन धर्म पर दिए गए विवादित बयान को लेकर दी गई याचिका पर सवाल पूछा। दरअसल स्टालिन ने अपनी याचिका में अलग अलग एफआईआर को जोड़ने की अपील की थी। कोर्ट ने पूछा कि स्टालिन ने इस मामले में किस न्यायिक अधिकार के तहत शीर्ष अदालत में याचिका दायर की।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए ये निर्देश

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मंत्री से कहा कि वह संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत नहीं बल्कि सीआरपीसी की धारा 406 के तहत शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर सकते थे। सीआरपीसी की धारा 406 में आपराधिक मामलों को स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि ऐसे कुछ मामलों में संज्ञान लिया गया है और समन जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा न्यायिक अधिकार के तहत कार्यवाही को नहीं छुआ जा सकता।

याचिका में संशोधन करें स्टालिन- सुप्रीम कोर्ट

पीठ ने उदयनिधि स्टालिन को कानूनी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए अपनी याचिका में संशोधन करने के लिए कहा है। अदालत द्वारा मामले को 6 मई से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध करने की अनुमति दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु के मंत्री की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी पेश हुए। उन्होंने कहा कि टिप्पणी करने के पीछे राजनीतिक युद्ध करने का इरादा नहीं था क्योंकि उस दौरान वहां केवल 30 से 40 लोगों का जमावड़ा था। उदयनिधि स्टालिन तमिलनाडु में युवा कल्याण और खेल मंत्री हैं। वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के बेटे हैं। सितंबर 2023 में एक सम्मेलन में उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है और इसे जड़ से मिटा देना चाहिए।

तूफान-बारिश से ब्रह्मपुत्र नदी में डूबी नाव

जलपाईगुड़ी में राज्यपाल ने किया तबाही का मुआयना

गुवाहाटी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। असम में ब्रह्मपुत्र नदी में एक नाव के पलटने से चार साल के बच्चे की मौत हो गई है। हादसे के बाद से दो लोग लापता हैं। सोमवार को एक अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश और तूफान के चलते नाव पलटी। घटना असम के दक्षिणी सलमारा-मनकाचर जिले की है। असम के आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के सीईओ ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी ने बताया कि रविवार शाम को राज्य के कई इलाकों में तेज बारिश और तूफान आया, जिससे पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। कई घरों को भी नुकसान हुआ। वहीं जलपाईगुड़ी में आए तूफान को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है।

हादसे के वक्त नाव में सवार थे 15 यात्री

ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी ने बताया कि शाम करीब पांच बजे सिशुमारा घाट से नेपुरेर अलगा घाट जा रही एक नाव नेपुरेर अलगा गांव के करीब पलट गई। इस हादसे में एक चार साल के बच्चे की मौत हो गई, जिसकी पहचान सामिन मंडल के रूप में हुई है। वहीं कोबात अली मंडल (56 वर्ष) इस्माइल अली (8 वर्ष) लापता हैं। जिस वक्त नाव हादसे का शिकार हुई, उस वक्त नाव पर 15 यात्री सवार थे। नाव पलटने के बाद अन्य यात्रियों को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। राज्य की आपदा प्रबंधन की एक टीम लापता लोगों की तलाश में जुटी है। डुबरी और गोलपाड़ा जिलों से गहरे पानी में उतरने वाले तैराक बुलाए गए हैं। एसडीआरएफ के जवान नौकाओं के जरिए लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। ज्ञानेंद्र प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि बचाव अभियान की निगरानी के लिए ड्रोन्स और पायलट भी घटनास्थल पर भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि कई जिलों में बिजली गिरने की घटनाएं भी हुईं, लेकिन अभी तक इससे किसी नुकसान की खबर नहीं है।

सुवेंदु अधिकारी ने लगाए ये आरोप भाजपा नेता और बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि 'शुरुआत में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन की टीमों में राहत और बचाव कार्य किए। भाषणों और फोटो सेशन के अलावा राहत और बचाव कार्य ठीक से नहीं किए जा रहे हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान की समीक्षा भी नहीं हो रही थी।' त्रिपुरा के लेंबुताली इलाके में भी बारिश और तूफान से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। सीएम माणिक साहा ने आज तूफान प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को पीड़ितों की मदद के लिए हरसंभव मदद देने का निर्देश दिया।

एलओसी पर अब एसी-टीवी वाले बंकरों में रुक सकेंगे टूरिस्ट

जमीन से 20 फीट नीचे बने दो बंकर तैयार, इस साल 370 और बनेंगे

जम्मू, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इक्का-दुक्का घटनाओं को छोड़ दें तो 25 फरवरी 2021 के बाद से जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान से सटी भारतीय सीमा (एलओसी) पर गोलीबारी थमी हुई है। इसी शांति के बीच से बॉर्डर पर पर्यटन बढ़ाने का नया रास्ता निकला है। राज्य प्रशासन एलओसी से सटी जीरो लाइन पर आधुनिक बंकर बना रहा है, जिनमें जल्द पर्यटक रुक सकेंगे। ऐसे दो बंकर सांबा जिले में एलओसी के ठीक सामने तैयार हैं।

इनमें जमीन से 20 फीट नीचे एसी, स्मार्ट टीवी, अलमारी सब रखे हैं। इस साल ऐसे 370 बंकर बनने हैं। इनका किराया फिलहाल तय नहीं है। सांबा के डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा के मुताबिक यह प्रोजेक्ट का पहला चरण है। पिछले साल बॉर्डर के कुछ गांवों को पर्यटकों के लिए खोला गया था। उनकी आवाजाही को देखते हुए ही बंकर तैयार करने का प्लान आया। शर्मा ने बताया कि बंकरों में रुकने के लिए अभी से पर्यटक इंक्वायरी कर रहे हैं। कुछ पर्यटक रुकने आने लगे हैं।

2018 में केंद्र सरकार ने एलओसी और इंटरनेशनल बॉर्डर पर 14460 निजी और सामुदायिक बंकर बनाने की मंजूरी दी थी। 413 करोड़ के इस प्रोजेक्ट के तहत 10 हजार बंकर बनकर तैयार हो चुके हैं। 2018 में केंद्र सरकार ने एलओसी और इंटरनेशनल बॉर्डर पर 14460 निजी और सामुदायिक बंकर बनाने की मंजूरी दी थी। 413 करोड़ के इस प्रोजेक्ट के तहत 10 हजार बंकर बनकर तैयार हो चुके हैं।

फायरिंग के वक्त लोग लंबे समय रुक सकेंगे

यदि भविष्य में कभी पाक की तरफ से फायरिंग होती है तो बंकर स्थानीय लोगों के रुकने के लिए खोल दिए जाएंगे। वे यहां लंबे समय तक आसानी से रुक सकें, इसलिए लाइब्रेरी, छोटी जिम मशीनें भी रखी हैं। पानी और बिजली की सप्लाई भी किसी भी स्थिति में बंद नहीं होगी।

जर्जर हो रहे थे, इसलिए इन्हें पर्यटन से जोड़ रहे

ये वही बंकर हैं, जिनका उपयोग पाक गोलीबारी के वक्त बॉर्डर से सटे गांवों के लोग करते रहे हैं। गोलीबारी बंद होने के बाद इनका मेंटेनेंस नहीं हो रहा था, इसलिए इन्हें पर्यटन से जोड़ने का प्लान तैयार किया गया। अगले एक साल में बॉर्डर आने वाले पर्यटकों को बंकर उपलब्ध कराएंगे। फिलहाल दो तरह के बंकर बना रहे हैं। पहला- निजी। दूसरा- सामुदायिक। निजी बंकर का साइज 160 वर्ग फीट है। इनमें 8 लोग रुक सकेंगे। सामुदायिक बंकर 800 वर्ग फीट के हैं। इनमें 40 लोग ठहर सकेंगे। डिप्टी कमिश्नर के मुताबिक दो मॉडल बंकर रामगढ़ और सुचेतगढ़ में बनाए हैं। इनमें एसी, अलमारी, टीवी, टेबल-कुर्सी रखी हैं। सीढ़ियों से लेकर बंकर के अंदर जमीन पर मार्बल लगाया है।

जम्मू कश्मीर में बढ़ रहा पर्यटन

कश्मीर की वादियों में अमन-चैन लौट रहा है। हालात बदल रहे हैं। अगस्त 2018 से 2023 तक पांच साल में आतंकी वारदात में 59% तक की कमी आई। स्थानीय युवा आतंकी गुटों में भर्ती होने से किनारा कर रहे हैं। ऐसे में विदेशी सैलानियों को कश्मीर लुभा रहा है।

नई ऊंचाइयों पर गुलमर्ग गंडोला, टूटे रिकॉर्ड

इस साल 10 लाख सैलानियों ने की केबल कार की सवारी

जम्मू कश्मीर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में सैलानियों की आमद में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में नए रिकॉर्ड को अपने नाम किया है। इस साल गुलमर्ग गंडोला में दस लाख से अधिक पर्यटकों ने सवारी कर धरती के स्वर्ग के नजारों का लुत्फ लिया। इससे जम्मू कश्मीर पर्यटन को 110 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। जम्मू कश्मीर पर्यटन विभाग ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया, 'वित्त वर्ष 2023-24 में पहली बार एक मिलियन (10 लाख) से अधिक पर्यटकों ने गुलमर्ग गंडोला केबल कार की सवारी की। राजस्व 110 करोड़ रुपये को पार कर गया है। जम्मू-कश्मीर में पर्यटन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है जो पिछले सभी आंकड़ों को पार कर रही है।' पिछले साल (2022-2023) गंडोला की सवारी करने वाले पर्यटकों की संख्या 8.5 लाख थी, जबकि 2021-2022 में 6 लाख पर्यटकों ने सवारी की।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 2 अप्रैल- 2024

चुनाव प्रचार की रंगत

चुनाव घोषणा के बाद से ही लोकसभा चुनाव फीका लग रहा था, लेकिन रविवार को जिस तरह से पक्ष व विपक्ष की विशाल रैली हुई है उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि एक ही दिन में इसमें रंगत आ गई। रामलीला मैदान दिल्ली में जहां इंडी गठबंधन ने पहली बार मिलकर रैली की तो दूसरी तरफ़ प्रधानमंत्री मोदी ने मेरठ में रैली कर इंडी गठबंधन पर बरसने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। दोनों तरफ से जुबानी संग्राम जमकर हुआ। दिल्ली में इंडी गठबंधन के जुटे नेताओं ने सीधे प्रधानमंत्री को निशाने पर लिया तो मेरठ में पीएम मोदी ने भी चुन-चुनकर जवाब दिया। राहुल गांधी ने जहां पीएम मोदी पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बयान कुछ समझ में नहीं आया। क्रिकेट का उदाहरण देते- देते लगता है वे खुद ही हिट विकेट हो गए। अति उत्साह से लबरेज खरगे ने कह दिया कि मोदी जी ने पिच खोद दी है और हमसे कह रहे हैं कि क्रिकेट खेलो। उनके इस बयान से कांग्रेस की बेचारगी स्पष्ट झलकती है। एक तरह से वॉक ओवर की तरह। सब जानते हैं कि खोदी हुई पिच पर तो नहीं खेला जा सकता। जहां तक सेल्फ़ गोल वाली बात है, वह ये कि पिच मुंबई में स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे के वक्त खोदी गई थी। उनके बेटे महाराष्ट्र में अनमने मन से ही सही, लेकिन कांग्रेस के साथ हैं। ऐसे में खडगे का बयान उद्धव ठाकरे को चिढ़ाने जैसा ही प्रतीत हो रहा है। प्रियंका गांधी ने रैली में सरकार के सामने पाँच माँगें रखीं। इनमें प्रमुख दो हैं जिनमें चुनाव आयोग से माँग की गई है कि विपक्षी नेताओं पर छापों की कार्रवाई रोकी जाए। दूसरी और महत्वपूर्ण माँग ये है कि गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। इस रिहाई की माँग के पीछे कांग्रेस का उद्देश्य बचे- खुचे संगठनों या पार्टियों को इंडी गठबंधन से जोड़े रखना है। नीतीश कुमार और ममता बेनर्जी जैसे मज़बूत स्तंभ पहले ही उखड़ चुके हैं इसलिए जो कुछ बचा है उसे ही समेटे रखना कांग्रेस की मजबूरी के सिवा कुछ नहीं है। सोनिया गांधी लोकतंत्र बचाओ महारैली में पहुंची तो सही लेकिन काफी देर से। मंच पर पहुंचते ही सुनीता केजरीवाल ने उनका स्वागत किया। दोनों ने हाथ मिलाकर एक-दूसरे का स्वागत किया। लगभग सभी प्रमुख दलों के बड़े नेता इसमें शामिल हुए और सबने मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की कथित ज्यादतियों और लोकतंत्र पर हो रहे हमलों के इर्दगिर्द ही बातें रखीं। उधर मेरठ में प्रधानमंत्री मोदी भी इन्हीं मुद्दों पर गरजे। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर आरोप भी लगाए और गिरफ्तार विपक्षी नेताओं के खिलाफ भी कहा कि भ्रष्टाचारियों की गिरफ्तारी हो कर रहेगी, यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने सीधे कहा- इन नेताओं ने जितने रुपए डकारे हैं, सरकार उन पैसों को ग़रीबों के कल्याण में लगाएगी। प्रधानमंत्री के इस बयान से साफ़ है कि गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल के प्रति सहानुभूति की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। ये सब भ्रष्ट हैं और इन्हें सजा मिलकर रहेगी। प्रधानमंत्री का कहना था कि अगर विपक्षी नेता पाक- साफ़ हैं तो सुप्रीम कोर्ट उन्हें छोड़ क्यों नहीं रहा है? कुछ तो गड़बड़ की होगी जो तारीख दर तारीख वे जेल जा रहे हैं। कुल मिलाकर बयानों का तीखापन अब हवा में गूंजने लगा है। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव के प्रचार में पैनापन दिखने लगा है। मतदान का दिन ज्यों-ज्यों नजदीक आता जाएगा प्रचार की भाषा त्यों-त्यों तीखी सुनाई देने लगेगी।

पंजाब की राजनीति बड़े बदलाव की ओर

राजेश कुमार पासी

2022 के विधानसभा चुनावों में बम्पर जीत हासिल करके आम आदमी पार्टी पंजाब की राजनीति में बड़ा बदलाव कर चुकी है । इससे पहले कांग्रेस और अकाली-भाजपा गठजोड़ की सत्ता में अदला बदली होती रही है । एक नई पार्टी ने दोनों को बुरी तरह से पछाड़ते हुए एक धमाकेदार जीत हासिल की । किसान आंदोलन के कारण अकाली भाजपा का गठबंधन टूट गया था, इसका भी फायदा आम आदमी पार्टी को हुआ । अकाली दल ने किसान आंदोलन के समर्थन में भाजपा से नाता तोड़ लिया था ताकि उसे किसानों की नाराजगी न झेलनी पड़े लेकिन उसे चुनावों में किसानों का समर्थन नहीं मिल सका । कांग्रेस ने किसान आंदोलन का भरपूर समर्थन किया था और उनके तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेन्द्र सिंह ने ही किसानों को दिल्ली जाकर धरना देने की सलाह दी थी । इसके बावजूद किसानों ने कांग्रेस का भी साथ नहीं दिया । किसान आंदोलन का पूरा फायदा आम आदमी पार्टी को मिला । किसान आंदोलन के कारण भाजपा और उसके नेताओं को पंजाब में बड़े बुरे हालातों का सामना करना पड़ा था, इसलिए उसे 2022 के चुनावों में कोई उम्मीद नहीं थी । किसान नेताओं ने भी चुनाव में हाथ आजमाया था लेकिन उन्हें भी निराशा हाथ लगी । आंदोलन के कारण खुद को बड़ा नेता मान रहे नेताओं को अहसास हो गया कि राजनीति उनके बस की नहीं है ।

2024 के लोकसभा चुनाव पंजाब की राजनीति में एक बार फिर बड़े बदलाव का इशारा कर रहे हैं । सत्ताधारी दल आम आदमी पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में गठबंधन की कोशिश चल रही थी, जो कि कामयाब नहीं हो सकी । दोनों दलों के राष्ट्रीय नेतृत्व ने इसे लेकर काफी प्रयास किये लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली । इसकी वजह यह भी रही कि दोनों दलों की स्थानीय इकाइयां इसका विरोध कर रही थी । बेशक पंजाब में यह गठबंधन नहीं हो पाया लेकिन दिल्ली में दोनों दलों ने मिलकर लड़ने का फैसला कर लिया है । ये अब अजीब होगा कि दिल्ली में दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे और पंजाब में एक दूसरे को पटकनी देने की कोशिश करेंगे । कितना अजीब होगा कि केजरीवाल दिल्ली में कांग्रेस के उम्मीदवार को जिताने के लिए वोट मांगेंगे और पंजाब में उसे हराने के लिए जनता से अपील करेंगे । इसका असर दोनों प्रदेशों की जनता पर भी होगा और भाजपा इसे मुद्दा बनायेगी । बड़ा सवाल यह है कि क्या दिल्ली में गठबंधन होने के कारण दोनों दल पंजाब में एक दूसरे के खिलाफ पूरे दमखम के साथ लड़ सकेंगे ? मेरा मानना है कि सोशल मीडिया के जमाने में यह दोनों दलों को भारी पड़ने वाला है । पंजाब में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के कई नेताओं को तोड़कर अपनी पार्टी में मिला लिया है । इस लड़ाई में बहुत कमजोर समझी जाने वाली भाजपा ने बड़ा धमाका कर दिया है । वोट पड़ने से दो महीने पहले दोनों दलों से एक-एक वर्तमान सांसद तोड़कर अपने दल में शामिल कर लिए हैं । भाजपा का अकाली दल से मुकाबला नहीं है, उसका मुख्य मुकाबला इन दोनों दलों से होना है । पहले और दूसरे नम्बर की पार्टी के वर्तमान सांसदों का चौथे नम्बर की पार्टी में चले जाना कोई सामान्य घटना नहीं है । यह घटना बता रही है कि पंजाब की राजनीति फिर एक बार बड़े बदलाव की ओर चल पड़ी है । पिछले कई महीनों से अकाली दल और भाजपा में गठबंधन की बातचीत चल रही थी । भाजपा की स्थानीय इकाई इस गठबंधन के खिलाफ थी क्योंकि उसका कहना था कि अकाली दल से गठबंधन होने पर पंजाब में भाजपा का विकास रुक जाएगा । वास्तव में अकाली दल पंजाब में भाजपा को विधानसभा की 23 और लोकसभा की 3 सीटें लड़ने के लिए देता था । अकाली दल ने भाजपा को आगे बढ़ने का मौका कभी नहीं दिया । यह भी एक सच्चाई है कि अकाली दल ने पंजाब भाजपा में स्थानीय नेतृत्व को भी पनपने नहीं दिया ।

कच्चाथीवू द्वीप बनेगा दक्षिण का चुनावी मुद्दा ?

अशोक भाटिया

आरटीआई से मिले जवाब के बाद तमिलनाडु में कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंपे जाने का मुद्दा गरमा गया है। RTI के मुताबिक, 1974 में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने इस द्वीप को श्रीलंका को सौंप दिया था। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई द्वारा द्वीप को लेकर एक RTI आवेदन दिया गया था जिसका जवाब सामने आने के बाद सियासी घमासान मच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ से अपने लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत के दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर विपक्ष को घेरा। उन्होंने कच्चाथीवू द्वीप का जिक्र कर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान इस द्वीप को लेकर श्रीलंका के साथ समझौता किया गया था। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली बात। नए तथ्यों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने बेरहमी से कच्चातिवु द्वीप को छोड़ दिया। इससे हर भारतीय नाराज है और लोगों के मन में यह बात बैठ गई है कि हम कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं कर सकते। भारत की एकता, अखंडता और हितों को कमजोर करना 75 सालों से कांग्रेस का काम करने का तरीका रहा है। वैसे भी भारतीय प्रधानमंत्री पहले भी कच्चातिवु द्वीप को लेकर कांग्रेस पर आक्रामक रहे हैं और उन्होंने पिछले साल अगस्त महीने में भी कच्चातिवुद्वीप का जिक्र कर कांग्रेस पार्टी को घेरने की कोशिश की थी। अब तो रिपोर्ट आने के बाद उन्होंने अपनी मेरठ कि सभा में हुंकार भरी कि कैसे कांग्रेस और इंडी अलायंस देश की अखंडता और देश की एकता को तोड़ते रहे हैं। आज ही कांग्रेस का एक और देश विरोधी कारनामा देश के सामने आया है। तमिलनाडु में भारत के समुद्री तट से कुछ दूर, कुछ किलोमीटर दूरी पर श्रीलंका और तमिलनाडु के बीच में समुंदर में एक टापू है, एक द्वीप है कच्चातिवु. अलग-अलग नाम भी लोग बोलते हैं। ये द्वीप सुरक्षा की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। जब हमारा देश आजाद हुआ था, तब हमारे पास था और ये हमारे भारत का अभिन्न अंग रहा है लेकिन कांग्रेस ने चार-पांच दशक पहले इसे यह कह कर दे दिया कि ये द्वीप गैर-जरूरी है, फालतू है, यहां तो कुछ होता ही नहीं है। इन्होंने मां भारती का एक अंग काट दिया और भारत से अलग कर दिया। देश कांग्रेस के रवैये की कीमत आज तक चुका रहा है। गौरतलब है कि अगस्त 2023 में प्रधानमंत्री मोदी ने इस द्वीप का जिक्र करते हुए कहा था, कि ₹कांग्रेस का इतिहास मां भारती को छिन्न-भिन्न करने का रहा है।इस बात का खुलासा भाजपा तमिलनाडु प्रमुख के अन्नामलाई की तरफ से दस्तावेजों के खुलासे के बाद आया है, जिससे यह संकेत मिलता है, कि कांग्रेस ने कभी भी छोटे, निर्जन द्वीप को ज्यादा महत्व नहीं दिया। रिपोर्ट के अनुसार, जवाहरलाल नेहरू ने एक बार यहां तक कहा था, कि वह ₹द्वीप पर अपना दावा छोड़ने₹ में बिल्कुल भी संकोच नहीं करेंगे।

यह कहानी नई नहीं है और जिन परिस्थितियों में इंदिरा गांधी के शासनकाल में भारत ने 1974 में कच्चातिवुपर अपना दावा छोड़ दिया था, उसे अच्छी तरह से समझना जरूरी है हालांकि, भाजपा के तमिलनाडु अभियान ने इसे राज्य के सबसे गर्म राजनीतिक विषयों में से एक बना दिया है।आइये जानते हैं, कि कच्चातिवुद्वीप को लेकर विवाद क्या है, खासकर तमिलनाडु राज्य की राजनीति में इस विषय पर एक बार फिर से राजनीति क्यों गर्म है? कच्चातिवु द्वीप हिंद महासागर में भारत के दक्षिण छोर पर है। 285 एकड़ में फैला यह द्वीप भारत के रामेश्वरम और श्रीलंका के बीच में बना हुआ है। 17वीं शताब्दी में यह द्वीप मदुरई के राजा रामानंद के अधीन था। अंग्रेजों के शासनकाल में कच्चातिवु द्वीप मद्रास प्रेसीडेंसी के पास आया। उस दौर में यह द्वीप मछली पालन के लिए अहम स्थान रखता था। यही वजह थी कि भारत और श्रीलंका दोनों मछली पकड़ने के लिए इस द्वीप पर अपना-अपना दावा करते थे। आजादी के बाद समुंद्र की सीमा को लेकर 1974-76 के बीच 4 समझौते किए गए थे। समझौते के तहत भारतीय मछुआरों को द्वीप पर आराम करने और जाल सुखाने में इजाजत की गई और यह द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया गया। यह द्वीप भारत के रामेश्वरम और श्रीलंका के बीच में बना हुआ है। साल 1974 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और श्रीलंका की राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके के बीच एक समझौता हुआ। समझौते के तहत इंदिरा गांधी ने श्रीलंका को कच्चातिवु द्वीप सौंप दिया था। इस समझौते को लेकर 26 जून को कोलंबो और 28 जून को दिल्ली में दोनों देशों के बीच बातचीत हुई थी। बैठक के बाद ही कुछ शर्तों के साथ इस द्वीप को श्रीलंका को सौंपा गया।शर्त यह रखी गई थी कि भारतीय मछुआरे इसका इस्तेमाल जाल सुखाने और आराम करने के लिए करते रहेंगे। यह भी कहा गया था कि इस द्वीप पर बने चर्च में भारतीयों को बिना वीजा जाने की इजाजत नहीं होगी और न ही भारतीय मछुआरे यहां पर मछलियां पकड़ सकेंगे। जब इंदिरा गांधी ने श्रीलंका को यह द्वीप सौंपा तो सबसे ज्यादा विरोध तमिलनाडु में हुआ था। तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि ने इसका पुरजोर विरोध किया था। इसको लेकर साल 1991 में तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्ताव पास किया गया। प्रस्ताव में उस द्वीप को वापस लेने की मांग की गई। इसके बाद ये मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंचा।

साल 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में कच्चातिवु द्वीप को लेकर हुए समझौते को अमान्य घोषित करने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि तोहफे में इस द्वीप को श्रीलंका को देना असंवैधानिक है।कच्चातिवु द्वीप को लेकर समय-समय पर सियासी घमासान हुआ। 2011 में जब जयललिता दोबारा तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनीं तो उन्होंने विधानसभा में इसको लेकर प्रस्ताव पास कराया।जब श्रीलंका में गृहयुद्ध चल रहा था उस दौरान श्रीलंकाई नौसैनिक बल, जाफना से बाहर स्थित लिट्टे की सप्लाई चेन को काटने के काम में व्यस्त थे, इसलिए भारतीय मछुआरों के लिए श्रीलंकाई जलक्षेत्र में जाना आम बात बन गई थी जिसकी वजह से श्रीलंकाई मछुआरों में काफी नाराजगी रहती थी क्योंकि बड़े भारतीय ट्रॉलर जहाज ना सिर्फ काफी ज्यादा मछलियां पकड़ते थे बल्कि श्रीलंकाई मछली पकड़ने के जाल और उनकी नावों को भी नुकसान पहुंचाते थे।साल 2009 में श्रीलंकाई गृहयुद्ध खत्म हो गये और उसके बाद नाटकीय अंदाज में स्थितियां बदलने लगीं। कोलंबो ने अपनी समुद्री सुरक्षा बढ़ानी शुरू कर दी और भारतीय मछुआरों पर अब उन्होंने कार्रवाई करनी शुरू कर दी। भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारियां शुरू हो गईं और कच्चातिवु द्वीप के आसपास श्रीलंका ने भारतीय मछुआरों के मछली पकड़ने पर सख्ती से रोक लगानी शुरू कर दी।

आज तक, श्रीलंकाई नौसेना नियमित रूप से भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करती है और हिरासत में टॉर्चर करती है जिसकी वजह से कई मछुआरों की मौत हो चुकी है। जब जब मछुआरों की मौत होती है, कच्चातिवु द्वीप को फिर से भारत में मिलाने की मांग उठने लगती है। लिहाजा, कच्चातिवुद्वीप को लेकर तामिलनाडु की राजनीति गर्म हो जाती है।

भारत के दिग्गज विदेश नीति एक्सपर्ट ब्रह्मा चेलानी ने कच्चातिवुद्वीप को श्रीलंका को देना भारत की बड़ी रणनीतिक भूल बताया है।उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है, कि ₹कच्चातिवु एक छोटा सा द्वीप हो सकता है लेकिन सीमाओं को लेकर भारत के प्रधानमंत्रियों के उदारता का एक लंबा रिकॉर्ड रहा है उन्होंने कहा है, कि ₹मणिपुर की कबाव घाटी और सिंधु जल का बड़ा हिस्सा उपहार में देने से लेकर 1954 में तिब्बत में अपने अलौकिक अधिकारों को छोड़ने और फिर 2003 में औपचारिक रूप से अपना महत्वपूर्ण तिब्बत कार्ड छोड़ने से लेकर तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र को चीन के हिस्से के रूप में मान्यता देना, भारत के प्रधानत्रियों के उदारता का ये एक लंबा रिकॉर्ड है।उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा है, कि ₹भारतीय कूटनीति के भोलेपन का उदाहरण 1972 का शिमला समझौता है जिसके तहत भारत ने बगैर कुछ हासिल किए बातचीत की टेबल पर युद्ध में जो लाभ मिला था, उसे गंवा दिया।

ब्रह्मा चेलानी ने अपने ट्वीट में लिखा है, कि ₹भारत अपने इतिहास को फिर से याद कर रहा है क्योंकि मोदी सहित लगभग हर भारतीय प्रधान मंत्री ने शासन-कला की अनिवार्यताओं को सीखने या पिछली भूलों से सबक लेने के बजाय, विदेश-नीति के पहिये को फिर से बनाने की कोशिश की है। उनका इशारा मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में, गलवान घाटी हिंसा होने तक चीन को लेकर अपनाए गये रणनीति को लेकर था जब मोदी सरकार ने चीन से शांति के लिए लगातार बैठकें की थी। खुद प्रधानमंत्री मोदी चीन गये थे और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भारत दौरे के दौरान भव्य स्वागत किया गया था लेकिन सरकार को उस वक्त चीनी मकसद का अहसास हुआ, जब गलवान घाटी में चीनी घुस आए और हिंसक झड़प में कई भारतीय सैनिक मारे गये।

स्वराज्य से रामराज्य की ओर बढ़ता भारत

डा. विनोद बब्बर

ऋषियों के प्रताप से मेरा देश सांस्कृतिक भारत, आध्यात्मिक भारत, संस्कारित भारत, सनातनी भारत, प्राचीन भारत, अद्वितीय भारत, विश्वगुरु भारत सहित अनेक नामों से प्रतिष्ठित है। केवल अध्यात्म ही नहीं, विज्ञान सहित हर क्षेत्र में दुनिया को बहुत कुछ देने वाला भारत ही है। विश्व के अनेक यात्रियों ने आज से सैंकड़ों-हजारों वर्ष पूर्व भारत का दौरा कर इसे धरती पर स्वर्ग कहा तो किसी ने इसे सोने की चिड़िया कहा। इसीलिए ज्ञान की चाह में भारत आने वालों से अधिक सोने की चिड़िया के पंख नोंचने वाले यहां आये। इन दुष्टों ने सोमनाथ के मंदिर सहित अनेक स्थानों पर लूटपाट तो की ही, हमारी श्रद्धा के केन्द्रों को भी नष्ट-भ्रष्ट किया। अयोध्या, मथुरा, काशी ही नहीं देश के भिन्न भागों में ऐसे असंख्य स्थान मौजूद हैं जो आक्रांताओं के अमानुष होने के प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में भी कुतुबमीनार परिसर में बनी कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद के खण्डहर आज भी आक्रांताओं के पाप की गवाही देते हैं।

मेरा भारत केवल अपने मंदिरों की वास्तुकला के लिए ही प्रसिद्ध नहीं है। सत्य, श्रम, सेवा, साहस, शौर्य हमारी पहचान है इसीलिए भारतीय जीवन दर्शन पूरे विश्व को आकर्षित करता रहा है। महात्मा चाणक्य के शिष्य चन्द्रगुप्त मौर्य ने बार-बार आने वाले आक्रांताओं से भारत की सीमाओं को सुरक्षित किया। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी ने अपने अद्वितीय शौर्य से जन-जन के हृदय में स्वराज्य का भाव पैदा किया तो गुरु तेगबहादर जी स्वधर्म के लिए बलिदान की प्रेरणा दी। दुर्भाग्य यह कि आक्रांताओं की वर्तमान पीढ़ी भी भारत को अभारत बनाने के लिए कुछ भी करने पर आमादा है तो दूसरी ओर भारतपुत्र अपने पूर्वजों की पुण्यधरा की प्रतिष्ठा बहाल करने के लिए प्राण-प्रण से संकल्पित है। उनके हृदय में यहां रामराज्य स्थापित करने की इच्छा हिलोरे ले रही है।

इतिहास से सबक ले देश के भविष्य को संवारने का जज्बा मन में लिए भारत जन-मन नये उत्साह और उमंग के साथ प्रयासरत है। सर्वोच्च न्यायालय ने 9 नवंबर 2019 को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के पक्ष में निर्णय दिया तो पांच सदियों के संघर्ष में आत्मोसर्ग करने वाले भारतपुत्रों की आत्माएं भी हर्षित थी। जन-जन के आराध्य प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण आरंभ होकर जब 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई तो केवल भारत नहीं, पूरे विश्व में फैले हर भारतवंशी के हृदय में उल्लास हिलोरे ले रहा था। सदियों के इतिहास की इस ऐतिहासिक दिवाली ने जिस वातावरण का निर्माण किया, वह अद्वितीय था। सदियों से हर भारतपुत्र के हृदय में शूल की तरह चुभने वाले आक्रांताओं के पाप काले निशानों से मुक्ति की आकांक्षा प्रत्येक भारतीय में है। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि के बाद भगवान विश्वनाथ की नगरी काशी भी गौरव प्राप्त की ओर अग्रसर है।

निश्चित रूप से बाबर के पाप की निशानी का हटना और रामजन्म भूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण सांस्कृतिक, आध्यात्मिक स्वर्णिम और विकसित भारत का शंखनाद है। आज भारत अनेक महाशक्तियों को पछाड़ विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आज भारत की वैज्ञानिक क्षमता का लोहा पूरा विश्व मान रहा है। देश निर्मित तेजस के बाद अग्नि मिसाइल के नये अति मारक संस्करण, मंगलयान, चन्द्रयान और मिशन आदित्य की सफलता अंतरिक्ष में भारत की सशक्त उपस्थिति को दर्शाते हैं। भारत के कदम चांद तक तो पहुंचे ही, आज हम रक्षा निर्यात के क्षेत्र न केवल आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं बल्कि नौ साल में हमारा रक्षा निर्यात 23 गुना बढ़ा है। भारत की बढ़ती शक्ति की एक झलक विश्व ने डोकलाम में देखी। भारत का अहित करने वाले भिखारी बने दुनिया से सहायता मांग रहे हैं तो भारत की विदेश नीति की प्रशंसा विरोधी भी करने को मजबूर है। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हमारे प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, इंजीनियर स्मार्ट डिजिटल तकनीक से उत्पादन और औद्योगिक विकास के आधुनिकीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष जैसे अग्रणी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त कर भारत का मस्तक गर्व से ऊंचा कर रहे हैं। ये संकेत भारत को पुनः विश्व का सिरमौर बनाने के है। इसका श्रेय वर्तमान के साथ-साथ इसे अवसर देने वाले करोड़ों भारतीयों को है।

भारतीयता के पर्याय हिन्दुत्व में राष्ट्र भक्ति सर्वोपरि है। राष्ट्र को स्वाभिमान, स्वाधीनता, स्वावलंबन तथा संस्कृति को स्थिरता एवं सुदृढ़ता प्रदान करने वाले आचार्य चाणक्य जैसे अनन्त ऋषि हमारे प्रेरणा स्रोत रहे हैं तो भगवा युगों-युगों से हमारी पहचान है। 'वयं पंचाधिक शतम्' सदियों से हमारी नीति है। जब भी समाज संगठित होकर खड़ा हुआ, सेल्युकस जैसे आक्रांता को भी भारत के समक्ष मस्तक झुकाना पड़ा।

यह सत्य है कि स्वराज प्राप्त करना भी सरल न था परंतु स्वराज को सुराज अर्थात रामराज्य बनाना एक चुनौती है। आज भारत को अभारत बनाने के लिए उत्पात मचाने को आतुर शक्तियों को उनकी औकात दिखानी है, वहीं सज्जन शक्ति का सम्वर्धन भी करना है। स्वराज को रामराज्य बनाने की प्रथम और अनिवार्य शर्त सामाजिक समरसता है। समाज की एकता है। यह कार्य केवल और समाज की एकता से ही संभव है। अतः हम सबको हर प्रकार के मतभेद, मनभेद, ऊंच-नीच की भावना हमेशा के लिए भुलाकर एक समान भारतपुत्र के रूप में व्यवहार करना पड़ेगा। अपेक्षा रूपी सपनों को साकार करने के लिए हम सबको कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि, आपसी सौहार्द को अपनी जीवनशैली का अनिवार्य अंग बनाना पड़ेगा।

बेरोजगार युवा नये भारत की ताकत कैसे होंगे ?

ललित गर्ग

दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत में युवा- बेरोजगारी की दुखद तस्वीर चिन्तनीय है। भारत को युवा-शक्ति का देश कहा जाता है, युवाओं की संख्या, क्षमता और ऊर्जा को देश की ताकत के तौर पर पेश किया जाता और उन्हें विकास का वाहक बताया जाता है, बावजूद इसके अब अगर देश का युवा बेरोजगारी की समस्या का सामना करते हुए अपने सपनों को टूटते-बिखरते देख रहा है तो यह स्थिति एक त्रासदी एवं विडम्बना ही कहीं जायेगी, इसे सरकार की नाकामी ही मना जायेगा। लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी की यह स्थिति मुद्दा क्यों नहीं बन रही है? भारत में बेरोजगारी की स्थिति पर मानव विकास संस्थान यानी आइएचडी के साथ मिल कर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आइएलओ ने 'इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' तैयार की है जिससे उजागर हुए बेरोजगारी के चिन्ताजनक तथ्यों पर गौर करने एवं आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है। रिपोर्ट के निराशाजनक आंकड़े दो तथ्यों को रेखांकित करते हैं-बेहतर भुगतान करनेवाली नौकरियों के आकांक्षी शिक्षित युवाओं को खपा सकने वाली नौकरियों का अभाव और शिक्षा की गुणवत्ता में खामियां जिसके चलते बड़ी तादाद में शिक्षित युवा अब भी नौकरी के मानक को पूरा करने में अक्षम हो रहे हैं। दोनों ही स्थितियां सरकार की नीतियों की खामी को ही सामने ला रही है।

ताजा रपट सरकार की नीतियों, विकास एवं आर्थिक उन्नति की विसंगति को ही उजागर कर रही है जिसमें बताया गया है कि देश में अगर बेरोजगार लोगों की कुल संख्या एक सौ है तो उसमें तिरासी लोग युवा हैं। अगर देश की बेरोजगारी की तस्वीर में तिरासी फीसद युवा दिख रहे हैं तो इससे कैसे देश की ताकत में इजाफा होगा? इस अहम रपट में उजागर हुए कुछ विरोधाभासी तथ्यों एवं आंकड़ों पर भी गौर करने में मदद मिलती है। माना जाता है कि बेरोजगारी की समस्या काफी हद तक शिक्षा और कौशल विकास के अभाव का भी नतीजा है मगर आइएलओ की रपट के मुताबिक, देश के कुल बेरोजगार युवाओं की तादाद में करीब दो दशक पहले के मुकाबले अब लगभग दोगुनी बढ़ोतरी हो चुकी है। खासतौर पर कोरोना महामारी के असर वाले वर्षों में इसमें तेज गिरावट दर्ज की गई। सोचने की जरूरत है कि नया भारत एवं विकसित भारत बनने के दौर में विकास के रास्ते में बेरोजगारी एवं युवा-सपनों को आकार देने का क्या हल है?

निश्चित तौर पर टेक्नोलॉजी से जुड़े बदलावों ने कौशल और रोजगार के प्रकारों की मांग को भी प्रभावित किया है। रिपोर्ट के अनुसार उच्च और मध्यम कौशल केन्द्रित नौकरियों में युवाओं ने बेहतर प्रस्तुति दी है। हालांकि, इन क्षेत्रों में नौकरी की इनसिक्योरिटी अभी भी परेशानी का सबब बनी हुई है। क्योंकि युवाओं में बुनियादी डिजिटल लिटरेसी की कमी भी कायम है। इस वजह से उनकी रोजगार की क्षमता में रुकावट आ रही है। बेरोजगारी की दुखद तस्वीर के बीच एक खराब स्थिति यह है कि इस दौरान ठेकेदारी प्रथा में वृद्धि हुई है। रपट के मुताबिक, संगठित क्षेत्रों में भी कुल कर्मचारियों का कुछ प्रतिशत हिस्सा ही नियमित है और वे दीर्घकालिक अनुबंधों के दायरे में आते हैं। ऐसी स्थिति में अंदाजा लगाया जा सकता है कि आजीविका से जुड़ी व्यापक असुरक्षा की स्थितियों का युवाओं एवं उनके परिवारों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता होगा। विडंबना यह है कि बढ़ती बेरोजगारी के साथ घटती आय का सामना कर रहे परिवारों में सीधा असर यह पड़ता है कि बच्चों और खासतौर पर लड़कियों की शिक्षा बाधित होती है।

भारत की चेतना को नया निखार देने का दायित्व युवापीढ़ी पर माना जा रहा है. उनसे बहुत-बहुत आशाएं है आजादी के अमृतकाल में लेकिन युवाओं के साथ बेरोजगारी एवं आर्थिक अभाव का दंश जुड़ा रहेगा तो देश कैसे आगे बढ़ेगा? वर्ष 2000 में पढ़े-लिखे युवा बेरोजगारों की संख्या रोजगार से वंचित कुल युवाओं में 35.2 फीसद थी, वहीं 2022 में यह बढ़ कर 65.7 फीसद हो गई। यह स्थिति तब है, जब इस अध्ययन में उन पढ़े-लिखे युवाओं को भी शामिल किया गया जिन्होंने कम के कम दसवीं तक की शिक्षा हासिल की हो। इससे एक जटिल स्थिति यह पैदा होती है कि जितने लोगों को रोजगार मिल सका, उनमें से नब्बे फीसद श्रमिक अनौपचारिक काम में लगे हुए हैं जबकि नियमित काम का हिस्सा बीते पांच वर्षों में काफी कम हो गया है हालांकि सन 2000 के बाद इसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।आखिर क्या कारण है कि देश में गरीब और हाशिये के तबकों के बीच दसवीं के बाद पढ़ाई छोड़ने की दर आज भी उच्च स्तर पर बनी हुई है?

दरवाज़ा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

उसके घर बैंक वाले आए थे। लोन देने के लिए नहीं वसूलने के लिए। बहुत देर की जिरह के बाद उन्होंने उसके घर का दरवाज़ा उखाड़ दिया। उसे अपने साथ ले जाने लगे। मुझे लगा हो न हो इस दरवाज़े में कुछ खास है। इतने दिन उसके घर आया गया हूँ उधारी में बहुत सारी चीज़ें ली भी हैं, लेकिन कभी दरवाज़े पर ध्यान नहीं दिया। लंबवत आयताकार वाला दरवाज़ा सागवान की लकड़ी का बना हुआ था। एक अरसा हुआ उसे रंगे हुए लेकिन अभी भी मजबूत था। बैंक वाले दरवाजा क्या ले गए मानो उसकी जान ले गए। घर वाले छाती पीट-पीटकर रोने-बिलखने लगे। ये पुरानी चीज़ें भी कब कूड़ा-कचरे की कैटगरी से उठकर मीठी यादें बन जाती हैं, पता ही नहीं चलता। पुरानी चीज़ों का तिरस्कार बड़ा दुखदायी होता है, क्योंकि हर एक नई चीज़ कभी न कभी पुरानी पड़ती ही है। नए के चक्कर में पुराने से मुँह मोड़ना संवेदना की कमी का प्रतीक है।

मैंने उससे पूछा कि बैंक वाले दरवाज़ा क्यों ले जा रहे हैं? तो उसने रोते हुए कहा – क्या बताऊँ तुम्हें कि मुझ पर क्या बीत रही है? मैंने बैंक वालों से एक लाख रुपए का कर्जा लिया था। कर्जा देते समय उन्होंने मुझे मुस्कुराते हुए लाख हिदायतें दी थीं कि समय पर कर्जा चुका देना। वरना ब्याज बढ़ने का चक्कर हमेशा बना रहता है। ब्याज और लड़की देखते-देखते बढ़ जाते हैं। मैं फसल के भरोसे था। असमय बरसात के चलते सारी फसल बर्बाद हो गई। सरकार ने इस नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा दिया। उसमें मैं नहीं था। वह क्या था कि उनकी नजर में गरीबों की फसल कभी बर्बाद नहीं होती, होती है तो केवल अमीरों की। मुआवजा अमीरों को मिला और मुझे लानत। कमाल की बात तो यह थी कि मुआवज़ा उन अमीरों को भी मिला जिनकी ढेर सारी बंजर जमीनें थीं। सच है मुआवज़ा फसल की बर्बादी देखकर नहीं लोगों की हैसियत देखकर दिया जाता है। वह आगे कहने लगा – "मैं बैंक वालों का कर्जा चुकाने में असमर्थ था। बाजार से जो कर्जा लिया था उसे चुकाने के लिए गाय-गोरू सब बेच दिए। अब मेरे पास कुछ नहीं था। बैंक वाले कई दिनों से धमका रहे थे। सोचा बैंक वाले हैं आज नहीं तो कल माफ कर ही देंगे। लेकिन मैं गलत था। मैं कर्ज लेने से पहले उनकी नजर में किसान था। कर्ज लेने के बाद ऋणी बना। ऋण चुकाने की असमर्थता ने कब मुझे उनकी नजर में चोर, उचक्का और नक्सली बना दिया, पता ही नहीं चला। आए दिन उनका घर पर आना। मुझे और बीवी-बच्चों का डराना अब हमारी खुराक का हिस्सा हो गए थे। जब उन्हें लगा कि मैं कर्जा नहीं चुका सकता तो आज वे दरवाज़ा उखाड़ ले गए।""ऐसा क्या खास था उस दरवाजे में? कहीं उसमें सोना-चाँदी तो नहीं जड़ा था? या फिर पुरातत्व विभाग इसके पीछे लगा था?" मैंने उत्सुकतावश पूछा। उसने रोते हुए कहा – "सोने-चाँदी से भी महँगी चीज़ थी उस दरवाजें में। और वह थी हमारी इज्जत। दुनिया की नजर में वे दरवाजा ले गए लेकिन हमें जीते जी अधमरा छोड़ गए। क्या हमारी इज्जत इतनी सस्ती है कि कोई भी आकर उसके साथ छेड़छाड़ कर सकता है? अब तक हम दरवाजा बंद कर इतने दिनों तक रूखा-सूखा जो कुछ भी खाते कभी दूसरों को पता नहीं चलता था।

कालाष्टमी? इस शुभ मुहूर्त में करें पूजा

कालाष्टमी 2024 अप्रैल शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 01 अप्रैल को रात 09 बजकर 09 से शुरू हो चुकु है यानी 02 अप्रैल को रात 08 बजकर 08 मिनट पर तिथि का समापन होगा।

कालाष्टमी का पर्व भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव देव को समर्पित है। हर महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि कालाष्टमी के दिन काल भैरव देव की पूजा और व्रत करने से साधक को खुशियों की प्राप्ति होती है और सभी तरह के प्रकार के दुख और संकट से छुटकारा मिलता है।

कालाष्टमी का पर्व भगवान भैरव देव को समर्पित है।

तंत्र विद्या सीखने वाले साधकों के लिए कालाष्टमी का दिन विशेष होता है।

सनातन धर्म में सभी व्रत और त्योहार किसी न किसी से देवी-देवता से संबंध रखते हैं। ऐसे में कालाष्टमी का पर्व भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव देव को समर्पित है। हर महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि कालाष्टमी के दिन काल भैरव देव की पूजा और व्रत करने से साधक को खुशियों की प्राप्ति होती है और सभी तरह के प्रकार के दुख और संकट से छुटकारा मिलता है। आइए जानते हैं अप्रैल में कब है कालाष्टमी व्रत, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

कालाष्टमी पूजा विधि

कालाष्टमी के दिन ब्रह्म बेला में उठें और दिन की शुरुआत काल भैरव देव के ध्यान से करें। इसके बाद स्नान करें और साफ वस्त्र धारण कर सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद एक चौकी पर कपड़ा बिछाकर काल भैरव देव की मूर्ति या तस्वीर को विराजित करें। अब उन्हें बिल्व पत्र, धतूरा, फल, फूल आदि चीजें अर्पित करें। अब दीपक जलाकर आरती करें और सच्चे मन से भैरव कवच का पाठ करें। विशेष चीजों का भोग लगाएं। इसके बाद फलाहार करें। रात्रि में कीर्तन और भजन करें। अगले दिन नित्य दिनों की तरह पूजा पाठ के बाद व्रत खोलें।

कालाष्टमी का महत्व

कालाष्टमी के अवसर भगवान काल भैरव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि इस दिन पूजा-व्रत करने से इंसान के जीवन में खुशियों का आगमन होता है और सुख-शांति मिलती है। साथ ही भगवान काल भैरव प्रसन्न होते हैं।

इस बार घोड़े पर सवार होकर आ रही हैं मां दुर्गा

चैत्र नवरात्रि मुहूर्त
चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ– 9 अप्रैल 2024
कलश स्थापना मुहूर्त – सुबह 06.02 – सुबह 10.16
अभिजित मुहूर्त – सुबह 11.57 – दोपहर 12.48
घोड़े पर सवार होकर आ रही हैं मां दुर्गा

इस बार 9 अप्रैल 2024 से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, जो कि 17 अप्रैल तक रहेगी। नवरात्रि के नौ दिन बहुत ही पावन माने जाते हैं। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है, लेकिन इस बार नवरात्रि में मां दुर्गा के आगमन की सवारी अनहोनी की ओर इशारा कर रही है। दरअसल इस बार मां दुर्गा घोड़े पर सवार होकर आ रही हैं और कहा जाता है कि घोड़े पर सवार होकर माता रानी का आगमन शुभ नहीं माना जाता। इससे देश-दुनिया में कई गंभीर परिणाम देखने को मिलते हैं। ऐसे में इन नौ दिनों तक कैसे पूजा-पाठ करें कि आपको शुभ फल मिले, ऐसा क्या करें कि अनहोनी के प्रभाव को कम किया जा सके?

देवी भागवत पुराण के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा के आगमन और प्रस्थान के दौरान वाहन का विशेष महत्व होता है। इस बार नवरात्रि की शुरुआत मंगलवार से हो रही है और जब नवरात्रि की शुरुआत मंगलवार से होती है तो माता का वाहन घोड़ा होता है।

घोड़े पर सवार होकर माता रानी का धरती पर आगमन शुभ नहीं माना जाता है। इससे कई गंभीर परिणाम देखने को मिलते हैं।

घोड़े पर सवार होकर माता रानी के आगमन अर्थ

नवरात्रि में माता का आगमन घोड़े पर होता है तो समाज में अस्थिरता, तनाव अचानक बड़ी दुर्घटना, भूकंप चक्रवात, सत्ता परिवर्तन, युद्ध आदि की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है।

'चैत्र नवरात्रि' में इन बातों का रखें ध्यान, बनी रहेगी नवदुर्गा की असीम कृपा

शुभ परिणाम के लिए ऐसे करें पूजा

घोड़े पर माता का आगमन शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे में इस नवरात्रि में माता की पूजा क्षमा प्रार्थना के साथ करें। पूरे दिन विधिवत पूजा करने के बाद क्षमा प्रार्थना करने से माता प्रसन्न होंगी और शुभ फल देंगी।

पूजा घर में रखें ये एक चीज
खुशियों से भर जाएगा आपका घर

आपने अक्सर घर में बड़ो को कहते सुना होगा कि पूजा घर में किसी अन्य वस्तु के साथ जल ज़रूर रखें। ऐसा इसलिए कि पूजा के स्थान में रखा हुआ जल इस बात का प्रतीक है कि आप भगवान को भोग अर्पित करने के साथ जल भी अर्पित कर रहे हैं जिससे वो भोजन के साथ जल भी ग्रहण कर सकें लेकिन इसके अलावा पूजा घर में रखी जल में सकात्मक उर्जा का वास होने लगता है। और घर में इसके प्रयोग से चमत्कारी

प्रणाम देखने को मिलते हैं। आज बताएंगे पूजा घर में जल रखना क्यों ज़रूरी है और इससे होने वाले चमत्कारिक उपाय।

सबसे पहले आपको बता दें, हमारे शास्त्रों में भी इस बात का वर्णन है कि पूजा के स्थान पर हमेशा जल का लोटा रखने से घर में समृद्धि बनी रहती है। यदि आप पूजा के स्थान ओर तांबे के बर्तन में जल रखते हैं तो यह ज्यादा शुभ माना जाता है। इसके अलावा ये भी माना जाता है कि पूजा स्थान पर जल रखने से व्यक्ति की मनोकामनाओं की पूर्ति भी होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

ज्योतिष के अनुसार पूजा घर में नियमित रूप से पूजा पाठ होता है। जिस वजह से इन सबका असर पानी में होता जाता है और इस जल से घर में छिड़काव करने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। ये ही वजह है धार्मिक स्थलों के जल को अमृत माना जाता है।

बता दें, इस जल को नियमित रूप से बदलते रहें। जल रखने के लिए तांबे का बर्तन सबसे ज्यादा शुभ होता है। पानी से भरे तांबे के बर्तन को रखना घर की प्रगति के लिए शुभ माना जाता है।

ऐसी मान्यता है कि जब भी पूजा के बाद आरती समाप्त होती है तब उसका आचमन जल से ही किया जाता है। ऐसा करने का कारण यह है कि जल की पूजा वरुण देव के रूप में होती है और वही दुनिया की हर एक वस्तु की रक्षा करते हैं। शास्त्रों के अनुसार कोई भी पूजा-आरती बिना आचमन के अधूरी मानी जाती है इसीलिए मंदिर में जल का लोटा रखा जाता है। जिससे आरती संपन्न होने के बाद जल से आचमन किया जा सके। पूजा छोड़कर बीच में न जाना पड़े और वहां रखे जल से ही पूजा संपन्न हो सके।

ऐसी मान्यता है कि यदि आप पूजा घर में रखे जल में तुलसी की कुछ पत्तियां डालकर रखती हैं तो यह जल और ज्यादा पवित्र हो जाता है। यह जल किसी पवित्र नदी का जल भी हो सकता है जो पूजा स्थल को शुद्ध रख सकता है।

मान्यता है पूजा के स्थान पर रखे हुए जल की ओर सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है और यह आपके आस-पास के माहौल में ऊर्जा का संचार करती है जो मन को शांत करने में मदद करती है। इसके अलावा इस जल में पवित्र नदियों का जल भी मिलाना शुभ माना जाता है।

झूठ बोलने से नहीं मिलेगा इन कार्यों का फल

धार्मिक ग्रन्थों के अनुसार हर इंसान को भगवान की पूजा पाठ व आराधना करनी चाहिए। इंसान भगवान की आराधना इसलिए करता है कि उसके जीवन में खुशियां आएं। इंसान जो मेहनत करता है उसका भगवान अच्छा फल दे और उसकी जिंदगी खुशियों से भर जाए। कई बार इंसान को काफी पूजा पाठ और तपस्या करने के बाद भी फल नहीं मिलता। ऐसे में इंसान निराश हो जाता है और भगवान के प्रति अविश्वास की भावना जागने लगती है। धार्मिक ग्रन्थों और शास्त्रों की मानें तो भगवान किसी इंसान को उसकी भक्ति का फल तब ही देता है जब वो भगवान की निस्वार्थ भाव से सेवा करने, आराधना व पूजा पाठ करे और सबसे अहम बात है वो है कि इंसान झूठ नहीं बोले। शास्त्रों की मानें तो जो इंसान झूठ बोलता है उसे उसकी पूजा पाठ या आराधना का फल नहीं मिलता।

शास्त्रों के अनुसार ऐसे पांच कार्य हैं जिनको करते हैं तो उसका फल तभी मिलेगा जब आप झूठ नहीं बोलेंगे अगर इन कामों को करते हो और झूठ बोलते हो तो आपको इन कार्यों का पूर्णतः फल नहीं मिलेगा।

पति-पत्नी के बीच कम हो गया है प्यार तो घर पर रखिए चांदी का मोर

रिश्ते में हमेशा मिठास बनाए रखना बहुत मुश्किल होता है खासकर रिलेशनशिप में यह एक ऐसा रिश्ता है अगर इसमें पॉजिटिविटी ना हो तो दरार आने लगती है। वही आज हम वास्तु के नियम अनुसार, बता रहे हैं कि घर में रखी चीज सुख-समृद्धि का संकेत देती है। अगर आपके घर में सही दिशा में चीज नहीं रखी गई है, तो व्यक्ति का नुकसान होता है यह केवल शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि पारिवारिक संबंध को भी प्रभावित करता है। वहीं, इसके विपरीत कुछ ऐसी चीज भी है जिन्हें घर में रखने पर शुभ माना जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार यदि आप चांदी का मोर घर में रखते हैं, तो इस शुभ माना जाता है यह देवी देवताओं को प्रिय होता है।

दंपति जीवन खुशहाल

दांपत्य जीवन की कड़वाहट को दूर करने के लिए आप अपने घर में चांदी का मोर रख लीजिए। वास्तु शास्त्र के नियम के अनुसार, यह पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार और शांति बनाता है।

नेगेटिविटी दूर

यदि आपके घर में किसी तरह की नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर रही है, तो चांदी का मोर रखने से नेगेटिविटी हमेशा दूर रहेगी। इस तरह से आपके घर में सुख-समृद्धि का संचार हमेशा होता रहेगा। इतना ही नहीं व्यक्ति को हर एक कार्य में सफलता मिलेगी।

पूजा घर में रखें

हर घर में पूजा घर तो जरूर बनाया जाता है आप इस घर में चांदी का मोर जरूर रखिए, इसे शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पूजा का दुगना लाभ मिलता है और व्यक्ति का जीवन सुखमय गुजरता है।

सिंदूर की डिब्बी

अगर आप अपने घर में हमेशा सुख समृद्धि बनाए रखने के साथ पति-पत्नी के रिश्ते की करवट को दूर करना चाहते हैं, तो शादीशुदा महिलाएं चांदी के मोर को सिंदूर की डिबिया में रखें। इससे अखंड सौभाग्य का वरदान प्राप्त होता है।

यश और समृद्धि के लिए बेल पत्र के नीच करें इन मंत्रों का जप

ज्योतिष के अनुसार भाग्येश, कर्मेश, लग्नेश, धनेश और प्रथमेश की उपासना धन प्रदायक होती है। तंत्रशास्त्र यक्ष यक्षिणी की उपासना के साथ अपने इष्ट की उपासना को धन प्रदायक मानता है। लक्ष्मी व कुबेर यक्षिणी व यक्ष हैं। रात्रि में पश्चिमाभिमुख होकर लक्ष्मी की उपासना धन प्रदायक मानी जाती है। लाल किताब मीठी वस्तुओं के वितरण को यश और समृद्धि का कारक मानता है। बिल्व के वृक्ष के नीचे श्रींकार व ऐश्वर्य के मंत्रों का जाप भी धन प्रदान करता है, ऐसा तंत्र के सूत्र कहते हैं।

शनिदेव यदि कुंडली के पराक्रम भाव यानी तृतीय भाव में हों, तो सजग, साहसी एवं पराक्रमी बनाता है। ये दयालु, तीव्र बुद्धि एवं स्वाभिमानी होते हैं। यह शनि अपार मान-सम्मान का कारक बनता है। ऐसे लोग अपने सामर्थ्य के बल पर ज़िंदगी में उच्च स्तर हासिल करते हैं। भाइयों की सहायता से क़ामयाबी का वरण करते हैं। जीवनसाथी का इन्हें पूर्ण सुख प्राप्त होता है। यह शनि न्यायप्रियता चातुर्य और गहरी बुद्धिमत्ता देता है। विपरीत लिंगियों में इनकी ख़्याति बहुत होती है। ये लोग उत्तम परामर्शदाता होते हैं। दर्शन शास्त्र, शिक्षा, लेखन, ज्योतिष जैसे गूढ़ विधा में इनकी नैसर्गिक रुचि होती है। ये निरोगी, योगी, विवेकशील और मितभाषी होने के साथ बलवान और प्रतापी होते हैं। ये लोग कर्म और भाग्य दोनों के धनी होते हैं। इनकी प्रवृत्ति परोपकारी होती है। जीवन में ये लोग उच्च स्तर का सम्मान हासिल करते हैं। यदि तृतीय भाव में शनि शुभ न हो, तो वह अपार आलस्य देकर निम्नस्तरीय बना देता है और अपार दुःख देता है। इनका अंतर्मन बेचैन रहता है। इनकी शिक्षा बाधित हो जाती है। ठंड का मौसम ये लोग सहन नहीं कर पाते। और बारिश का मौसम रुग्णता प्रदान करता है। नवम स्थान पर पूर्ण दृष्टि से भाग्योदय में रुकावट आती है। सफलता को लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। पंचम भाव पर दृष्टि विद्यार्जन में अड़चन का सबब बनती है।

जब सूर्य विशाखा नक्षत्र में हो, और चंद्रमा कृतिका नक्षत्र में, तो यह योग पुष्कर कहलाता है। सूर्य और चंद्र की यह अवस्था एक साथ होना अत्यंत विलक्षण है। यह योग आसानी से घटित नहीं होता। इसे अति शुभ योगों में शुमार किया जाता है, जो समस्त शुभ कार्यों के लिए उत्तम मुहूर्त माना जाता है।

गर्भाधान श्राद्धपक्ष, ग्रहणकाल, पूर्णिमा व अमावस्या को नहीं किया जाना चाहिए। जब दंपती के गोचर में चंद्र, पंचमेश व शुक्र अशुभ भावगत हों, तब भी गर्भाधान उत्तम नहीं होता है। रजोदर्शन की 11वीं और 13वीं रात्रि को भी गर्भाधान शुभ नहीं कहा गया है। सोमवार, बुधवार, बृहस्पतिवार और शुक्रवार ये चार गर्भ धारण करने के लिए उत्तम माने गए हैं। रविवार, मंगलवार और शनिवार इन तीन दिनों को गर्भाधान के लिए उत्तम नहीं माना गया है।

जन्म कुंडली में चतुर्थ भाव को सुख भाव कहा जाता है। यही भाव घर, वाहन मां और सुख का कारक है। इस भाव में जो भी राशि हो, उसके स्वामी ग्रह को अपना गृह निर्माण के लिए ज़िम्मेदार माना जाता है। उदाहरण के लिए यदि वहां 1 लिखा हो तो मंगल, 2 लिखा हो तो शुक्र, 3 हो तो बुध, 4 हो तो चंद्रमा, 5 सूर्य, 6 बुध, 7 शुक्र, 8 मंगल, 9 बृहस्पति, 10 शनि, 11 शनि और यदि वहां 12 लिखा हो तो बृहस्पति घर बनाने में मुख्य भूमिका का निर्वहन करेंगे।

शनि व मंगल परस्पर शत्रु हैं। कुंडली में इनकी युति जीवन में कष्ट प्रदान करती है। ये युति जिस भी भाव में हो, भावजन्य फलों की क्षति करती हैं स्थायित्व, उन्नति से भी वंचित रखती है। अन्य ग्रहों की स्थिति उत्तम होने पर कम से कम 36वें वर्ष तक तनाव का सृजन तो करती ही है। इस युति के लोग सरकारी नौकरी मुश्किल से हासिल कर पाते हैं। उच्च पद-प्रतिष्ठा प्राप्ति में भी विघ्न आता है। भविष्य में पैरालिसिस जैसे विकार भी परेशान करते हैं। सप्तम भाव में यह युति शुभ होने पर समस्त सुख प्रदान करती है, पर अशुभ होने पर अप्रिय परिणाम देती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में कष्ट व उससे विवाद बना रहता है, पर शनि तुरंत संबंध-विच्छेद नहीं होने देता।

अजय देवगन ने काजोल से शादी करने के पीछे की वजह का किया खुलासा, इस कारण दोनों ने किया था विवाह

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन अपनी अगली फिल्म 'मैदान' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह बहुप्रतीक्षित स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है। इसके चलते अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं। इसी बीच हाल ही में अजय देवगन ने अपनी और काजोल की शादी को लेकर बात की है। इस जोड़े की शादी को लगभग 25 साल हो गए हैं। उन्होंने हाल ही में बताया कि कैसे उन्होंने काजोल के साथ शादी की थी।

अजय देवगन और काजोल को बॉलीवुड के परफेक्ट कपल में से एक माना जाता है। इनके दो बच्चे निसा और युग हैं। अजय और काजोल ने शादी के बाद भी कई फिल्मों में साथ में काम किया है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उनसे काजोल से शादी करने के फैसले के बारे में पूछा गया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मैं वास्तव में नहीं जानता। मेरा मतलब है, हम मिले, हम बहुत अच्छे से काफी बार मिले।'

अभिनेता ने आगे बताया, 'हमने बिना प्रपोज किए ही एक-दूसरे को देखना भी शुरू कर दिया। फिर हमने यह मान लिया गया कि हम शादी कर लेंगे। हम लोगों के विचार काफी मिलते हैं। हम जो कुछ भी कहते हैं, हमारी नैतिकता और इस तरह की चीजें एक साथ मिलती-जुलती लगती हैं। तो बस इसीलिए फिर हमने शादी कर ली।'

काजोल और अजय देवगन ने 'इश्क', 'प्यार तो होना ही था', 'यू मी और हम' और 'तानाजी द अनसंग वॉरियर' जैसी कई फिल्मों में एक साथ काम किया है। वहीं अजय देवगन के वर्कफ्रंट की बात करें तो आखिरी बार वह हाल ही में 'शैतान' में नजर आए हैं। यह फिल्म काला जादू के ऊपर पर बनी है। आर माधवन भी फिल्म में अहम भूमिका में हैं।

वहीं अब वह अपनी अगली फिल्म 'मैदान' की रिलीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। इसमें वह सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज में 11 दिन बाकी रह गए हैं। जी स्टूडियोज, बोनी कपूर, अरुणव जॉय सेनगुप्ता और आकाश चावला द्वारा निर्मित 'मैदान' 10 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की टक्कर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' से होगी।

भाई बोनी से बात नहीं कर रहे हैं अनिल कपूर

नो एंट्री 2 में कास्ट ना किए जाने से नाखुश हैं, खुद प्रोड्यूसर ने किया खुलासा

हाल ही में बोनी कपूर ने फिल्म नो एंट्री 2 की अनाउंसमेंट की है। यह 2005 की फिल्म नो एंट्री का सीक्वल है। लेकिन पार्ट 2 में किसी पुराने स्टार को कास्ट नहीं किया गया है। सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान की जगह मेकर्स ने दिलजीत दोसांझ, अर्जुन कपूर और वरुण धवन को कास्ट किया है।

मेकर्स के इस फैसले से अनिल कपूर खुश नहीं हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने खुलासा किया है कि इस फैसले के चलते भाई अनिल बहुत नाराज हैं और उनसे सही से बात भी नहीं कर रहे हैं।

अनिल को कास्ट नहीं करने पर भी बोले बोनी

बोनी कपूर ने बताया कि अनिल इस सीक्वल का हिस्सा बनना चाहते थे। लेकिन जब तक वो नए स्टार्स की कास्टिंग का रीजन अनिल को बता पाते, उससे पहले ही यह खबर सामने आ गई, जिससे वह नाराज हो गए।

उन्होंने नो एंट्री सीक्वल के लिए अनिल को कास्ट ना करने के पीछे का कारण बताया कि कहानी के हिसाब से इसमें उनके लिए जगह नहीं थी।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

इस फिल्म की शूटिंग इस साल दिसंबर से शुरू हो सकती है। यह 2025 में फिल्म नो एंट्री के 20 साल पूरे होने पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। सूत्रों का कहना है दिलजीत, अर्जुन और वरुण इस फिल्म में डबल रोल में दिखेंगे।

बोनी कपूर ने बताई इन एक्टर्स को कास्ट करने की वजह

बोनी कपूर ने हालिया इंटरव्यू में बताया है कि उन्होंने तीनों स्टार की कास्टिंग क्यों की है। उन्होंने कहा कि वरुण और अर्जुन बहुत अच्छे दोस्त हैं। पर्दे पर दोनों की बढ़िया केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। वहीं, आज के समय में दिलजीत की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। इस लिहाज से तीनों की तिकड़ी पर्दे पर कमाल कर जाएगी। बोनी का कहना है कि इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर उन्होंने यह कास्टिंग की है।

2005 की नो एंट्री बॉक्स ऑफिस पर हिट थी

फिल्म नो एंट्री 2005 में रिलीज हुई थी। फिल्म का डायरेक्शन अनीस बज्मी ने किया था और इसे प्रोड्यूस बोनी कपूर ने किया था। फिल्म में सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान की तिकड़ी देखी गई थी। फिल्म की कहानी इन्हीं तीनों के इर्द-गिर्द थी।

फिल्म में बिपाशा बसु, ईशा देओल, सेलिना जेटली, लारा दत्ता, बोमन ईरानी, समीरा रेड्डी और नीता शेट्टी जैसे कलाकार भी दिखाई दिए थे।

फिलहाल प्रोड्यूसर बोनी कपूर अपकमिंग फिल्म मैदान की तैयारियों में बिजी हैं। फिल्म का डायरेक्शन अमित रविंद्रनाथ शर्मा ने किया है। फिल्म मैदान फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की बायोपिक है। सैयद अब्दुल रहीम ने अपना पूरा जीवन फुटबॉल को ही समर्पित कर दिया था और भारत को बहुत उपलब्धियां भी दिलाई थीं। अजय देवगन ने फिल्म में इन्हीं का किरदार निभाया है।

अजय देवगन के साथ फिल्म में प्रियामणि, गजराव राव भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल 2024 को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शाहरुख खान की फिल्म के इस गाने से रिप्लेस कर दिया गया था शान का गाना, सिंगर ने किया चौंकाने वाला खुलासा

बॉलीवुड सिंगर शान किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उनके गाए गए गाने आज भी लोगों की जुवां पर छाए रहते हैं। हाल ही में उन्होंने शाहरुख खान स्टारर डंकी में उनके गाने को रिप्लेस किए जाने को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। फिल्म में उना भी एक गाना था, जिसे हटा दिया गया था। शान ने बताया कि उनका ट्रैक हटा दिया गया था और उसकी जगह दूसरा गाना 'ओ माही' रखा गया।

शान ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान वह याद किया जब 'डंकी' से उनका गाना निर्माताओं द्वारा हटा दिया गया था। उन्होंने इस गाने को लेकर बात करते हुए कहा, 'मैं इसे लेकर बहुत खुश था कि मुझे शाहरुख खान का गाना गाने को मिलेगा। मगर किसी कारणवश इस गाने को दूसरे गाने के साथ बदल दिया गया था। तो ये चीजें होती रहती हैं। 'ओ माही' उस साउंडट्रैक का सबसे पसंदीदा गाना बन गया, जहां मेरा गाना रखा जाना था।'

'डंकी' का गाना 'ओ माही' अरिजीत सिंह ने गाया था। उन्होंने इसका एक और गाना 'लुट पुट गया' भी गाया था, जो दर्शकों का सबसे पसंदीदा गाना बनकर उभरा। फिल्म की रिलीज के दिन भी शान ने उनके गाने को शामिल नहीं किए जाने की वजह बताई थी। शान ने एक पोस्ट कर लिखा था, 'यह गाना 'दूर कहीं दूर' रिकॉर्ड किया गया था और इसे कश्मीर में फिल्माया गया, लेकिन एडिटिंग के जरिए। काफी सोचने के बाद इस गाने को हटाने के लिए निर्देशक राजकुमार हिरानी का फोन आया था।

उन्होंने गाने को लेकर खुलकर बात की। इसके लिए उनकी सराहना करता हूं। मैं पूरी तरह से समझता हूं कि फिल्म पहली प्राथमिकता है। उम्मीद है कि आपको यह गाना उनके फ्यूचर प्रोजेक्ट में सुनने को मिलेगा। मगर डंकी में नहीं।'

शाहरुख खान स्टारर 'डंकी' पिछले साल 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में शाहरुख खान, तापसी पन्नी, विक्की कौशल, बोमन ईरानी, अनिल ग्रोवर और विक्रम कोचर समेत कई अन्य कलाकार अहम भूमिका में नजर आए थे। दर्शकों को ये कॉमेडी-ड्रामा फिल्म बेहद पसंद आई थी।

आदिल खान दुर्रानी ने राखी सावंत पर लगाया पैसे चुराने का आरोप, पूर्व पत्नी को कहा- धोखेबाज और ढोंगी

राखी सावंत और उनके पूर्व पति आदिल खान दुर्रानी के बीच कानूनी जंग जारी है। इस बीच अब आदिल ने राखी पर नया आरोप लगाया है। हाल ही में एक साक्षात्कार में राखी सावंत के पूर्व पति आदिल खान दुर्रानी ने उन पर नए आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वे लोगों से पैसे चुराने में शामिल रही हैं। उन्होंने राखी को धोखेबाज और ढोंगी करार दिया। उन्होंने कहा कि राखी अपने खिलाफ दायर कई कानूनी मामलों के कारण परेशान हैं। आदिल ने राखी पर एक के बाद एक कई आरोप लगाए।

हाल ही में आदिल खान ने 'बिग बॉस 12' फेम सोमी खान से शादी की, जिसके बाद से राखी और उनके बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। आदिल ने हाल ही में इस बारे में बात की कि कैसे राखी उनकी शादी की खबरों को अपना नहीं पा रही हैं। उन्होंने कहा कि राखी सावंत को लोगों के पैसे

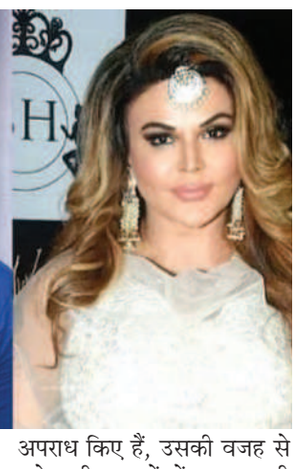

चुराने या लोगों को धोखा देने की आदत है। वे इस बात को पचा नहीं पा रही हैं कि मैं जीवन में आगे बढ़ गया हूं और एक खुशहाल जीवन जी रहा हूं।

आदिल ने आगे आरोप लगाए कि राखी एक धोखेबाज और ढोंगी हैं। वे जानबूझकर खबरों में बने रहने के लिए ये सब बेबुनियाद और बेकार बातें कर रही हैं। दरअसल, उसने यहां जितने भी अपराध किए हैं, उसकी वजह से उसे सभी मामलों में जमानत भी नहीं मिल रही है। मुझे लगता है कि वह अभी अपने दिमाग से बाहर है और बहुत निराश हो गई है। आदिल और राखी के बीच चल रहा विवाद बढ़ता जा रहा है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। राखी के हालिया दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए आदिल ने कहा कि सबूत के तौर पर पेश किए गए स्क्रीनशॉट और संदेश पुराने हैं, जो लगभग एक साल या उससे अधिक पुराने हैं। उन्होंने राखी की धार्मिक पहचान के बारे में की गई टिप्पणियों के बारे में भी बात की, जिसमें उन्होंने हिंदू धर्म और इस्लाम के बीच अपनी पहचान में उतार-चढ़ाव का जिक्र किया।

राखी ने पहले दावा किया था कि आदिल उनके पास वापस आने की कोशिश कर रहे थे, जबकि उनकी सोमी से शादी हो चुकी थी। अब इस पर आदिल ने जवाब देते हुए कहा कि राखी सावंत के पास और कोई काम नहीं है।वे मुझ पर आरोप लगाती रहती हैं। वे हमेशा से ऐसा करती आई हैं। मुझे उनके पास वापस जाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं अपनी पत्नी के साथ बहुत खुश हूं और मुझे उसके पास वापस जाने के लिए किसी को फोन करने की जरूरत नहीं है।

मनीषा रानी ने क्यों किया एल्विश यादव को अनफॉलो?

बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 फेम एल्विश यादव और मनीषा रानी बीते कुछ दिनों पहले ही चर्चा में आए थे कि एक्ट्रेस ने यूट्यूबर को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है लेकिन, मनीषा की ओर से इस पर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया था। 'बिग बॉस' और म्यूजिक वीडियो में दोनों की केमिस्ट्री को फैंस ने काफी पसंद किया है। ऐसे में अनफॉलो की बात फैंस को पची नहीं, जिस पर अब एक्ट्रेस की ओर से रिएक्शन दिया गया है। उन्होंने एल्विश को अनफॉलो करने के पीछे की वजह के बारे में बताया है।

दरअसल, टेलीचक्कर की ओर से मनीषा रानी का एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें 'झलक दिखला जा 11' की विनर मनीषा को एल्विश संग विवाद पर बात करते हुए देखा जा सकता है। इसमें उन्होंने बताया कि दोनों के बीच विवाद एक कोलाब पोस्ट के कवर फोटो को लेकर शुरू हुआ था। एक्ट्रेस की ओर से दावा करते हुए कहा गया कि एल्विश को उनके साथ अपनी एक तस्वीर लगानी थी लेकिन, उन्होंने इसकी अनदेखी की और खुद की फोटो अक्षय कुमार के साथ पोस्ट कर दी।

एक्ट्रेस ने एल्विश को अनफॉलो की बात को कबूलते हुए कहा कि इसकी वजह है कि एक बार एल्विश के दोस्त लवकेश कटारिया उनके पास एक डील लेकर आए थे। इसमें उन्हें यूट्यूबर के साथ एक कोलाब करना था। इसके लिए वो मान गई थीं लेकिन एल्विश ने कवर फोटो अक्षय कुमार के साथ लगाया जबकि ये उनका कोलाब था। इसे लेकर मनीषा ने अपनी टीम को फोटो हटाने के लिए कटारिया से बात करने को कहा था। इस पर एल्विश की टीम से जवाब आया था कि वो अभी फ्लाइट में हैं बाद में इस फोटो हटा दिया जाएगा।

एल्विश यादव ने दिया ऐसा रिएक्शन

मनीषा रानी आगे बताती हैं कि उन्होंने बाद में कोई कॉन्टेक्ट नहीं किया और जब कटारिया से इसे लेकर दोबारा पूछा गया तो एल्विश ने बात की और समस्या के बारे में पूछा। साथ ही कहा कि अभी कवर फोटो नहीं बदला जाएगा। मनीषा की मानें तो एल्विश ने कहा कि अगली बार मनीषा कभी ऐसा करेंगी तो वो अपनी फैमिली की फोटो डाल दें। इसकी वजह से एक्ट्रेस को लगा कि एल्विश हर इंटरव्यू में मनीष का अपनी दोस्त बताते हैं तो अपनी दोस्त के साथ फोटो शेयर करने में क्या दिक्कत है। यूट्यूबर ने फोटो को नहीं चेंज किया तो एक्ट्रेस ने इसके बदले उन्हें अनफॉलो कर दिया। मनीषा ने कहा कि अगर उनका ईगो है तो उनकी खुद की सेल्फ रिस्पेक्ट भी है।

म्यूजिक वीडियो में साथ किया था काम

आपको बता दें कि 'बिग बॉस ओटीटी 2' के बाद मनीषा रानी और एल्विश यादव की जोड़ी को म्यूजिक वीडियो 'बोलेरो' में देखा गया था। इसके प्रमोशन के लिए दोनों 'बिग बॉस 17' में भी आए थे। वहीं, मनीषा के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने हाल ही में टीवी डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 11' को जीता है। इसके साथ ही एल्विश यादव सांप के जहर के विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके लिए उन्हें जेल तक जाना पड़ा था। अब वो जेल से बेल पर रिहा हैं।

एक्टिंग बहुत कर ली, अब बेस्ट दिया है, एक्टर से डायरेक्ट बने 'विलेन' ने शेयर किया एक्सपीरियंस

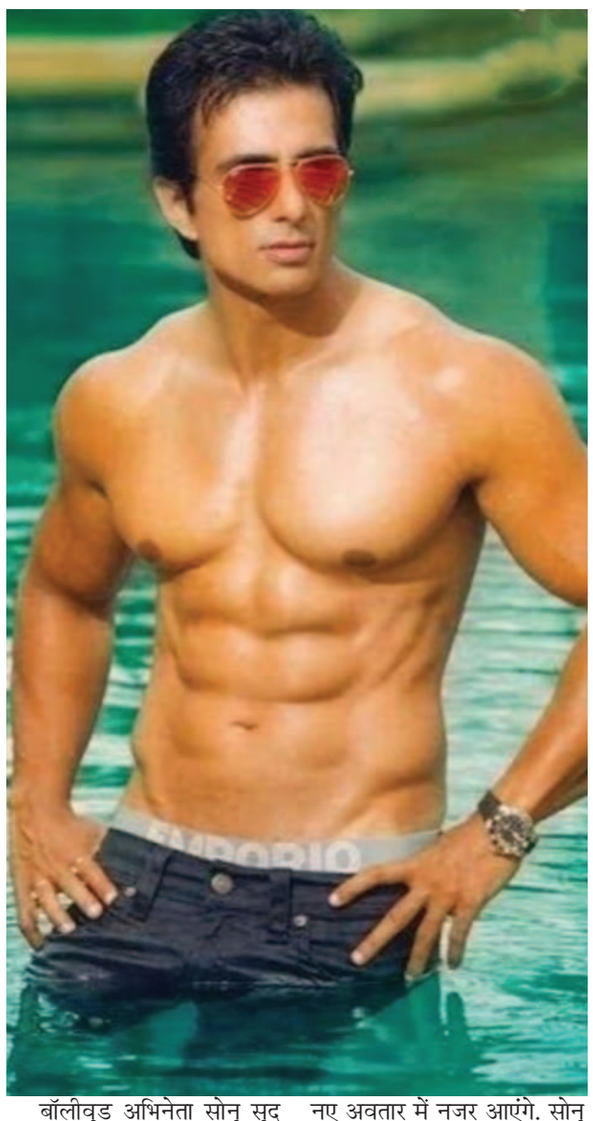

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद अब अपनी अपकमिंग फिल्म 'फतेह' को लेकर चर्चा में हैं, जो एक एक्शन फिल्म होगी. ये फिल्म जल्दी ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिसमें सोनू सूद एक दम नए अवतार में नजर आएंगे. सोनू सूद ने पिछले ही दिनों सोशल मीडिया पर फतेह का टीजर जारी किया था , जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया. बॉलीवुड अभिनेता पहले ही अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को इंप्रेस कर चुके हैं और अब वह डायरेक्टर के तौर अपनी नई शुरुआत कर रहे हैं.

सोनू सूद अपनी आने वाली फिल्म 'फतेह' के लिए पूरी तरह तैयार हैं. इसे उन्होंने एक जबरदस्त एक्शन फिल्म बताया है. अभिनेता ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए एक अभिनेता और निर्देशक के रूप में अब तक के सबसे संतुष्टिदायक अनुभवों में से एक रही है. सोनू ने एक्स (जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था) पर फिल्म से दो मोनोक्रोम तस्वीरें साझा कीं. 'फतेह' से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे अभिनेता ने वादा किया कि फिल्म में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है.

उन्होंने लिखा, "मैं कई सालों से फिल्में कर रहा हूं. सर्वश्रेष्ठ के साथ काम करने का सौभाग्य मिला. लेकिन हमेशा ऐसा महसूस होता था कि एक एक्शन फ्रेंचाइजी बनाई जाए जिस पर हम सभी को गर्व हो. एक ऐसी एक्शन फिल्म जो अब तक की बेस्ट हो. एक अभिनेता और निर्देशक के रूप में 'फतेह' अब तक का सबसे संतुष्टिदायक अनुभव रहा है."

सोनू सूद स्टारर फतेह में उनके साथ जैकलीन फर्नांडिस भी लीड रोल में दिखाई देंगी. इसके अलावा विजय राज भी फिल्म का हिस्सा हैं. खास बात तो ये है कि ये सोनू सूद के निर्देशन में बनी ये पहली फिल्म है, जिसमें वह अभिनेता भी हैं. यह एक पूर्व गैंगस्टर के बारे में है जिसे एक युवा महिला की सुरक्षा के लिए नियुक्त किया गया था.

जैकी श्रॉफ की वो फिल्म, जिसके नाम को लेकर मेकर्स ने किया था आगाह, रिलीज होते ही एक्टर के करियर पर लग गया 'ग्रहण'

बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में रिलीज हुईं जिन्हें बनाने में मेकर्स ने जी-जान लगा दी थी, लेकिन जब ये फिल्में रिलीज हुईं, तो उनकी सारी मेहनत पर पानी फिर गया. ऐसी ही एक फिल्म साल 2001 में आई 'ग्रहण' थी. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला स्टारर ये फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर बुरी तरह ढेर हो गई थी, लेकिन सबसे दिलचस्प बात है कि इस फिल्म को बनाते वक्त ही प्रोड्यूसर प्रकाश जाजू को इसके फिसड्डी साबित होने का आभास हो गया था. उन्होंने डायरेक्टर और एक्टर को सचेत भी किया था, लेकिन बावजूद इसके बरसों की मेहनत से बनी ये फिल्म आई और बॉक्स-ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई.

फिल्म 'ग्रहण' में जैकी श्रॉफ एक वकील के किरदार में नजर आए थे, जो एक रेप के गुनहगार को बरी करा देता है, लेकिन जब केस बंद होने के बाद वह सच से वाकिफ होता है तो वह गुनहगार को दोबारा सजा दिलाने के लिए केस खुलवाता है. एक संवेदनशील विषय पर बनाई गई फिल्म में जैकी श्रॉफ और मनीषा कोइराला ने उम्दा प्रदर्शन किया था, लेकिन बावजूद इसके ये फिल्म बुरी तरह पिट गई थी.

'ग्रहण' नाम से किया था सचेत

अब आप शायद सोच में पड़ गए होंगे कि आखिर ऐसी क्या वजह थी कि प्रोड्यूसर प्रकाश जाजू को पहले से ही पता था कि ये फिल्म फ्लॉप हो सकती है. दरअसल, वह वजह कुछ और नहीं बल्कि फिल्म का नाम था. 'ग्रहण' नाम के साथ फिल्म रिलीज करने से कतरा रहे फिल्ममेकर की भविष्यवाणी असल में सच निकली और इस फिल्म ने जैकी श्रॉफ के करियर पर 'ग्रहण' लगा दिया.

लागत तक वसूल न कर पाई थी फिल्म

5 करोड़ के बजट में बनी फिल्म 'ग्रहण' ने बॉक्स-ऑफिस पर 1 करोड़ 43 लाख रुपये की कमाई की थी. बजट से लगभग 4 गुना कम कमाई करने वाली इस फिल्म को डिजास्टर का टैग मिला था.

अगर आप भी धूप से आकर पीते हैं फ्रिज का ठंडा पानी, तो सेहत को हो सकता है नुकसान

गर्मियों के मौसम में अधिक तापमान में ठंडा पानी पीना लोगों को गर्मी से राहत दिलाता है। गर्मियों में हाइड्रेट रहने के लिए लोग लिक्विड ड्रिंक का सेवन करते हैं, जिसमें साधारण पानी के साथ ही लोग लस्सी, जूस और नारियल पानी समेत तरह तरह के ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, हाइड्रेटेड रहने के लिए कम से कम आठ से 10 गिलास पानी पीना बेहद जरूरी होता है। लेकिन पानी पीते समय उसके सही तापमान का होना भी जरूरी है। पानी के तापमान का असर स्वास्थ्य पर होता है। गर्मियों में लोग ठंडा पानी पीने के इच्छा से फ्रिज का पानी पीते हैं। प्यास बुझाने और थकावट दूर करने के लिए लोग कभी भी ठंडा पानी पी लेते हैं, इससे भले ही कुछ देर के लिए गर्मी से राहत मिल जाती है लेकिन इसका नुकसान भी बहुत होता है। आयुर्वेद में ठंडे पानी को सेहत के लिए नुकसानदायक बताया गया है। खासकर फ्रिज का चिल्ड वाटर बिल्कुल भी नहीं पीना चाहिए। धूप से आकर, एक्सरसाइज के बाद या खाने के बाद ठंडा पानी पीने से शरीर पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप भी गर्मियों में गलत समय और गलत तरीके से ठंडे पानी का सेवन करते हैं तो जान लें इससे सेहत पर होने वाले नुकसान के बारे में।

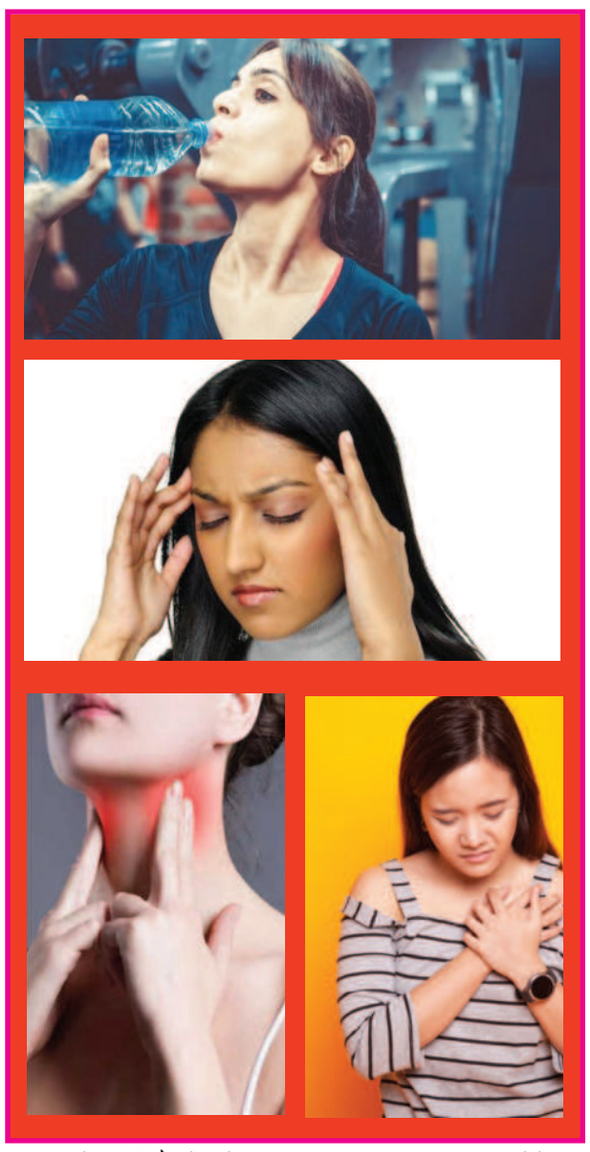

पाचन पर प्रभाव

शरीर किसी भी पदार्थ को अपने तापमान पर लाता है, जिसे वह आगे पाचन के लिए भेजता है लेकिन बहुत कम तापमान की चीजों का सेवन करने से शरीर उसे अपने तापमान के मुताबिक करने लगता है, जिससे डाइजेशन प्रक्रिया धीमी हो जाती है और अपच की समस्या हो जाती है। पेट में ठंडा पानी डाइजेस्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है। रिसर्च के मुताबिक, ठंडा पानी ब्लड वेसल्स को सिकोड़ देता है, जिससे पाचन की समस्या हो जाती है।

ठंडे पानी से गले में खराश

अक्सर गला खराब होने या आवाज बदलने पर बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि जरूर ठंडा पानी पी लिया होगा। यह सही भी है, ठंडा पानी पीने से गले में खराश हो जाती है। फ्रिज में निकालकर ठंडा पानी पीने से ऐसी समस्या होना आम बात है। वहीं अगर आप भोजन के बाद ठंडा पानी पी लेते हैं तो बलगम बनने लगता है और सांस लेने के रास्ते ब्लॉक हो जाते है। जिससे गले में खराश, बलगम, जुकाम और गले में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

फ्रिज के पानी से हार्ट रेट कम हो जाता है

ठंडे पानी का सेवन आपके शरीर का हार्ट रेट भी कम कर सकता है। एक स्टडी के मुताबिक, फ्रिज का ज्यादा ठंडा पानी पीने से दसवीं कपाल तंत्रिका (वेगस नर्व) स्टिम्युलेट हो जाती है। शरीर के अनैच्छिक कार्यों को नियंत्रित करने का काम नर्व ही करती है। कम तापमान के पानी का असर सीधे वेगस नर्व पर होता है, जिससे हार्ट रेट कम हो जाती है।

ठंडे पानी से सिरदर्द की समस्या

धूप से आने के तुरंत बाद अगर आप बहुत ठंडा पानी या बर्फ का पानी पी लेते हैं तो ब्रेन फ्रीज हो सकता है। ठंडे पानी का सेवन आपकी रीढ़ की कई नसों को ठंडा कर सकता है, जिसका असर मस्तिष्क पर होता है और सिर दर्द होने लगता है। साइनस की समस्या से ग्रसित लोगों के लिए यह स्थिति मुसीबत बढ़ा सकती है।

ठंडे पानी से वेट लॉस में दिक्कत

जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें ठंडे पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। ठंडे पानी के कारण शरीर में मौजूद फैट को बर्न करना मुश्किल हो जाता है। फ्रिज के पानी से शरीर का फैट सख्त हो जाता है, जिसकी वजह से वसा को कम करने में समस्या आती है और वजन कम नहीं होता।

गर्मियों में लू से बचाव के आयुर्वेदिक उपाय

आंवला

आंवला में लाभकारी आयुर्वैदिक गुण हैं, वात और पित्त दोष दोनों को संतुलित रखता है। इससे शरीर को ठंडक मिलती है।

आंवला के सेवन से कफ भी दूर होता है। गर्मियों में कच्चे आंवले का सेवन शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।लू या चिलचिलाती हवा से शरीर को होने वाले नुकसान से आंवला बचाता है। गर्मियों में आप आंवला का जूस, कच्चा, अचार, आंवला पाउडर या मुरब्बे का सेवन कर सकते हैं।

गुलकंद

गर्मी के मौसम में थकान, सुस्ती और शरीर मे जलन व खुजली की समस्या भी हो जाती है। इसके अलावा गर्मियों में एसिडिटी, पेट फूलने के कारण पेट में जलन भी हो सकती है। गर्मियों में होने वाली इन परेशानियों से राहत पाने के लिए गुलकंद का सेवन करना चाहिए। गुलकंद आंतों और पेट की समस्या से राहत पहुंचाता है।

सेब का सिरका

गर्मियों में अगर लू लग जाए तो शरीर मे मिनरल और इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो जाती है। गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने से शरीर में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल की मात्रा काफी कम हो सकती है। इससे बचाव और मिनरल की कमी को पूरा करने के लिए सेब के सिरके का सेवन करें। सेब का सिरका सेहत के लिए फायदेमंद है। रोजाना दिन में दो बार दो चम्मच सेब के सिरके को एक गिलास पानी में मिलाकर सेवन करें।

बेल का शरबत

आयुर्वेद के मुताबिक, गर्मियों में बेल के शरबत को सेहत के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। बेल में विटामिन सी और फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है। बेल के शरबत के सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है। बेल का शरबत लू और सूखेपन से बचाव करता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। गर्मियों में होने वाली शारीरिक समस्याओं से राहत चाहते हैं तो रोजाना दो बार बेल के जूस का सेवन खाना खाने से पहले करें।

संक्रमण का संकेत हो सकता है आंखों में जमा रहने वाला कीचड़

आंखो में कीचड़

सुबह नींद से उठने के बाद जब आप चेहरा धोने के लिए बाथरूम में पहुंचते हैं तो कई बार आंखों को साफ करने में अधिक मशक्कत करनी पड़ती है। बिना आंखें ठीक से धोए किसी के सामने चले जाना असहजता की स्थिति में भी डाल सकता है। आंखों के किनारों पर जमा होने वाला चिपचिपा पदार्थ जिसे आम भाषा में कीचड़, स्लीप क्रस्ट, सैंड आदि भी कहा जाता है, एक आम स्थिति है। चिकित्सकीय भाषा में इसे 'रूम' या 'रह्यूम' कहा जाता है।

आमतौर पर यह रात की अच्छी और भरपूर नींद का संकेत होता है लेकिन कई बार यह समस्याओं की ओर इशारा भी कर सकता है। रात में ही आंखों में कीचड़ आने की वजह होती है। वहीं कीचड़ के रंग से आंखों की समस्या का भी पता चलता है। आगे की स्लाइड्स में अपनी आंखों में आने वाले कीचड़ से जानिए कहीं आप को संक्रमण का खतरा तो नहीं।

कई पदार्थों से बना कीचड़

जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है। कीचड़ कई तरह के कचरे का मिश्रण हो1ता है। आंखों का यह कीचड़ भी म्यूकस, पपड़ीदार निकली हुई त्वचा की कोशिकाओं, त्वचा के तेल और नींद के दौरान आंखों द्वारा उत्पन्न आंसुओं का मिश्रण होता है। यह एक सामान्य और सहज प्रक्रिया है, जो कि यह दर्शाती है कि आपकी आंखें स्वस्थ हैं और सही तरीके से काम कर रही हैं।

रात में ही होता है जमा

पलकों के बन्द रहने के अलावा इस कीचड़ के रात में जमा रहने का एक कारण और भी होता है। दिनभर में बार-बार पलक झपकाने पर प्राकृतिक तरीके से आंखों से निकलने वाले आंसू, इस कीचड़ को धोते जाते हैं और आंखों में चिपके नहीं रहने देते। जबकि रात में पलकों के न झपकने के कारण और गुरुत्वाकर्षण के कारण ये कचरा आंखों के किनारों पर इकट्ठा हो जाता है। कुछ लोगों में इसकी मात्रा अधिक हो सकती है और कुछ में कम। हां एलर्जी के दौरान या रूखे मौसम में इसकी मात्रा बढ़ सकती है।

बदला रंग हो सकता है समस्या का संकेत

सामान्यतौर पर आंखों से निकलने वाले इस कीचड़ का रंग सफेद या हल्का क्रीम होता है। लेकिन यदि यह रंग पीला या हरा है तो यह बैक्टीरियल कंजक्टिवाइटिस (आंख आने की समस्या) का इशारा हो सकता है। इसके अलावा आंखों में सूजन, ड्राय आई, आंखों पर होने वाली फुंसी, आंसू निकलने वाली जगह का ब्लॉक हो जाना और एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस भी इसकी वजह बन सकता है। कुछ मामलों में यह पलकों को पूरी तरह चिपका भी सकता है और समस्या को और बढ़ा सकता है।

आंखों का ऐसे रखें ख्याल

सुबह उठने के साथ चेहरे और आंखों को अच्छे से धोएं। अगर आप किसी एलर्जी या अन्य समस्या से पीड़ित हैं या आपकी पलकें बुरी तरह चिपक गई हैं तो एक साफ कॉटन के कपड़े या रुई को गुनगुने या हल्के गर्म पानी में भिगोकर आंखों पर हल्के हाथों से थपथपाते हुए कीचड़ को हटाएं।

आंखों को कभी रगड़ें नहीं और न ही गंदे हाथ इनपर लगाएं।

यदि कीचड़ के साथ दर्द और असहजता भी है या रोज सुबह उठने पर आपकी पलकें चिपकी रहती हैं तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

वे आपको मेडिकेटेड साधन बताएंगे जिससे आप आंखों को बिना संक्रमण फैलाए साफ कर सकें।

डॉक्टर की सलाह से किसी अच्छे आई ड्रॉप का उपयोग करें। जिससे आंखों की नमी बनी रहे और वे साफ भी रहें।

आंखों को साफ रखें।

आंखों या पलकों में खुजली, सूजन, लाली, जलन, धुंधला दिखने या रौशनी से दिक्कत होने पर तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें।

संक्रमण की स्थिति में डॉक्टर एंटीबायोटिक लेने की सलाह दे सकते हैं। रात को सोने से पहले, साफ हाथों से आंखों को अच्छी तरह धोएं। सादा पानी का इस्तेमाल भी इसके लिए अच्छा विकल्प होगा।

कभी भी मेकअप लगाकर न सोएं। जब आई मेकअप उतारें तो हल्के हाथों से किसी लोशन, बेबी ऑइल या बादाम तेल से आंखों के आस पास मसाज भी करें। हमेशा कॉन्टैक्ट लेंस उतार कर ही सोएं। इन्हें अच्छी तरह साफ करके भी रखें।

शरीर के इन हिस्सों में उठे दर्द तो न करें नजरअंदाज

अक्सर आपने देखा होगा कि लोगों के शरीर में कुछ हिस्से में दर्द उठता है. यह दर्द आम भी हो सकता है गंभीर भी. लेकिन गर्दन लंबे समय तक रहा हो वह नसों के कारण शरीर में ऑक्सीजन ना पहुंच पाने के कारण उठाया है ऐसे में इन हिस्सों के बारे में पता होना जरूरी है आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि शरीर में किन-किन हिस्सों में दर्द उठ सकता है.

शरीर के किस हिस्से में उठता है दर्द

यदि व्यक्ति को अपने सीने में दर्द महसूस हो रहा है और यह दर्द काफी दिन से उठ रहा है ऐसे नहीं हो सकता है कि यह हार्ट अटैक के सिम्टम्स में से एक हो सकता है. ऐसा तब होता है जब खून के माध्यम से ऑक्सीजन दिल तक नहीं पहुंच पाता. ऐसे में डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

जब व्यक्ति को किडनी में दर्द महसूस हो और वह दर्द काफी समय से हो रहा हो तो इसका मतलब ये पथरी के संकेत हो सकते हैं. हल्का-हल्का और एक ही हिस्से में दर्द पथरी के मुख्य संकेतों में से एक है. यदि आपको अपने पैरों में दर्द महसूस हो रहा है साथ ही हाथ पैरों में झनझनाहट अंगूठे में सुन्नपन आदि महसूस हो रहा है तो यह साइटिका के लक्षणों में से एक हो सकते हैं. ऐसे में जांच करवानी जरूरी है.यदि आपको पेट में दर्द महसूस हो रहा है और इसके साथ साथ जी मचलाना, उल्टी आना, मतली की समस्या होना जैसे लक्षण नजर आ रहे हैं तो यह पैंक्रियाटाइटिस के लक्षणों में से एक हो सकते हैं. ऐसे में डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है. व्यक्ति को सिर में दर्द के साथ थकान, चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन आदि लक्षण नजर आते हैं. बता दें कि यह लक्षण नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी या माइग्रेन के हो सकते हैं. ऐसे में व्यक्ति को लक्षणों की पहचान करके डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए.

80 प्रतिशत लिवर खराब होने के लक्षण इन नॉन-वेज फूड से कर लें तौबा

फैटी लिवर या अन्य लिवर डिजीज के लक्षण काफी देर बाद दिखते हैं। इस बीमारी में डाइट का बारीकी से ध्यान रखना चाहिए। आइए जानते हैं कि कौन से नॉन-वेज फूड खा सकते हैं और कौन से नहीं?

लिवर के ऊपर ज्यादातर मेटाबॉलिज्म निर्भर करता है। यही वो प्रक्रिया है, जो पोषण को इस्तेमाल करने लायक बनाती है। थकावट, कमजोरी जैसी आम दिक्कतें फैटी लिवर, लिवर डैमेज के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। धीरे-धीरे पीलिया, पैरों में सूजन, पेट में पानी भरना जैसी दिक्कतें भी होने लगती हैं।

80 प्रतिशत लिवर डैमेज होने के संकेत: इस बीमारी के मुख्य लक्षण तभी दिखते हैं, जब लिवर 80 प्रतिशत या उससे ज्यादा खराब हो जाता है। इसके बाद उल्टी में खून आना, भ्रम या चेतना खोना, किडनी की खराबी और फेफड़ों के रोग हो सकते हैं।

लक्षण दिखने पर क्या करें?

डॉक्टर ने कहा कि लिवर की बीमारी से जुड़े लक्षणों की भनक लगने पर या उससे पहले ही नियमित स्क्रीनिंग (जांच) जरूर करवाते रहना चाहिए। ताकि शुरुआती चरण में ही समस्या को ठीक कर लिया जाए।

फैटी लिवर में ऐसी हो डाइट

फैटी लिवर को कंट्रोल करने के लिए हेल्दी डाइट और एक्सरसइज पर ध्यान देने की सलाह दी है। जिससे आपका वजन पहले से 10 प्रतिशत कम हो जाना चाहिए। इस डाइट में कैलोरी की कमी होनी चाहिए और कार्ब्स व सैचुरेटेड फैट लिमिट में होने चाहिए। इसके अलावा, मरीजों की डाइट फाइबर और पॉलीअनसैचुरेट्ड फैट से भरपूर होनी चाहिए।

मरीज ना खाएं ये नॉन-वेज फूड

लिवर खराब होने पर आपको नॉन-वेजिटेरियन फूड से एकदम दूरी बनाने की जरूरत नहीं है। मगर आपको हाई सैचुरेटेड फैट देने वाले फूड्स को नहीं खाना चाहिए। जैसे-रेड मीट, मटन आदि।

डाइट में ले सकते हैं चिकन और मछली नॉन-वेज फूड

चिकन और मछली ऐसे दो नॉन-वेज फूड हैं, जिन्हें लिवर की बीमारी में खा सकते हैं। क्योंकि, चिकन में सैचुरेटेड फैट काफी कम मात्रा में होता है और मछली में पॉलीअनसैचुरेटेड फैट का लेवल काफी होता है। वहीं, दोनों खाद्य पदार्थ प्रोटीन के बेहतरीन सोर्स हैं।

एक दिन में कितना प्रोटीन है जरूरी?

हर दिन अपने शरीर के वजन के हिसाब से 1 ग्राम प्रति 1 किलोग्राम प्रोटीन जरूर लेना चाहिए। मतलब अगर आपका वजन 50 किलो है तो आप 50 ग्राम प्रोटीन प्रतिदिन लें। आप इसे अपनी पसंद के मुताबिक शाकाहारी या मांसाहारी डाइट से ले सकते हैं।

किशोर और युवावर्ग हो रहे हैं 'अम्लपित्त' के शिकार

प्रश्न. मेरी उम्र 35 वर्ष है। खट्टी डकार आना, हृदय, कंठ और पेट में जलन होना हमेशा उबकाई जैसी स्थिति बने रहना जैसे लक्षणों से परेशान हू। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं

– शंकर लाल वर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर. आप 'अम्लपित्त' नामक रोग से पीड़ित है। किशोर और युवावर्ग में यह रोग तेजी से फैल रहा है। कारण लाइफ स्टाइल में, जीवन शैली में बदलाव। फास्ट फुड,जंक फुड, होटल का खाना, चटपटे, तीखे, मिर्च मसालेदार व्यंजनों पर प्रीति से उदर में पहले से ही स्थित हाइड्रोक्लोरिक अम्ल में और अधिक वृद्धि होती है। जिसके कारण खट्टी डकार आना, छाती और कंठ में जलन होना, छर्दी, आमाशय शूल, उदर दाह जैसे लक्षण उभरते हैं। आयुर्वेद में इसका अच्छा इलाज है। चिकित्सा का प्रथम सूत्र है 'निदान परिवर्जनम्' ।अतः आप जल्द से जल्द भोजन को सादा, स्वच्छ, ताजा और सात्विक बनाओ। स्वाद को त्याग कर स्वस्थ भोजन लिया करो। खटाई और मिर्च मसालों का त्याग करो। औषध में उंझा अविपत्तिकर चूर्ण 100 ग्राम,उंझा सूतशेखर रस (रजत युक्त) 40 टीकिया एवं उंझा कामदुधा रस 12 ग्राम को अच्छी तरह से एक जीव करें इसे 3 से 5 ग्राम की मात्रा में भोजन पूर्व शहद में मिलाकर चाटे। भोजन के बाद उंझा लीला विलास रस की टिकिया–डायलुसिड सैरप के साथ लेवे। थोडे ही दिनों में अम्ल पित्त पूरी तरह शांत हो जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। रात में कम दिखाई देता है। आँख की झिल्ली पर सफेद निशान भी आ गए हैं। क्या इसका आयुर्वेद में इलाज है?

– नागेश्वर राव, सिद्दीपेट

उत्तर : रात में कम दिखलाई देना या नहीं दिखाई देना ' रतौंधी ' कहलाता है । ऐसी स्थिति जीवनीय तत्व ' ए ' की कमी से उत्पन्न होती हैं। आहार में जीवनीय तत्वों की कमी, लंबे समय तक अपच की स्तिथि, बार बार रेचक (जुलाब) लेने की आदत के चलते ऐसी हालत हो सकती है। जीवनीय तत्व ' ए ' की कमी अक्सर बड़ी उमरवालो या बच्चों में ही होती है। इसकी कमी से आँख की झिल्ली पर सफेद दाग जिन्हे ' बिटोट स्पॉट ' कहते है - पनप सकते है। इलाज नहीं किए जाने पर अंधेपन का खतरा बना रहता है। आयुर्वेद में इसका इलाज़ है। सुबह शाम गाय के गुनगुने दूध में त्रिफला घृत मिलाकर (मात्रा -3 से 5 ग्राम) पीने से जल्दी ही लाभ होता है। इसी दूध के साथ ऊंझा सप्तामृत लौह टिकिया देवे। दूध, घी, मक्खन आदि का प्रयोग करें। नित्य गाजर व चुकुंदर के ५० मिलीलीटर रस में 10 मिलीलीटर शहद मिलाकर पीने से जीवनीय तत्वों के अभाव की पूर्ति होती है। सभी प्रकार के पीले फल (उदाहरण : आम, पपीता, संतरा, मौसमी, अमरूद आदि) भरपूर मात्रा में पोषक तत्वों। के संग विटामिन ए भी पहुंचाते हैं। यह औषधि क्रम 6 से 8 सप्ताह तक धैर्यपूर्वक चालू रखें। इससे अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है पिछले दो माह से पैर के तलवों में बहुत जलन होती हैं ।पाउडर लगाने या पैर को ठंडे पानी से धोने से भी आराम नहीं मिल रहा। क्या है कोई रोग का लक्षण है? कृपा कर बताएं।

– माणिक्य रेड्डी ,करीमनगर

उत्तर : पैर के तलवों में जलन होने के कई कारण हो सकते हैं। मधुमेह ,ऊपरी तंत्रिकाशोथ (पे री फे र ल न्यूराइटिस), मदात्ययता, जीवनीय तत्वों का अभाव, पैर में पहनने वाले जूते चप्पलों का टाइट होना, लेड विषाक्तता आदि कारण इसमें प्रमुख हैं । एक अच्छा वैद्य रोगी का पूरा परीक्षण कर विभेदक निदान के माध्यम से सही निदान करता है। प्रमेह या मधुमेहजन्य उपद्रवों का आसानी से रक्त परीक्षण से पता चल जाता है। यदि कारण मधुमेह हैं तब रक्त शर्करा का नियमन आवश्यक है। ऊंझा जांब्रोस टिकिया दो-दो , ऊंझा चंद्रप्रभा वटी दो-दो गोली के संग यदि ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस दिया जाए तो कुछ ही दिनों में पैर की जलन शांत हो जाती है । जलन के शांत होते ही नित्य व्यायाम की आदत डालें। हर रोज टहले। सक्रिय जीवन शैली ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने देगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा
email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग

सेंसेक्स 363 अंक चढ़ा, निफ्टी 22475 के पार

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले कारोबारी दिन एक अप्रैल को शेयर बाजार में अच्छी खरीदारी दिखी। इस दौरान सेंसेक्स 363.20 (0.49%) अंकों की बढ़त के साथ 74,014.55 के लेवल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 135.10 (0.61%) अंक मजबूत होकर 22,462.00 के स्तर पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सेशन के दौरान सेंसेक्स 74,254 और निफ्टी 22,529 के सर्वोच्च स्तर पर भी पहुंचे जो कि इन दोनों बेंचमार्क इंडेक्स के नए ऑल टाइम हाई हैं। इस दौरान बाजार में चौतरफा खरीदारी दिखी।

मेटल और मीडिया सेक्टर सबसे आगे रहे। वहीं दूसरी ओर, एफएमसीजी और ऑटो सेक्टर ने निराश किया। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 655 अंक ऊपर 73,651 के स्तर पर बंद हुआ था। शुक्रवार को गुड फ्राइडे की छुट्टी के कारण बाजार बंद था।

भारत की बैंकिंग प्रणाली 10 वर्षों में मजबूत-टिकाऊ बनी

आरबीआई के 90वें साल में प्रवेश करने पर बोले पीएम

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आरबीआई के 90वें साल में प्रवेश करने पर पीएम मोदी ने देश की बैंकिंग व्यवस्था पर बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि 2014 में जब मैं आरबीआई के 80 साल पूरे होने के कार्यक्रम में शामिल हुआ था, तब स्थिति बहुत अलग थी। भारत का पूरा बैंकिंग क्षेत्र समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा था। हर कोई भारत की बैंकिंग प्रणाली की स्थिरता और भविष्य को लेकर संशय में था।

पीएम के अनुसार स्थिति इतनी खराब थी कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक देश की आर्थिक प्रगति को पर्याप्त बढ़ावा देने में सक्षम नहीं थे। और आज, भारत की बैंकिंग प्रणाली को दुनिया में एक मजबूत और टिकाऊ बैंकिंग प्रणाली के रूप में देखा जाता है।

भारतीय रिजर्व बैंक के 90 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में पीएम मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार ने मान्यता, संकल्प और पुनर्पूंजीकरण की रणनीति पर काम किया। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की स्थिति में सुधार के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया, शासन से संबंधित सुधार किए। इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड की नई व्यवस्था से करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये के लोन का समाधान हुआ।

कार्यक्रम के दौरान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, "एक संस्था के रूप में आरबीआई का विकास भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। केंद्रीय बैंक होने के नाते, आरबीआई ने बाजार व अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रवर्तक के रूप में काम किया है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि हाल के वर्षों में दिवाला और दिवालियापन संहिता के अधिनियमन और लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण को अपनाने जैसे सुधारों ने हमें बैंकिंग प्रणाली की चुनौतियों से निपटने और मूल्य स्थिरता को अधिक प्रभावी ढंग से बनाए रखने के कार्य में मदद की है। आज की दुनिया में हो रहे तेजी से हो रहे बदलावों को देखते हुए... रिजर्व बैंक लगातार उभरते रुझानों का मूल्यांकन कर रहा है और बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए आवश्यक नीतिगत उपाय कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सेवा का 90वां वर्ष शुरू होने के उपलक्ष्य में मुंबई में आयोजित आरबीआई@90 नामक समारोह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, पीएम ने इस दौरान एक स्मारक सिक्के का अनावरण किया और भारत के आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में आरबीआई की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

आरबीआई के वर्तमान कर्मचारियों को सौभाग्यशाली बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज तैयार की गई नीतियां आरबीआई के अगले दशक का आकार लेंगी। विकसित राष्ट्र की ओर भारत की यात्रा में अगले दशक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने आरबीआई की तीव्र विकास, विश्वास और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'अगले 10 साल आरबीआई को उसके शताब्दी वर्ष में ले जाएंगे। मोदी ने तेजी से विकास, विश्वास और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने की आरबीआई की प्राथमिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा, "अगला दशक विकसित भारत के संकल्पों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।" प्रधानमंत्री ने आरबीआई को उसके लक्ष्यों और संकल्पों की पूर्ति के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

बोर्डिंग के बाद फ्लाइट लेट हुई तो निकल सकेंगे पैसेंजर्स

नई दिल्ली, 1 अप्रैल(एजेंसियां)। पैसेंजर अब फ्लाइट में बोर्डिंग के बाद लंबे समय तक उड़ान नहीं भरने की स्थिति पर उससे बाहर निकल सकेंगे। एविएशन सेफ्टी को देखने वाली संस्था ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) इसके लिए 30 मार्च को एक गाइडलाइन जारी की थी, जो अब लागू हो गई है।

बीसीएएस के डायरेक्टर जनरल जुल्फिकार हसन ने कहा कि इस गाइडलाइन से पैसेंजर्स की परेशानी कम होगी और उन्हें फ्लाइट बोर्ड करने के बाद घंटों तक उसमें नहीं बैठे रहना पड़ेगा। उड़ान में लंबी देरी होने या फ्लाइट में बैठने के बाद आपात स्थितियों में पैसेंजर्स को एयरपोर्ट के डिपार्चर गेट से बाहर निकलने की अनुमति दी जाएगी। जुल्फिकार हसन ने कहा,'एयरपोर्ट ऑपरेटर्स को गाइडलाइन को लागू करने के लिए स्क्रीनिंग के साथ ही बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था करनी होगी। पैसेंजर्स को फ्लाइट से उतारने का निर्णय एयरलाइंस और उससे जुड़ी सिक्योरिटी एजेंसी ले सकेंगी।' बीसीएएस ने यह गाइडलाइन इसी साल जनवरी महीने में मुंबई एयरपोर्ट के टारमैक पर डिनर करने की घटना के बाद जारी की है।

सरकार ने मार्च में जीएसटी से 1.78 लाख करोड़ जुटाए

ये 2023-24 का दूसरा बड़ा कलेक्शन पूरे साल में 20 लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार ने मार्च में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी जीएसटी से 1.78 लाख करोड़ रुपए जुटाए। यह वित्त वर्ष 2023-2024 का दूसरा सबसे बड़ा कलेक्शन है। अप्रैल 2023 में 1.87 लाख करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं वित्त वर्ष (2022-23) के मार्च महीने के कलेक्शन के मुकाबले 11.5% ज्यादा है। तब जीएसटी से 1.60 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, मार्च के जीएसटी कलेक्शन 1,78,484 करोड़ में सीजीएसटी 34,532 करोड़ रुपए और एसजीएसटी 43,746 करोड़ रुपए रहा जीएसटी 87,947 करोड़ रुपए (माल के आयात पर कलेक्ट किए 40,322 करोड़ रुपए सहित) और सेस 12,259 करोड़ रुपए रहा। सेस में माल के आयात से मिले 996 करोड़ रुपए शामिल हैं।

2017 में लागू हुआ था जीएसटी

जीएसटी एक इनडायरेक्ट टैक्स है। इसे वैराइटी ऑफ प्रीवियस इनडायरेक्ट टैक्स (वीएटी), सर्विस टैक्स, परचेज टैक्स, एक्साइज ड्यूटी और कई इनडायरेक्ट टैक्स को रिप्लेस करने के लिए 2017 में लागू किया गया था। जीएसटी में 5, 12, 18 और 28% के चार स्लैब हैं।

सोना 1070 रुपये उछलकर ऑलटाइम हाई पर पहुंचा, चांदी भी मजबूत हुई

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं में तेजी के बीच सोमवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 1,070 रुपये की तेजी के साथ 68,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 67,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी भी 1,120 रुपए उछलकर 78,570 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 77,450 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती के करीब पहुंच गया है इससे सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। इसके अलावा चीन की मजबूत मांग से भी बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी आई है।

उधर, एमसीएक्स पर वायदा कारोबार में सोने का जून अनुबंध 978 रुपये की बढ़त के साथ 68,679 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। चांदी के मई अनुबंध की कीमत 763 रुपये की तेजी के साथ 75,811 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वैश्विक बाजारों में कॉमेक्स पर हाजिर सोने का भाव 2,265.73 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया और आखिरकार 2,257.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार करता दिखा।

अमेरिका की वृद्धि दर के आंकड़ों और महंगाई दर के 2.5 प्रतिशत से अधिक रहने से फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ी है इससे विदेशी वायदा में सोना 2,280 डॉलर प्रति औंस और एमसीएक्स वायदा पर 69,487 रुपये प्रति 10 ग्राम की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के उपाध्यक्ष (ईबीजी-कमोडिटी एंड करेंसी रिसर्च) प्रणव मेर ने कहा, "ईस्टर की छुट्टी के कारण आज कई बाजार बंद हैं, जिससे डॉलर सूचकांक स्थिर रूप से कारोबार कर रहा है। चांदी का भाव भी तेजी के साथ 25.13 डॉलर प्रति औंस हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 24.55 डॉलर प्रति औंस के भाव पर बंद हुई थी।

शेयरखान बाय बीएनपी परिबास के सहायक उपाध्यक्ष (बुनियादी मुद्राएं व जिंस) प्रवीण सिंह ने कहा, ''विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) और अमेरिका के प्रमुख आंकड़े सोमवार को जारी होंगे इससे फेडरल रिजर्व के फैसले का अनुमान लगेगा और बाजार की दिशा तय होगी।

वार्षिक क्लोजिंग के कारण एसबीआई की नेट बैंकिंग और मोबाइल सेवाएं बंद

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। एसबीआई इंटरनेट बैंकिंग, योनो लाइट, योनो बिजनेस वेब व मोबाइल ऐप, योनो और यूपीआई एक अप्रैल को भारतीय समयानुसार 12.20 बजे से 15.20 बजे के बीच उपलब्ध नहीं होंगे। स्टेट बैंक ने सोमवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बैंक ने बयान में कहा कि ऐसा वार्षिक क्लोजिंग गतिविधि के कारण होगा। इस अवधि के दौरान यूपीआई लाइट और एटीएम की सेवाएं उपलब्ध होंगी।

इसके अलावा एक अप्रैल को 2,000 रुपये के नोटों को बदलने और जमा करने की सुविधा नहीं होगी। आरबीआई ने एक बयान में कहा, 'खातों के सालाना क्लोजिंग से जुड़े परिचालन की वजह से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में 2,000 रुपये के नोटों को बदलने/जमा करने की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। यह सुविधा मंगलवार, 2 अप्रैल, 2024 को फिर से शुरू होगी। आरबीआई ने 28 मार्च, 2024 को जारी एक अधिसूचना में यह बात कही थी।

वहीं, एचडीएफसी बैंक ने भी अपने ग्राहकों को सूचित किया है कि नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) संचालन 1 अप्रैल, 2024 को उपलब्ध नहीं होगा। बैंक ने कहा कि जो ग्राहक सेवा का उपयोग कर सकते हैं, वे कुछ देरी का सामना करना पड़ सकता है।

क्या 1 अप्रैल, 2024 को बैंक खुले हैं?

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, कई राज्यों के अधिकांश बैंक 1 अप्रैल, 2024 को वार्षिक क्लोजिंग होने के कारण बंद रहेंगे। इस दौरान अगरतला, अहमदाबाद, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद (आंध्र प्रदेश और तेलंगाना), इंफाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोच्चि, कोहिमा, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पणजी, पटना, रायपुर, रांची, श्रीनगर और तिरुवनंतपुरम में बंद हैं।

बिना मंजूरी बड़ी कंपनियों की जांच नहीं कर पाएंगे अधिकारी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों को अब किसी भी बड़े औद्योगिक घराने या प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले अपने क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी। उन्हें पहली बार वस्तुओं/सेवाओं पर शुल्क लगाने के लिए भी क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक, जब एक करदाता की जांच राज्य जीएसटी और डीजीजीआई अधिकारी कर रहे हैं, तो प्रधान आयुक्त इस संभावना पर विचार करेंगे कि उसके संबंध में सभी मामलों को एक कार्यालय की ओर से आगे बढ़ाया जाए। कर अधिकारियों को जांच शुरू होने के एक साल के भीतर इसे पूरी करनी होगी। सीबीआईसी ने आगे कहा, किसी सूचीबद्ध कंपनी या सरकारी कंपनी (पीएसयू) के संबंध में जांच शुरू करने या उनसे विवरण मांगने के लिए सीजीएसटी अधिकारियों को इकाई के नामित अधिकारी को समन भेजने के बजाय आधिकारिक पत्र जारी करना चाहिए। इस पत्र में जांच के कारणों का विवरण देना चाहिए और उचित समय अवधि के भीतर दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मांग करनी चाहिए। कर अधिकारियों को करदाता से वह जानकारी नहीं मांगनी चाहिए, जो जीएसटी पोर्टल पर पहले से ही ऑनलाइन उपलब्ध है।

तेल कंपनियों ने घटाईं कमर्शियल और एफटीएल सिलेंडरों की कीमतें

नई दिल्ली , 1 अप्रैल (एजेंसियां)। तेल कंपनियों ने 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर और पांच किलो एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) सिलेंडर की कीमतें कम कर दीं हैं। सूत्रों ने बताया कि 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत अब 30.50 रुपये कम की गई है। दिल्ली में एक अप्रैल से इसकी कीमत 1764.50 होगी। पांच किलो एफटीएल की कीमत अब 7.50 रुपये कम हो गई है।

एक मार्च को तेल कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की थी। 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें 25 रुपये बढ़ा दी गई थी, जिसके बाद इसका दाम बढ़कर 1795 प्रति सिलेंडर हो गया था। बता दें कि एक फरवरी को इंडेन गैस सिलेंडर की कीमतें मेट्रो शहर दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में अलग अलग थी। एक मार्च के बाद से सभी मेट्रो शहरों में इंडेन गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि देखी गई।

मार्च में सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 3,300 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 4,600 रुपये प्रति टन कर दिया था। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। अधिसूचना के मुताबिक, घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया गया था, लेकिन डीजल के निर्यात पर लगने वाले कर को 1.50 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया गया था। इसके अलावा पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर लगने वाले कर को पहले की तरह शून्य रखा गया था। हालांकि, फिलहाल सिलेंडर की कीमतों को कम करने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

बता दें कि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदूस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) हर महीने की पहली तारीख को रसोई गैस की कीमतों में संशोधन करते हैं। कीमतों में उतार-चढ़ाव ईंधन की लागत और बाजार के हाल पर निर्भर करती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन में	मीन ..	05-13 बजे
चंद्र-	धनु में	मेष--	06-49 बजे
मंगल	कुंभ में	वृष--	08-36 बजे
बुध-	मेष पें	मिथुन..	10-36 बजे
गुरु-	मेष में	कर्क...	12-48 बजे
शुक्र-	मीन में	सिंह...	15-00 बजे
शनि-	कुंभ में	कन्या..	17-06 बजे
राहु-	मीन में	तुला....	19-12 बजे
केतु-	कन्या में	वृश्चिक..	21-01 बजे
		धनु.....	23-36 बजे
		मकर...	00-41 बजे
		कुंभ....	03-32 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-13 सूर्यास्त. -18-26
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - 20:09 - तक उपरान्त नवमी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , मंगलवार 02 April
नक्षत्र - पूर्वाषाढा- 22 - 48 - तक उपरान्त उ.षाढा
योग - परिघ - 18 - 34 - तक उप शिव
करण- बालव - 09 - 25 - तक उप- कौलव
विशेष:- शीतलाष्टमी
व्रत -त्योहार - वर्षी तप प्रा.

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:56 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:13 - 07:43 अशुभ	काल.	18:26 - 19:56 अशुभ
उत्पात	07:43 - 09:15 अशुभ	लाभ	19:56 - 21:24 शुभ
चंचल	09:15 - 10:47 शुभ	उत्पात	21:24 - 22:52 अशुभ
लाभ	10:47 - 12:20 शुभ	शुभ	22:52 - 24:19 शुभ
अमृत	12:20 - 13:52 शुभ	अमृत	24:19 - 01:47 शुभ
काल	13:52 - 15:24 अशुभ	चंचल	01:47 - 03:15 शुभ
शुभ	15:24 - 16:56 शुभ	रोग	03:15 - 04:42 अशुभ
रोग.	16:56 - 18:26 अशुभ	काल	04:42 - 06:13 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा। आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे। लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा। आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं, उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है। आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं, अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं। अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं। एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे। लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें। कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है, इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है। पिछले कुछ समय से अपनी अंतरात्मा की आवाज को उपेक्षित करते आ रहें हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है। इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें। आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है। अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें। इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं। सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा। आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे। नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

अपनी आँखें खुली रखें, आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है। प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है। हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है। आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है। कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी। आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे। अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा। एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे। इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है। जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें। इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं। सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी। यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा, लेकिन अगर एक बार आप यह कर गये तो आपका जीवन ही बदल जाएगा।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं। लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें। आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

दिन की शुरुआत उलझन से होगी। आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा। आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं। आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं। दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा। काफी समय से वजन कम करने के बारे में सोच रहे हैं।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पटेल काबिल, लेकिन नेहरू अध्यक्ष बने

मोतीलाल ने बेटे जवाहर के लिए की थी सिफारिश, कैसे इंदिरा के पति फिरोज बने गांधी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कांग्रेस में नेहरू-गांधी परिवार की 5वीं पीढ़ी का दबदबा है। 140 साल पुरानी पार्टी में 51 साल अध्यक्ष पद पर गांधी-नेहरू परिवार के सदस्य रहे हैं। सोनिया गांधी सबसे ज्यादा 22 सालों तक पार्टी अध्यक्ष रहीं।

1928 में मोतीलाल नेहरू कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष थे। चर्चा चल रही थी कि आगे पार्टी की कमान किसे सौंपी जाए। 15 जून 1928 को मोतीलाल ने महात्मा गांधी को एक पत्र में लिखा, 'मुझे पता है कि वल्लभभाई पटेल कांग्रेस अध्यक्ष बनने के काबिल हैं। हालांकि, सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखें तो जवाहर लाल नेहरू कांग्रेस अध्यक्ष पद के सबसे बेहतरीन विकल्प हैं।' गांधी ने जवाब दिया- अभी समय नहीं आया है कि जवाहर को यह जिम्मेदारी दी जाए।

11 जुलाई को एक और पत्र में मोतीलाल ने जोर देते हुए लिखा, 'हमारी पीढ़ी खत्म होती जा रही है। आजादी का यह संघर्ष आज नहीं तो कल जवाहर जैसे लोगों को ही जारी रखना होगा। इसलिए जितना जल्दी वे शुरुआत करें, उतना अच्छा होगा।' अगले ही साल 1929 के लाहौर अधिवेशन में जवाहर लाल नेहरू को पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया गया। तब से ये सिलसिला बदस्तूर जारी है। अब तक परिवार के 6 सदस्य पार्टी अध्यक्ष बन चुके हैं।

मोतीलाल नेहरू के दादा लक्ष्मी नारायण मुगल दरबार में अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कंपनी के पहले वकील थे। उनके परिवार का ताल्लुक कश्मीर से था, लेकिन 18वीं सदी की शुरुआत में ही परिवार दिल्ली आकर बस गया। 1857 की क्रांति को कुचलने के लिए जब अंग्रेज सेना दिल्ली में घुसी तो उस वक्त मोतीलाल नेहरू के पिता गंगाधर नेहरू शहर के कोतवाल थे। लेकिन अचानक गंगाधर नेहरू परिवार समेत दिल्ली छोड़ आगरा जाकर बस गए। मार्च 1861 में गंगाधर नेहरू का निधन हुआ और उसके तीन महीने बाद 6 मई 1861 को मोतीलाल नेहरू पैदा हुए। मोतीलाल की परवरिश उनके बड़े भाई नंदलाल नेहरू ने की। नंदलाल पहले राजस्थान की खेतड़ी रियासत में दीवान थे और बाद में आगरा हाईकोर्ट में वकालत करने लगे। अंग्रेजों ने हाईकोर्ट आगरा से इलाहाबाद शिफ्ट किया तो नेहरू परिवार भी इलाहाबाद में बस गया। 1885 में रिटायर्ड अंग्रेज कलेक्टर एओ ह्यूम ने कांग्रेस की नींव रखी। उस दौर में कांग्रेस देश के बड़े जमींदारों और बैरिस्टर्स की पार्टी मानी जाती थी। मोतीलाल नेहरू तब तक इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकालत शुरू कर चुके थे। जब 1888 में इलाहाबाद में कांग्रेस की बैठक हुई तो इसमें पहली बार मोतीलाल नेहरू भी शामिल हुए थे। 1889 में जवाहर लाल नेहरू का जन्म हुआ।

मोतीलाल नेहरू का पूरा फोकस अपने वकालत के पेशे पर था। यही वजह है कि 1900 आते-आते मोतीलाल नेहरू की गिनती देश के सबसे महंगे वकीलों में होने लगी। कहते हैं उस दौर में वो हर महीने 1 लाख रुपए से ज्यादा कमाते थे। मोतीलाल ने इलाहाबाद में आलीशान घर खरीदा और उसका नाम आनंद भवन रखा। इसके इंटीरियर के लिए वो कई बार यूरोप गए। वो राजसी जिंदगी जीते थे। उनके सूट तक लंदन से सिलकर आते थे। मोतीलाल के तीन बच्चे थे- बेटा जवाहर और बेटियां कृष्णा और सरूप। बच्चों के लिए सबसे अच्छी होम स्कूलिंग से लेकर हॉर्स राइडिंग तक के सारे इंतजाम थे।

पहली पीढ़ी: 13 अप्रैल 1919 को जालियांवाला बाग में अंग्रेज अधिकारी जनरल ओ डायर के आदेश पर सैकड़ों भारतीयों का कत्लेआम हुआ। इस वक्त अंग्रेजों के खिलाफ आम लोगों के अंदर गुस्सा किसी ज्वालामुखी की तरह उबल रहा था। मोतीलाल भी उनमें से एक थे। दिसंबर 1919 में अमृतसर में जब कांग्रेस पार्टी की बैठक हुई तो मोतीलाल को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया। मोतीलाल के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी इसी गुस्से के सहारे अंग्रेजों के खिलाफ एक बड़े अहिंसक आंदोलन की तैयारी कर रही थी। 4 सितंबर 1920 को गांधी ने असहयोग आंदोलन की शुरुआत की तो मोतीलाल ने उनका समर्थन किया। परिणाम ये हुआ कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

दूसरी पीढ़ी: 1922 की गर्मियों में जब मोतीलाल नेहरू जेल से बाहर आए, तो कांग्रेस पार्टी कई गुटों में बंटी थी। 1923 में मोतीलाल नेहरू ने सीआर दास के साथ मिलकर स्वराज के नाम से एक नई राजनीतिक पार्टी बनाई। हालांकि, उनका ये प्रयोग ज्यादा दिनों तक सफल नहीं हुआ और 1925 में दोबारा इस पार्टी का कांग्रेस में विलय हो गया। 1928 में कोलकाता अधिवेशन में मोतीलाल नेहरू फिर कांग्रेस अध्यक्ष बने। अगले साल जब मोतीलाल नेहरू कांग्रेस अध्यक्ष के पद से हटने लगे तो लाहौर अधिवेशन में उनकी जगह उनके बेटे जवाहर लाल नेहरू ने ली।

1930 में जवाहर लाल नेहरू नमक कानून तोड़ने पर जेल गए, तो उन्होंने कांग्रेस पार्टी की कमान अपने पिता मोतीलाल नेहरू को सौंप दी। 6 महीने बाद नेहरू जेल से बाहर आए और 1931 में मोतीलाल का निधन हो गया। गांधी के कहने पर 1936 के लखनऊ अधिवेशन में जवाहर लाल नेहरू को अध्यक्ष चुन लिया गया। अध्यक्ष पद पर नेहरू के खिलाफ राजगोपालाचारी चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन गांधी ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी। दिसंबर 1936 में अगले साल के लिए भी नेहरू को अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव फैजपुर सम्मेलन में पेश किया गया। सरदार पटेल को ये पसंद नहीं आया। 15 नवंबर 1936 को सरदार पटेल ने गांधी के निजी सचिव महादेव भाई देसाई को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने लिखा- 'सजे-धजे दूल्हे की तरह (नेहरू) जितनी मिलें, उतनी कन्याओं से विवाह करने को तैयार हैं।' 15 अगस्त 1947 से सालभर पहले ही साफ हो गया था कि भारत की आजादी अब ज्यादा दिन दूर नहीं। ये भी तय था कि कांग्रेस अध्यक्ष भारत के पहले अंतरिम प्रधानमंत्री बनेंगे, क्योंकि 1946 के सेंट्रल असेंबली चुनाव में कांग्रेस को बहुमत मिला था। कांग्रेस प्रेसिडेंट के चुनाव की घोषणा हुई। 1946 में 80% कांग्रेस कमेटियों ने सरदार पटेल के नाम का सुझाव रखा, लेकिन गांधी नेहरू पर अड़े रहे। आखिरकार पटेल ने नाम वापस

ले लिया और इस तरह नेहरू देश के पहले अंतरिम प्रधानमंत्री बने।

तीसरी पीढ़ी: 1955 में नेहरू ने अपने करीबी गुजराती नेता यूएन ढेबर को कांग्रेस अध्यक्ष बनाया। 1959 में ढेबर ने पद छोड़ने से पहले इंदिरा को कांग्रेस वर्किंग कमेटी में शामिल किया। 1959 में पद छोड़ने से पहले ढेबर ने अचानक एक मीटिंग बुलाई। सभी को लग रहा था कि वरिष्ठ नेता एस. निजलिंगप्पा अध्यक्ष बनेंगे। ढेबर ने जब नेताओं को बताया कि मीटिंग अगले अध्यक्ष को लेकर है, तो कामराज की पहली प्रतिक्रिया थी कि ये तो तय हो चुका है। इंदिरा जी को अध्यक्ष पद के लिए पूछा जा सकता है।' कुछ नेताओं ने इंदिरा की तबीयत पर सवाल खड़े किए, लेकिन तभी नेहरू बोल उठे- 'देयर इज नथिंग रॉन्ग विद इंदूज हेल्थ।' इसके बाद बहस खत्म हुई और इंदिरा गांधी अध्यक्ष चुन ली गईं। यानी नेहरू ने अपने सामने इंदिरा को कांग्रेस की कमान सौंप दी थी। 1978 में इंदिरा दोबारा पार्टी अध्यक्ष बनीं और निधन से पहले तक पार्टी अध्यक्ष पद पर बनी रहीं। 1968 में निजलिंगप्पा कांग्रेस अध्यक्ष बने।

इंदिरा गांधी और निजलिंगप्पा के बीच का राजनीतिक टकराव किसी से छिपा नहीं था। 1969 में एक वक्त ऐसा भी आया जब निजलिंगप्पा ने प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता को बर्खास्त कर दिया। पार्टी के सीनियर नेताओं से इंदिरा गांधी के टकराव बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ था।

इंदिरा के गांधी सरनेम रखे जाने के पीछे तीन तरह की थ्योरी

थ्योरी-1: फिरोज का जन्म एक पारसी परिवार में हुआ था और उनके पिता का नाम जहांगीर फरेदून घांडी था। जब फिरोज राजनीति में सक्रिय हो गए तो उनका नाम अक्सर अखबार में छपने लगा। इसी दौरान कुछ अखबारों में उनका सरनेम घांडी की जगह गांधी लिखा जाने लगा। ये सरनेम चल पड़ा। फिरोज से शादी के बाद इंदिरा ने भी अपने नाम के साथ गांधी सरनेम जोड़ लिया।

थ्योरी-2: जवाहर लाल नेहरू ने अपनी बेटी इंदिरा को फिरोज खान से शादी की इजाजत नहीं दी। दूसरे धर्म और जाति की वजह से अगर इंदिरा फिरोज खान से शादी करतीं तो वह नेहरू वंश से अलग-थलग हो सकती थीं। इसी वक्त महात्मा गांधी ने फिरोज को गोद लेकर अपना टाइटल देने का फैसला किया। इंग्लैंड में फिरोज और इंदिरा ने शादी की और यहां बनवाए एफिडेविट में फिरोज ने अपना नाम फिरोज गांधी लिखा। इसके बाद से इंदिरा और उनके बच्चों का टाइटल गांधी हो गया।

थ्योरी-3: फिरोज के पिता पारसी थे, जिनका टाइटल घांडी था। महात्मा गांधी ही थे, जिन्होंने नेहरू से मिलकर कहा कि फिरोज का सरनेम घांडी के बजाय गांधी लिखा जाना चाहिए। इसके बाद से ही फिरोज अपने नाम के पीछे गांधी टाइटल लिखने लगे।

चौथी पीढ़ी: यूके की एक ऑटोमोबाइल कंपनी में इंटर्नशिप करके इंदिरा के बेटे संजय भारत लौटे। पीएम मां के कान अपने बेटे की बातों को ध्यान से सुनते थे। संजय ने देश में कार बनाने वाली कंपनी शुरू करवाई। इस समय उनके मारुति बनाने वाली कंपनी के विरोध में जो बोलता उसे अपने पद से हाथ धोना पड़ता था। संजय के कहने पर इंदिरा ने अपने मुख्य सचिव पीएन हक्सर को पद से हटा दिया था। संजय धीरे-धीरे इंदिरा के सभी बड़े राजनीतिक फैसलों में शामिल होने लगे थे। उन्हें आने वाले समय में कांग्रेस अध्यक्ष माना जा रहा था। 23 जून 1980 को एक प्लेन दुर्घटना में संजय गांधी की मौत हो गई। संजय की मौत के बाद राजीव राजनीति में नहीं आना चाहते थे। कई बड़े नेताओं के कहने पर भी राजीव नहीं माने। आखिर में बद्रीनाथ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद ने उन्हें समझाया और राजीव गांधी पायलट की नौकरी छोड़ राजनीति में आने के लिए तैयार हो गए। 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या हुई, जिसके बाद पीएण पद और पार्टी अध्यक्ष के लिए प्रणब मुखर्जी समेत कई दावेदार थे। आनन-फानन में राजीव गांधी को उसी शाम प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला दी गई। 1991 में राजीव की हत्या तक कांग्रेस अध्यक्ष पद भी उनके पास ही रहा। 1991 में पति राजीव गांधी की आत्मघाती हमले में हत्या किए जाने के बाद सोनिया ने राजनीति में एंट्री के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। कई बड़े कांग्रेस नेताओं के आग्रह के बावजूद वह 7 साल तक राजनीति से दूर रहीं। 1996 में पीवी नरसिम्हा राव के बाद सीताराम केसरी कांग्रेस अध्यक्ष बने। उनके अध्यक्ष बनते ही कांग्रेस में बगावत शुरू हो गई। राजेश पायलट, शरद पवार जैसे नेताओं से केसरी की ठन गई। राजीव की हत्या के 7 साल बाद सोनिया ने कांग्रेस की कमान अपने हाथ में लेने पर हामी भर दी। 1997 में सोनिया ने कोलकाता अधिवेशन में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ली। हालांकि, अध्यक्ष पद का रास्ता इतना आसान नहीं था। केसरी अध्यक्ष पद नहीं छोड़ने पर अड़ गए।

इसके लिए सोनिया ने कांग्रेस कार्य समिति में गांधी-नेहरू परिवार के वफादार नेताओं की मदद ली। विशेष शक्ति का प्रयोग करते हुए सोनिया को सीताराम केसरी की जगह पर पार्टी प्रमुख नियुक्त किया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने 6 अप्रैल 1998 को इसकी जानकारी दी। इस तरह गांधी-नेहरू परिवार का एक और सदस्य कांग्रेस अध्यक्ष बना।

15 मई 1999 को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वरिष्ठ नेताओं शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर ने सोनिया गांधी को विदेशी मूल का बताकर उनके प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनने का विरोध किया। इस विरोध के बाद सोनिया ने कांग्रेस कार्य समिति को भावुक पत्र लिखकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सोनिया ने अपने पत्र में लिखा, 'भले ही मेरा जन्म विदेशी धरती पर हुआ, लेकिन मैंने भारत को अपना देश चुना है। मैं आखिरी सांस तक भारतीय ही रहूंगी। भारत मेरी मातृभूमि है, मुझे अपने प्राणों से भी अधिक प्रिय है।'

सोनिया के समर्थन में दिग्विजय सिंह, शीला दीक्षित, अशोक गहलोत और गिरिधर गमांग जैसे बड़े नेताओं और मुख्यमंत्रियों ने भी अपना इस्तीफा दे दिया। सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता भूख हड़ताल करने लगे। सोनिया से इस्तीफा वापस लेने की मांग कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से जोर पकड़ने लगी। 20 मई 1999 को पवार, संगमा और अनवर को 6 साल के लिए पार्टी से बाहर कर दिया। पार्टी के इस फैसले के बाद सोनिया गांधी भी अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए तैयार हो गईं। पांच दिन बाद पार्टी प्रमुख के रूप में उनकी वापसी का स्वागत करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने एक भव्य कार्यक्रम किया।

सोनिया गांधी का कांग्रेस अध्यक्ष बनना वंशवाद की राजनीति का नतीजा नहीं था। राजीव की मौत के बाद जब कांग्रेस पार्टी बिखर रही थी, तब उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में लाया गया था जो उस समय पार्टी में सभी के लिए स्वीकार्य था। हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि उन्हें नेहरू-गांधी परिवार से होने का फायदा मिला।

पांचवी पीढ़ी: 19 साल से ज्यादा समय तक सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष रहीं। 2014 में कांग्रेस बुरी तरह लोकसभा चुनाव हारी। राज्यों में भी लगातार हार का मुंह देखना पड़ा। उस समय सोनिया गांधी की तबीयत भी खराब रहती थी। ऐसे में उन्होंने अध्यक्ष पद छोड़ने का फैसला किया। 2017 में जयपुर में हुए कांग्रेस के चिंतन शिविर में जिस नए अध्यक्ष का चयन हुआ, वो थे- राहुल गांधी। एक बार फिर कांग्रेस की कमान गांधी परिवार के पास ही रही।

राहुल के अध्यक्ष बनने के बावजूद हार का सिलसिला नहीं थमा। 2019 लोकसभा चुनाव में हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। राहुल ने कहा था कि कांग्रेस में गांधी परिवार के अलावा नए लोगों को जिम्मेदारी लेनी होगी, इसलिए मैं पद छोड़ रहा हूं, अब किसी और को पार्टी अध्यक्ष बनाया जाए।

फुल टाइम अध्यक्ष न होने की स्थिति में कांग्रेस की कमान सोनिया गांधी के ही हाथों में रही। आखिरकार 2022 में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ। इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर ने चुनाव लड़ा। गांधी परिवार मल्लिकार्जुन खड़गे को चाहता था और आखिरकार वही कांग्रेस अध्यक्ष बने।

मल्लिकार्जुन के अध्यक्ष बनने के बावजूद पार्टी के फैसले में गांधी परिवार की झलक दिखती है। चाहे संगठन के अहम पदों पर नेताओं का चुनाव हो या किसी अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करना हो। मल्लिकार्जुन की टीम में गांधी फैमिली के लॉयल अजय माकन, जयराम रमेश और वेणुगोपाल जैसे लोग हैं। इसके अलावा कर्नाटक में डीके शिवकुमार और मध्य प्रदेश में कमलनाथ की जगह जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के पीछे भी राहुल का ही हाथ माना जाता है। 2024 लोकसभा चुनाव के टिकट बंटवारे में भी राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी ही अहम भूमिका निभा रही हैं।

ऐसे में साफ है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष भले ही गांधी परिवार से बाहर का हो, लेकिन सभी अहम मामलों में फैसला गांधी परिवार ही ले रहा है।

सरयू का दावा-ढुल्लू चुनाव लड़ने योग्य नहीं

अलग-अलग केस में साढ़े चार साल की सजा हो चुकी, धनबाद सीट पर जनसंपर्क में जुटे बीजेपी प्रत्याशी

रांची, 1 अप्रैल(एजेंसियां)। धनबाद लोकसभा सीट को लेकर बीजेपी विधायक और प्रत्याशी ढुल्लू महतो और सरयू राय आमने-सामने हैं। ढुल्लू महतो के खिलाफ मोर्चा खोल चुके सरयू राय ने अब उन्हें चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य बताया है। उनका दावा है कि बीजेपी प्रत्याशी को अलग-अलग केस में कुल चार साल की सजा हो चुकी है। ऐसे शख्स को चुनाव लड़ने देना सही नहीं है।

इसके लिए वो सुप्रीम कोर्ट के केस का हवाला भी दे रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने यहां तक कहा है कि उनकी विधानसभा की सदस्यता रद्द होनी चाहिए। इधर धनबाद सीट से बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो प्रचार में बिजी हैं। उन्होंने इलाके में जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया है। वहीं ऑडियो क्लिप के जरिए धमकी मामले में फंसे बाघमारा विधायक ने इसे उन्हें बदनाम करने की साजिश बताया है। बता दें कि पहले भी सरयू राय ने ढुल्लू को टिकट दिए जाने को लेकर

सवाल उठाए थे। इतना ही नहीं उन्होंने इशारों में चुनाव लड़ने की बात भी की थी। उन्होंने कहा था कि बिल्ली के गले में घंटी बांधने के लिए मैं तैयार हूं।

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू ने कहा कि धनबाद क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ढुल्लू महतो सजायाफ्ता हैं। चार मामलों में उन्हें साढ़े चार साल की सजा हुई है। ऐसे में वे चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं। सुप्रीम कोर्ट के के. प्रभाकरण बनाम पी. जयराजन केस के जजमेंट के तहत ढुल्लू महतो की विधानसभा सदस्यता रद्द होनी चाहिए। अगले 6 साल तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करना चाहिए। विधायक सरयू राय और धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल को धमकाने का एक ऑडियो वायरल हुआ है। यह ऑडियो गैंगस्टर प्रिंस खान का बताया जा रहा है। इस ऑडियो को लेकर सरयू राय कहते हैं कि दो दिन पूर्व ढुल्लू महतो ने कृष्णा अग्रवाल को धमकाया था। ढुल्लू और प्रिंस खान की ऑडियो में सिर्फ आवाज अलग है, जबकि स्क्रिप्ट एक जैसी है। पुलिस इसकी जांच करे। कुख्यात प्रिंस खान के कथित ऑडियो धमकी मामले में धनबाद मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने बरवाअड्डा थाने में शिकायत की है। उन्होंने शिकायत में कहा कि बाघमारा के भाजपा विधायक ढुल्लू महतो के इशारे पर प्रिंस खान ने उन्हें और जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय को धमकी दी है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो की घोषणा होने के बाद पत्र के माध्यम से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को धनबाद के प्रत्याशी पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था। 30 मार्च को सोशल मीडिया के माध्यम से पता चला कि ढुल्लू महतो के इशारे पर कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान ने उन्हें और जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय को जान से मारने की धमकी दी है। इधर ऑडियो क्लिप के जरिए धमकी मामले में फंसे बाघमारा विधायक ने इसे साजिश बताया है।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

सुकमा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। सुरक्षाबलों ने मौके से हथियार बरामद किए हैं। इलाके में तलाशी अभियान जारी है। एसपी सुकमा किरण चव्हाण ने बताया कि सुकमा में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया गया है। नक्सली का शव और हथियार बरामद कर लिया गया है। तलाशी अभियान जारी है। सुकमा और बीजापुर जिले के टेटमड़गु इलाके में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। तलाशी अभियान पर निकले डीआरजी और कोबरा 208 एवं 204 बटालियन के जवानों के साथ मुठभेड़ हुई है। सभी जवानों ने मोर्चा संभालकर नक्सलियों पर जवाबी फायरिंग की।

हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका वापस ली

बजट सत्र में शामिल होने की मांगी थी अनुमति

रांची, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने विधनसभा में बजट सत्र में शामिल होने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने उन्हें बजट सत्र में भाग लेने की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद उन्होंने अदालत के इस फैसले को चुनौती थी। हालांकि, अब सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट से हाई कोर्ट को चुनौती देने वाली याचिका वापस ले ली है।

हेमंत सोरेन ने हाई कोर्ट में 23 फरवरी से दो मार्च तक के बजट सत्र में भाग लेने की अनुमति मांगी थी। 28 फरवरी को हाईकोर्ट ने सोरेन की याचिका खारिज कर दी थी। सोमवार को जब उनकी याचिका जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वानाथन की पीठ के पास सुनवाई के लिए आई तो सोरेन की तरफ से वकील

कपिल सिब्बल अदालत में पेश हुए। कपिल सिब्बल ने कहा उन्हें (सोरेन) अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाए, क्योंकि बजट सत्र दो मार्च को समाप्त हो गया। सिब्बल ने कहा, मैं इसे वापस लेना चाहता हूं। अदालत में उठाए गए कानून के सवाल को खुला रखा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। उन्होंने कहा कि कानून के सवाल को खुला छोड़ दिया गया है।

जनवरी में हुई थी गिरफ्तारी

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को प्रर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। फिलहाल उन्हें न्यायिक हिरासत में रख गया है। रांची की एक विशेष अदालत ने 22 फरवरी को सोरेन को विधानसभा सत्र में भाग लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, इससे पहले पांच फरवरी को हाई कोर्ट ने सोरेन को विधानसभा में विश्वास मत में भाग लेने की अनुमति दी थी।

सोरेन के खिलाफ धन शोधन के आरोप अवैध रूप से अचल संपत्ति रखने और भूमि माफिया से कथित संबंध रखने से जुड़े हैं।

बेटे को बचाने में गई 3 जानें

आग से बचने बच्चे को लेकर बाथरूम में छिपी गर्भवती मां, दम घुटने से मौत

बिलासपुर,1 अप्रैल(एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मकान में आग लगने से 3 जिंदगियां खत्म हो गईं। आग से 5 साल के बेटे को बचाने के लिए मां उसे लेकर बाथरुम में भागी और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। इस दौरान दम घुटने से मां-बेटे दोनों की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि महिला गर्भवती थी। दरअसल, दयालबंद निवासी मुन्ना कश्यप अपने दो बेटे रोहित, रोमी, रोमी की पत्नी और 5 साल के पोते अर्श के साथ रहता है। उसके मकान में रविवार देर शाम करीब 6 बजे अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग मुख्य दरवाजे के पास से लगनी शुरू हुई और अंदर तक तेजी से फैल गई। हादसे के दौरान घर में नम्रता और अर्श घर में थे। अचानक आग भड़कती देख नम्रता बेटे अर्श को बचाने के लिए उसे लेकर अंदर बाथरुम की ओर दौड़ी। उसने शावर चलाया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इस दौरान आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। मकान में भीषण आग देखकर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि सूचना देने के काफी देर बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची। करीब डेढ़-दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक घर का सारा सामान जलकर खाक हो चुका था।

छत्तीसगढ़ आएंगे राहुल-प्रियंका और मल्लिकार्जुन खड़गे

रायपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस अप्रैल के दूसरे हफ्ते से चुनावी दौरा और सभाओं की शुरुआत करेगी। 2 दिन पहले ही पार्टी की ओर से स्टार प्रचारकों की सूची जारी की गई है। अब जल्द ही नेताओं का शेड्यूल जारी किया जाएगा, जिसके बाद दौरे शुरू होंगे। दरअसल, छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों में तीन चरण में चुनाव होंगे, जिसके लिए दोनों ही पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

शरीर पर छोड़े जख्म के निशान

वांछित आरोपी की जगह उसके भाई को पकड़ लाई कोरबा पुलिस, कमरे में बदं कर की पिटाई

कोरबा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दर्री थाना के प्रभारी प्रशिक्षु अधिकारी अविनाश कंवर ने एक कथित बेकसूर युवक पर अपना गुस्सा उतार दिया। इतना ही नहीं उसकी बुरी तरह से पिटाई भी की। दर्री थाना प्रभारी पर क्रूरता का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने उन्हें मनोरोगी तक करार दे दिया। बताया गया कि महिला संबंधी अपराध के मामले में दर्री पुलिस को आरोपी नहीं मिला तो उसके भाई को ही पकड़कर के लाये और कमरे में बदं कर जमकर पिटाई कर दी। इस युवक का वीडियो वायरल हो रहा है।

एरिगेशन कालोनी निवासी पीड़ित ने बताया कि थाना प्रभारी अविनाश कंवर ने भाई के न मिलने पर प्रभारी और पुलिस कर्मियों ने उसके साथ पिटाई की है। पीड़ित के पीठ और कमर के नीचे गंभीर चोट दिख रही है। पीड़ित के भाई के नाम से एक महिला ने शिकायत की थी। शराब पीकर पीड़ित का भाई गाली गलौज कर रहा था। पीड़ित ने बताया कि उसने आरोपी का घर तक दिखाने में पुलिस को सहयोग किया था।

पीड़ित की मानें तो उसकी भाई को पकड़ने पुलिस आई हुई थी। नहीं मिलने पर उसे लेकर गए और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। उसे पुलिस के द्वारा इतना मारा गया। पूरे शरीर पर जख्म के निशान है। इतना ही नहीं पिटाई के दौरान युवक ने शौच तक कर डाला। बताया जा रहा है कि पीड़ित युवक और

उसका भाई आदतन बदमाश है और इलाके में काफी दहशत फैला कर रखे हुए हैं।

युवतियां उन्हें देखकर घर से नहीं निकलती। इसी मामले में एक पीड़ित परिवार ने पीड़ित के भाई के खिलाफ थाने में शिकायत करने पहुंचे थे। जिसके आधार पर पुलिस उसे पकड़ने गई हुई थी।

इस मामले में कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि इस मामले में प्रशिक्षु डीएसपी और दर्री टीआई अविनाश कंवर को एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अटैच कर दिया। वहीं इस मामले में टीआई को तत्काल प्रभाव से दर्री थाने से हटा दिया गया है और मामले की जांच कोरबा एएसपी यूबीएस चौहान को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पाकिस्तान के मंत्री बोले- देश दिवालिया होने की कगार पर

टैक्स चोरी इसकी वजह, पेट्रोल के दाम 9 रुपए बढ़े, अब कीमत 289 रुपए लीटर

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ का कहना है कि देश दिवालिया होने की कगार पर है। उन्होंने इसकी वजह टैक्स की चोरी को बताया है। उन्होंने कहा, "खुदरा विक्रेता (रीटेलर) और थोक विक्रेता (होलसेलर) टैक्स देने से बच रहे हैं, ये देश के आर्थिक संकट का मुख्य कारण है। इधर, पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार ने पेट्रोल के दामों में भारी बढ़ोतरी की है। पेट्रोल के दाम 9.66 पाकिस्तानी रुपए बढ़कर 289.41 रुपए हो गए हैं। वहीं हाई-स्पीड डीजल 3.32 रुपए कम होकर 282.24 पाकिस्तानी रुपया हो गया है। नए रेट्स लागू भी कर दिए गए हैं।

पाकिस्तानी मीडिया 'द डॉन' के मुताबिक, सरकार ने कहा है कि देश में पेट्रोल की कीमतें बढ़ाने की वजह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी पेट्रोल की कीमतें हैं। दरअसल, सरकार हर 15 दिनों में ईंधन की कीमतों की समीक्षा करती है और वैश्विक तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव और स्थानीय मुद्रा के एक्सचेंज रेट के आधार पर उन्हें बढ़ाती या घटाती है। 16 मार्च को सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं किए थे। प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत 279.75 रुपये और एक लीटर डीजल की कीमत 285.56 रुपये थी। यानी पेट्रोल के दामों में 15 दिनों में करीब 9 रुपए की बढ़ोतरी हुई है।

पेट्रोल का ज्यादातर इस्तेमाल प्राइवेट ट्रांसपोर्ट, छोटे वाहनों के लिए किया जाता है। इसकी वजह से दाम बढ़ने का सीधा असर पाकिस्तान के मिडिल क्लास और लोअर क्लास लोगों पर पड़ेगा। वहीं, डीजल का इस्तेमाल ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल होने वाले वाहनों, ट्रेन, ट्रक, बस में होता है। इससे ट्रांसपोर्ट कॉस्ट बढ़ने की वजह से दूसरे सामानों की कीमतें भी बढ़ेंगी। इसका खामियाजा भी मिडिल और लोअर क्लास को उठाना पड़ेगा।

पाकिस्तानी मीडिया 'द डॉन' के मुताबिक, सरकार प्रति लीटर पेट्रोल-डीजल 60 रुपए टैक्स ले रही है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ हुई डील

के तहत, सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान 869 अरब रुपये का टैक्स जमा करने का लक्ष्य रखा है। पहली छमाही (जुलाई-दिसंबर) में लगभग 475 अरब रुपये जमा हो गए हैं और वित्तीय वर्ष के अंत तक लगभग 970 अरब रुपये जमा होने की उम्मीद है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार इस समय 8 बिलियन डॉलर है, जो करीब डेढ़ महीने तक के सामानों के आयात जितना है। देश के पास कम से कम 3 महीने के सामान के आयात जितना पैसा होना चाहिए।

2024 में पाकिस्तान की जीडीपी महज 2.1% की दर से बढ़ने की संभावना है। विकास की ये दर कमजोर सरकार आने पर और नीचे जा सकती है। फिलहाल एक डॉलर की कीमत 276 पाकिस्तानी रुपए के बराबर है।

2022 में इमरान खान को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। पाकिस्तान में राजनीतिक उठा पटक की स्थिति थी। इसके चलते महज 4 महीनों में डॉलर की तुलना में पाकिस्तानी करेंसी में 30 रुपए की भारी गिरावट हुई। जनवरी 2022 में 1 डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपए की वैल्यू 174 थी, जो मई तक बढ़कर 204 हो गई। इससे साफ है कि अब अगर फिर से पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता आई तो इसका असर वहां की करेंसी पर होगा। घटते विदेशी मुद्रा भंडार के बीच पाकिस्तान को अगले 2 महीने में 1 बिलियन डॉलर, यानी 8.30 हजार करोड़ रुपए का कर्ज चुकाना है। एक तरफ उस पर कर्ज तोड़ने का दबाव है, तो वहीं दूसरी ओर 12 अप्रैल 2024 को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ से उसे 3 बिलियन डॉलर कर्ज मिलने की समय सीमा भी खत्म हो रही है।

पन्नू मामले पर यूएस बोला- लक्ष्मण रेखा पार न करें

अमेरिकी ऐंबैस्डर ने कहा- जांच में दोनों देश शामिल, कई बार सोच अलग होती है

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को कथित तौर पर मारे जाने की साजिश के मामले की जांच भारत और अमेरिका मिलकर कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में यह बात भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कही। पन्नू मामले पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में एरिक ने कहा- एक रेड लाइन यानी लक्ष्मण रेखा होती है, किसी को इसे पार नहीं करना चाहिए। किसी देश या सरकार के कर्मचारी को किसी विदेशी नागरिक को मारने की साजिश में भी शामिल नहीं होना चाहिए।

एक सवाल के जवाब में गार्सेटी ने माना कि कई मुद्दों पर भारत और अमेरिका की सोच अलग होती है और इसमें कुछ नया नहीं है। पन्नू मामले पर सवाल का विस्तार से जवाब देते हुए अमेरिकी ऐंबैस्डर ने कहा- हमारे लिए यह मुश्किल मामला है। हर चीज में एक लक्ष्मण रेखा होनी चाहिए। अगर एक देश का कर्मचारी किसी दूसरे देश में तैनात हो और वो उस देश के किसी नागरिक को मारने

की साजिश रचे तो क्या होगा। मुझे लगता है कि इस तरह के मामले में उस देश का सम्मान और संप्रभुता जुड़ी होती है। यही लक्ष्मण रेखा है।

गार्सेटी से जब यह पूछा गया कि पन्नू तो भारत को आए दिन धमकियां देता है? इस पर उन्होंने कहा- अमेरिका में बोलने की आजादी है और इसकी रक्षा की जाती है। हम किसी को आरोपी को दूसरे देश के हवाले अपने कानून के हिसाब से करते हैं। अगर सिर्फ बोलने पर किसी को गिरफ्तार किया जाने लगा तो हालात हाथ से निकलकर खतरनाक हो जाएंगे।

नुकसान हमें भी होता है

फ्री स्पीच पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में एरिक ने कहा- कई लोग कहते हैं कि हम ऐसे (पन्नू) लोगों को गिरफ्तार क्यों नहीं करते?

इसका जवाब ये है कि हमारा सिस्टम अलग है। मैं ऐंबैस्डर हूं और नियम नहीं बदल सकता। कई बार हमें भी नुकसान होता है। मैं यहूदी हूं और कई बार मेरे सामने मेरे ही शहर में यहूदियों के बारे में गलत बोला जाता है। लेकिन, हम उन लोगों को भी गिरफ्तार नहीं करते। हां, अगर वो हिंसा करते हैं तो कानून अपना काम करता है। पन्नू मामले की जांच के बारे में गार्सेटी ने कहा- मैं बहुत खुश हूं कि भारत हमारे साथ इस मामले की जांच कर रहा है। हम जानना चाहते हैं कि कहीं किसी को मर्डर के लिए सुपारी तो नहीं दी गई। अब तक हमने भारत से जो भी सहयोग मांगा, वो हमें मिला है। और यही हमने भी किया है। भारत के सीएए कानून के नोटिफिकेशन पर गार्सेटी ने कहा- कई बार असहमति के लिए भी सहमति जरूरी हो जाती है। इस कानून को कैसे लागू किया जाता है, हम इस पर नजर रखेंगे।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी के बयान को खारिज कर करते हुए इसे अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी बताया था। इस कानून के बारे में गार्सेटी ने कहा- मजबूत लोकतंत्र के लिए मजहबी आजादी जरूरी है और कई बार इस पर सोच अलग होती है। दोनों देशों के करीबी रिश्ते हैं। कई बार असहमति होती है, लेकिन इसका असर हमारे रिश्तों पर नहीं पड़ता। हमारे देश में ढेरों खामियां हैं और आलोचना सहन भी करते हैं।

भारत में वीजा प्रतीक्षा समय को कम करेगा अमेरिका

अमेरिका के राजदूत ने बाइडन के आदेश को दोहराया

न्यूयॉर्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अक्सर देखा गया है कि भारतीयों को अमेरिका के वीज़ा के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। इस मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति का नया आदेश राहत देने वाला है। बाइडन ने आदेश दिया है कि अमेरिका भारत में वीजा प्रतीक्षा समय को कम करेगा।

भारत में अमेरिका के राजदूत ने क्या कहा?

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने ये बातें बताई हैं। उन्होंने वीजा नियुक्तियों और प्रतीक्षा समय पर जोर डालते हुए कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन्हें भारत में वीजा के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने का आदेश दिया है। यह पहला उदाहरण है जब अमेरिका द्वारा किसी भी देश में इस बात पर गौर करने के लिए कहा गया है। गार्सेटी ने यह भी कहा कि ग्रीन कार्ड बैकलॉग का मुद्दा भी एक बड़ी समस्या है और जल्द ही इसका भी समाधान हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कई वीजा मामलों देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, इस आदेश से

प्रतीक्षा समय में 75 प्रतिशत की कमी आएगी।

अमेरिका की कुछ विधायी सीमाएं हैं- गार्सेटी

एरिक गार्सेटी ने कहा कि बात चाहे अप्रवासियों की हो, ग्रीन कार्ड की हो या स्थाई नागरिकता लेने वाले लोगों की हो, अमेरिका में भी सभी देशों की तरह किसी भी काम के लिए कुछ विधायी सीमाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये मानक भारतीयों के लिए निराशाजनक हैं क्योंकि बहुत सारे भारतीय हैं जो अमेरिका जाना चाहते हैं।

गार्सेटी ने बताया कि अमेरिका का वीजा लेने वाले छात्रों की संख्या के मामले में भारत मैक्सिको के बाद दूसरे स्थान पर है। साल 2023 में 245,000 से अधिक भारतीय छात्र वीजा लेकर अमेरिका आए थे।

चीन ने अरुणाचल की 30 जगहों के नाम बदले

7 साल में चौथी बार ऐसा किया, अरुणाचल को फिर अपना हिस्सा बताया

बीजिंग, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन ने अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर वहां की 30 जगहों के नाम बदल दिए हैं। चीन की सिविल अफेयर मिनिस्ट्री ने इसकी जानकारी दी। हांगकांग मीडिया हाउस साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इनमें से 11 रिहायशी इलाके, 12 पर्वत, 4 नदियां, एक तालाब और एक पहाड़ों से निकलने वाला रास्ता है। हालांकि, इन जगहों के नाम क्या रखे गए हैं, इस बारे में जानकारी नहीं दी गई।

इन नामों को चीनी, तिब्बती और रोमन में जारी किया। पिछले 7 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ है जब चीन ने अरुणाचल की जगहों का नाम बदला हो। चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे। चीन ने पिछले 5 साल में तीसरी बार ऐसा किया था। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे।

भारत हमेशा कहता है- अरुणाचल हमारा हिस्सा था, है और रहेगा

अरुणाचल में बढ़ते चीनी दखल और यहां की जगहों के नाम बदले जाने पर भारत कहता आया है कि अरुणाचल हमारा

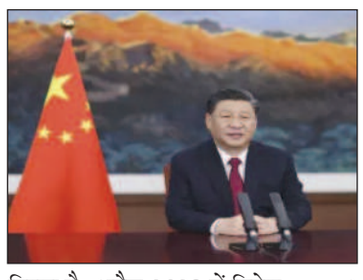

हिस्सा है। अप्रैल 2023 में विदेश मंत्रालय ने कहा था- हमारे सामने चीन की इस तरह की हरकतों की रिपोर्ट्स पहले भी आई हैं। हम इन नए नामों को सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का आतंरिक हिस्सा था, हिस्सा है और रहेगा। इस तरह से नाम बदलने से हकीकत नहीं बदलेगी।

नाम बदलने के पीछे चीन का क्या दावा है

दरअसल, चीन ने कभी अरुणाचल प्रदेश को भारत के राज्य के तौर पर मान्यता नहीं दी। वो अरुणाचल को 'दक्षिणी तिब्बत' का हिस्सा बताता है। उसका आरोप है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा करके उसे अरुणाचल प्रदेश बना दिया है। चीन अरुणाचल के इलाकों के नाम क्यों बदलता है इसका अंदाजा वहां के एक रिसर्चर के बयान से लगाया जा सकता है। 2015 में चाइनीज एकेडमी ऑफ सोशल साइंस के रिसर्चर झांग योंगपान ने ग्लोबल टाइम्स को कहा था, 'जिन जगहों के नाम बदले गए हैं वो कई सौ सालों से हैं। चीन का इन जगहों का नाम बदलना बिल्कुल जायज है। पुराने समय में जांगनान (चीन में अरुणाचल को दिया नाम) के इलाकों के नाम केंद्रीय या स्थानीय सरकारें ही रखती थीं। इसके अलावा इलाके के जातीय समुदाय जैसे तिब्बती, लाहोबा, मोंबा भी अपने अनुसार जगहों के नाम बदलते रहते थे। जब जैंगनेम पर भारत ने गैर कानूनी तरीके से कब्जा जमाया तो वहां की सरकार ने गैर कानूनी तरीकों से जगहों के नाम भी बदल दिए।' झांग ने ये भी कहा था कि अरुणाचल के इलाकों के नाम बदलने का हक केवल चीन को होना चाहिए।

क्या सच में नाम बदल जाएंगे?

इसका जवाब है- नहीं। दरअसल, इसके लिए तय रूल्स और प्रॉसेस है। अगर किसी देश को, किसी जगह का नाम बदलना है तो उसे यूएन ग्लोबल जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट को पहले से जानकारी देनी होती है। इसके बाद, यूएन के जियोग्राफिक एक्सपर्ट उस इलाके का दौरा करते हैं। इस दौरान प्रस्तावित नाम की जांच की जाती है। स्थानीय लोगों से बातचीत की जाती है। तथ्य सही होने पर नाम बदलने को मंजूरी दी जाती है और इसे रिकॉर्ड में शामिल किया जाता है।

अरुणाचल प्रदेश को चीन इतना अहम क्यों मानता है?

अरुणाचल प्रदेश पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा राज्य है। नॉर्थ और नॉर्थ वेस्ट में तिब्बत, वेस्ट में भूटान और ईस्ट में म्यांमार के साथ यह अपनी सीमा साझा करता है।

अरुणाचल प्रदेश को पूर्वोत्तर का सुरक्षा कवच कहा जाता है। चीन का दावा तो पूरे अरुणाचल पर है, लेकिन उसकी जान तवांग जिले पर अटकी है। तवांग अरुणाचल के नॉर्थ-वेस्ट में हैं, जहां पर भूटान और तिब्बत की सीमाएं हैं।

भाजपा समर्थकों ने निकाली कार रैली

20 शहरों से 300 लोगों ने लिया हिस्सा

वॉशिंगटन, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी-यूएसए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के समर्थन में 20 अलग-अलग शहरों में कार रैलियां निकाली। उन्होंने भारत के लोगों से आगामी चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए को 400 से अधिक सीट दिलाकर भारी बहुमत से विजयी बनाने का आग्रह किया।

ओएफबीजेपी-यूएसए के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने कहा, अमेरिका में भारतीय समुदाय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और एनडीए को 400 से अधिक सीट पर जीतता देखने के लिए बहुत उत्साहित है। मैंने भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों में ऐसा उत्साह इससे पहले कभी नहीं देखा था। ओएफबीजेपी-यूएसए के राष्ट्रीय महासचिव वासुदेव पटेल ने कहा, ओएफबीजेपी द्वारा पूर्वी तट से पश्चिमी तट और उत्तर से दक्षिण तक लगभग 20 शहरों में आयोजित कार रैलियों में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। अमेरिका की राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में सिख समुदाय के लोगों ने भी पीएम मोदी के समर्थन में कार रैली निकाली। उन्होंने बताया कि भाजपा की जीत न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया में भी शांति और स्थिरता लाने के लिए महत्वपूर्ण होगी। रैली में करीबन 200 कारों को शामिल किया गया था। इसमें भाग लेने के लिए विभिन्न शहरों से करीबन 300 लोग पहुंचे। अटलांटा, जॉर्जिया में 150 कारों ने इस रैली में हिस्सा लिया। इस रैली में लोग बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे, जिसमें लिखा था, अबकी बार 400 पार, मोदी 3.0 के लिए सिख अमेरिकी, मोदी गारंटी। लोगों ने 2024 लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते हुए देखने की इच्छा जताई। बता दें कि कार रैली वॉशिंगटन डीसी के मैरीलैंड में आयोजित की गई। इस रैली में शामिल होने वाले लोग पहले गुरुद्वारे गए और फिर वहां से रैली वाले स्थान पर पहुंचे। सभी कारों को भाजपा और अमेरिकी झंडो से सजाया गया था।

पाकिस्तान बोला- विश्व शांति के लिए अमेरिका का साथ जरूरी

शाहबाज ने बाइडेन के खत का जवाब दिया, कहा- मिलकर काम करते रहेंगे

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा है कि उन्हें देश के विकास में अमेरिका का साथ जरूरी है। शाहबाज ने अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन के खत के जवाब में यह बात लिखी। दरअसल, 30 मार्च को बाइडेन ने पाकिस्तानी पीएम शाहबाज को खत लिखा था। उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों की अहमियत बताते हुए पाकिस्तान के लिए अमेरिका के सपोर्ट की बात की थी। इसके जवाब में शाहबाज ने लिखा, "पाकिस्तान वैश्विक शांति, सुरक्षा और देश के विकास और समृद्धि के लिए अमेरिका के साथ काम करने को इच्छुक है। दोनों देश एनर्जी, क्लाइमेट चेंज, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।''

पाकिस्तानी मीडिया 'द डॉन' के मुताबिक, पीएम शाहबाज ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग और ग्रीन अलायंस

फ्रेमवर्क पहल का स्वागत है। यह पहली बार था जब बाइडेन ने पाकिस्तान में चुनाव के बाद किसी प्रधानमंत्री से बात की। साल 2018 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चुनाव जीता था। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ने उनसे कोई बात नहीं की थी। इसके बाद साल 2022 में इमरान की सरकार गिरने के बाद जब शाहबाज शरीफ ने सरकार बनाई, तब भी बाइडेन ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया। वहीं, एक्सपर्ट्स का कहना है कि बाइडेन के खत में शाहबाज को सत्ता संभालने या चुनाव जीतने के लिए बधाई नहीं दी गई। हाल ही में अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू से पूछा गया था, "क्या वॉशिंगटन ने पाकिस्तान में नई सरकार को मान्यता दी है?" इसके जवाब में लू ने स्पष्ट तौर पर कहा था, "अमेरिका का नई सरकारों को मान्यता देने से मतलब नहीं है, हम सत्ता संभाल रहे शासन के साथ ही काम करते हैं।" दरअसल, फरवरी में पाकिस्तान में हुए आम चुनाव के ठीक बाद अमेरिका के कई सांसदों ने चुनाव में धांधली की आशंका जताई थी। उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इस दौरान अमेरिका के 33 सांसदों ने भी राष्ट्रपति बाइडेन को खत लिखकर पाकिस्तान की नई सरकार को मान्यता न देने की अपील की थी। यही वजह थी कि लू से पाकिस्तानी सरकार को मान्यता देने से जुड़ा सवाल किया गया। बाइडेन ने अपने लेटर में लिखा कि अमेरिका विकास और मानवीय अधिकारों की रक्षा के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करता रहेगा। दोनों देश मिलकर मजबूत साझेदारी और अपने नागरिकों के बीच बेहतर रिश्ते कायम करेंगे।

आतंक का गढ़ बना पाकिस्तान

तीन महीनों में 245 हमलों में 432 लोगों की मौत, चौंकाने वाली रिपोर्ट

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आतंकवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में 2024 की पहली तिमाही में आतंकवादी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों की कुल 245 घटनाएं हुई। इन हमलों और अभियानों में 432 लोगों की मौत हुई और 370 लोग घायल हो गए। सिर्फ तीन महीनों के भीतर 432 लोगों की मौत का ये आंकड़ा बताता है कि पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ बन चुका है। खासतौर पर खैबर पख्तूनख्वा और अफगानिस्तान की सीमा से लगे बलूचिस्तान प्रांतों में बुरा हाल है। इन इलाकों में तीन महीनों में 90 प्रतिशत से ज्यादा मौतें हुई और 86 प्रतिशत हमले हुए। रिपोर्ट बताती है कि इन जगहों के मुकाबले पाकिस्तान के बाकी क्षेत्रों में

माहौल अपेक्षाकृत शांत रहा। बाकी बचे क्षेत्रों में आठ प्रतिशत से कम मौतें हुई। पाकिस्तान में साल 2024 की पहली तिमाही में सरकारी और निजी संपत्तियों को निशाना बनाने की 64 घटनाएं हुईं। साल 2024 की पहली तिमाही में बलूचिस्तान में हिंसा की घटनाओं में 96 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि देखने को मिली। 2023 की अंतिम तिमाही में बलूचिस्तान में कुल 91 मौतें हुई थी। इस साल यह संख्या बढ़कर 178 हो गई है। उधर सिंध क्षेत्र में भी हिंसा में लगभग 47 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इस अवधि के दौरान गिलगित-बाल्टिस्तान में हिंसा में कमी देखने को मिली। पिछले साल यहां एक दशक में सबसे अधिक मौतें हुई, जिसमें 17 लोगों की जान चली गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में एक नया आतंकी संगठन उभरकर सामने आया है, जिसका नाम जाभात अंसार अल-महदी खुरासान नामक एक नया आतंकवादी समूह उभरा है। 31 मार्च, 2024 को खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले में दासू बांध परियोजना पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के आत्मघाती हमला किया गया था। इस हमले में पांच चीनी नागरिकों और एक स्थानीय चालक की मौत हो गई थी। साल 2024 के शुरुआती तीन महीनों में 245 आतंकी हमले और आतंकवाद विरोधी घटनाएं हुई। इनमें 200 आतंकवादी हमलों में 281 मौतें पाकिस्तान के लोगों और सुरक्षा बल के जवानों की हुई। बाकी बचे 45 आतंकवाद विरोधी अभियानों में 151 मौतें अपराधियों की हुईं। सुरक्षा अधिकारियों और नागरिकों पर हमलों की संख्या आतंकियों के खिलाफ चलाए गए सुरक्षा अभियानों से करीब चार गुना अधिक है। साल 2023 की अंतिम तिमाही से तुलना करें तो पता चलता है कि इस साल की पहली तिमाही में नागरिकों और सुरक्षा अधिकारियों की मौतों में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

तोशाखाना केस में इमरान-बुशरा की सजा पर रोक

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सरकारी खजाने के तोहफे बेचने के मामले (तोशाखाना केस) में राहत मिल गई है। 'जियो न्यूज लाइव' के मुताबिक- इस केस में खान और पत्नी बुशरा को 14 साल की सजा सुनाई गई थी। फिलहाल, इस सजा पर इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हालांकि, खान को जेल में ही रहना होगा, क्योंकि उनको दो और मामलों में सजा सुनाई गई है। तोशाखाना केस में इमरान और बुशरा को 31 जनवरी को सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा गैरकानूनी तौर पर निकाह के मामले में दोनों को 7 साल की सजा सुनाई जा चुकी है। सीक्रेट लेटर चोरी केस में खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को 10 साल की सजा सुनाई जा चुकी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आमिर फारूख ने कहा कि खान के खिलाफ इस मामले की सुनवाई ईद की छुट्टियों के बाद दोबारा शुरू होगी। फिलहाल, इमरान अडियाला जेल में हैं, जबकि बुशरा को इमरान के बनीगाला वाले घर में रखा गया है। इस घर के एक हिस्से को जेल में तब्दील कर दिया गया है। यहां बुशरा सख्त निगरानी में रहती हैं। पिछले साल उस वक्त की सरकार (सत्ताधारी पाकिस्तानी डेमोक्रेटिक मूवमेंट या पीडीएम) ने चुनाव आयोग के सामने तोशाखाना गिफ्ट मामला उठाया था। कहा था कि इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। इमरान ने चुनाव आयोग को बताया था कि उन्होंने तोशाखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था, बेचने पर उन्हें 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। बाद में खुलासा हुआ कि यह रकम 20 करोड़ से ज्यादा थी। करीब तीन साल पहले अबरार खालिद नाम के एक पाकिस्तानी शख्स ने इन्फॉर्मेशन कमीशन में एक अर्जी दायर की थी।

पंजाब में सामने आया ऑनर किलिंग का मामला

भाई ने की बहन की हत्या, पिता ने भी नहीं की बचाने की कोशिश

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक भाई ने पिता के सामने अपनी बहन की गला घोंटकर हत्या कर दी। इस हत्या का वीडियो रिकॉर्ड करने वाले दूसरे भाई शहबाज को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया है। यह घटना मध्य-पूर्वी पंजाब प्रांत के तोबा तेक सिंह शहर की है।

मृतक की पहचान 22 वर्षीय मारिया बीबी के तौर पर की गई है, जिसकी हत्या उसके भाई मोहम्मद फैजल ने 17 मार्च को की थी। इस हत्या का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें फैजल को बिस्तर पर एक लड़की का गला घोंटते हुए देखा गया था। इस घटना के दौरान उसके पिता वहीं पास में ही बैठे हुए थे। वीडियो में शहबाज को अपने पिता से कहते हुए सुना गया, 'उसे छोड़ने के लिए कहो'। हत्या के दो मिनट तक फैजल ने लड़की का गला दबा कर रखा था। हत्या के बाद पिता ने फैजल को पानी पिलाया। 24 मार्च को पुलिस ने पाया कि मारिया की मौत प्राकृतिक कारणों से नहीं हुई है। जिसके बाद उन्होंने मामला दर्ज किया। पुलिस ने तुरंत पिता अब्दुल सत्तार और भाई फैजल को गिरफ्तार किया। शहबाज को उन्होंने शनिवार की शाम को गिरफ्तार किया। वायरल वीडियो में शहबाज की पत्नी को भी देखा गया था। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने इस हत्या को ऑनर किलिंग बताया है। हालांकि, अभी तक इस हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार, फैजल ने अपनी बहन को कई मौकों पर एक अज्ञात व्यक्ति के साथ वीडियो कॉल पर बात करते हुए देखा था।

सर्वसमाज की बैठक में बोले गृहमंत्री
राहुल टेप किया हुआ भाषण पढ़ते हैं और जातिगत राजनीति करते हैं

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने होटल ललित में सामाजिक संगठनों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान में इस बार सभी 25 लोकसभा सीटों पर विजयी होकर हैट्रिक लगाएंगे। इस बार जीत का मार्जिन 2014-19 के लोकसभा चुनावों से कहीं ज्यादा होगा। बैठक में सर्वसमाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

गृहमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में समाज के शोषित, वंचित और अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के हितों का ध्यान रखा जा रहा है। आज पूरा विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाने के लिए एकजुट हो रहा है, लेकिन पीएम मोदी का एक ही नारा है 'राष्ट्र का विकास'। उन्होंने आने वाले दिनों में सिख गुरु अंगददेव जी की जयंती मनाए जाने की बात कही, गुरु अंगदेवजी ने भारत को अखंड रखने के लिए बलिदान दिया था।

शाह ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने समाज को बांटने का काम किया है। देश में विपक्षी गठबंधन इंडी एलाइंस के पास भविष्य का कोई विजन नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ओबीसी के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी को उलाहना देते हैं, जबकि मोदी स्वयं ओबीसी वर्ग से आते हैं। राहुल टेप किया हुआ भाषण पढ़ते हैं, उन्हें ये तक नहीं पता कि 30 साल पहले देश में किसकी सरकार थी, वे जातिगत राजनीति करते हैं।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गृहमंत्री अमित शाह का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश में आमजन के भीतर भाजपा के प्रति जोश और उमंग है। डबल इंजन की सरकार लगातार मोदी की गारंटियों को पूरा करने का काम कर रही है। हमने प्रदेश की जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने की दिशा में हम निरंतर प्रयासरत हैं। इस बार भी राजस्थान में सभी 25 सीटों पर बड़े मार्जिन के साथ कमल खिलाएंगे और 400 पार का नारा साकार करेंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों की बात की। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना होगा। इसके लिए गांव-देहात में जाकर प्रधानमंत्री की योजनाओं का प्रचार करना होगा।

'नरेंद्र', 'राजेंद्र', 'देवेंद्र' के फेर में फंसे राहुल कस्वां, क्या तय कर पाएंगे दिल्ली का रास्ता?

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा गरमाया हुआ है। प्रत्याशियों ने अपने-अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार करना शुरू कर दिया है। ऐसे में प्रदेश की चूरू लोकसभा सीट हॉट सीट के रूप में देखी जा रही है। हाल ही में भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए राहुल कस्वां अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी जद्दोजहद कर रहे है। वहीं भाजपा ने देवेंद्र झाझड़िया को उम्मीदवार बनाया है।

इस बार राहुल कस्वां की जीत में तीन 'इंद्र' बाधा बनते नजर आ रहे है। पीएम 'नरेंद्र' मोदी की लोकप्रियता... वरिष्ठ नेता 'राजेंद्र' राठौड़ की सियासी जमीन... 'देवेंद्र' झाझड़िया के वादे... इस बार राहुल कस्वां को हार का स्वाद चखा सकते है। हालांकि राहुल कस्वां चूरू लोकसभा क्षेत्र से दो बार के सांसद हैं।

चूरू लोकसभा सीट से इस बार मुकाबला रोचक होने वाला है। राजेंद्र राठौड़ और राहुल कस्वां के बीच पहले से अदावत जारी है। पूर्व में कस्वां भाजपा टिकट नहीं मिलने को लेकर राजेंद्र राठौड़ पर कई तरह के आरोप लगा चुके है। जिसके जबाव में राठौड़ राजनीति में वरिष्ठता का परिचय देते हुए बिल्कुल संभलकर कस्वां पर हमला बोल रहे है।

राजेंद्र राठौड़ विधानसभा चुनाव 2023 की तरह कोई गलती नहीं दोहराना चाहते है। विधानसभा चुनाव में तारानगर सीट से लड़े राठौड़ ने अपनों के भरोसे में रहकर शिकस्त का सामना किया। जिसका उन्होंने कई बार अपने भाषणों में 'जयचंद' शब्द का जिक्र कर किया। राहुल कस्वां ने अपने चुनाव राजेंद्र राठौड़ के साथ लड़े है। ऐसे में राठौड़ उनकी चुनावी रणनीति समझते है।

भाजपा इस बार के लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा लेकर चल रही है। जिसके लिए भाजपा पूरे दमखम के साथ जुटी हुई है। प्रधानमंत्री कल पहली जनसभा कोटपूतली में संबोधित करेंगे। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री की अगली दो सभाएं में से इसी सप्ताह चूरू या झुंझुनूं में से किसी एक जगह पर पांच अप्रेल को सभा को सम्बोधित कर सकते हैं। चूरू में पीएम मोदी की सभा से देवेंद्र झाझड़िया के पक्ष में माहौल बन सकता है। ऐसे में राहुल कस्वां की मुश्किल और अधिक बढ़ सकती है।

भाजपा उम्मीदवार देवेंद्र झाझड़िया पहली बार कोई चुनाव लड़ने जा रहे है। वे जैवलीन थ्रो के स्टार खिलाड़ी रह चुके हैं। भारत सरकार ने उन्हें कई अवॉर्ड्स से नवाजा भी है। देवेंद्र झाझड़िया इस बार लोकसभा चुनाव में पूरी ताकत से राहुल कस्वां को हराने के लिए मैदान में जुटे है। जिसके लिए वे चूरू के किसानों और युवाओं को साथ लेकर चलने का भरोसा दिला रहे है।

चूरू में करीब 10,61,834 पुरुष मतदाता है। वहीं महिला मतदाताओं की संख्या 9,57,265 है। 2019 चुनाव की बात करें तो राहुल कस्वां को 7,92,999 वोट मिले थे। वोट प्रतिशत 66 था।

राजस्थान के चूरू लोकसभा क्षेत्र में हनुमानगढ़ जिले 2 जिले और चूरू जिले की 6 विधानसभा सीटें शामिल है। चूरू जिले की सादुलपुर, तारानगर, सुजानगढ़, सरदार शहर, चूरू, रतनगढ़ शामिल हैं। वहीं हनुमानगढ़ की नोहर और भादरा शामिल हैं। विधानसभा चुनाव 2023 में चूरू की 6 सीटों में से कांग्रेस ने 4 सीटों पर कब्जा जमाया जबकि एक सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की। दूसरी ओर हनुमानगढ़ की दो विधानसभा सीटों में से एक कांग्रेस और एक भाजपा ने जीती।

बीजेपी की पूर्व सांसद संतोष अहलावत का विवादित बयान

पीएम मोदी को वोट न देने वालों के लिए कही ये बात

झुंझुनू, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकतंत्र में सभी को अधिकार है अपने पसंदीदा प्रत्याशी को वोट करने का, लेकिन झुंझुनू जिले की सूरजगढ़ विधानसभा में वोट के लिए धमकाने का मामला सामने आया है। पूर्व सांसद संतोष अहलावत ने भरे मंच से खुलेआम धमकी देते हुए कहा कि मोदी को वोट नहीं दिया तो पांच साल घुसने नहीं दूंगी।

झुंझुनू जिले की सूरजगढ़ विधानसभा में लोकसभा चुनाव के लिए बूथ कार्यकर्ता सभा आयोजन किया गया। पूर्व सांसद ने अपने संबोधन में कहा कि लोकसभा चुनाव में तो मुझे आप लोगों ने कत्ल कर दिया। ये आखिरी मौका है। अगर इस बार भी चूक गए तो मैं फिर स्कूल चलाऊंगी। पार्टी से भी बोल दूंगी कि मेरे बस की बात नहीं। भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी ने मुझे अपनी बेटी दी है। वो मेरे संबंधी हैं। वो जितने मेरे हैं उतने ही आपके भी हैं।

सभी अधिकारी कर्मचारी कान खोलकर सुन लें] मेरे किसी कार्यकर्ता को परेशान किया तो ठीक नहीं होगा। जो प्रधानमंत्री मोदी को वोट नहीं देगा, उस आदमी को कोई हक नहीं कि सूरजगढ़ विधानसभा में कुर्सी पर बैठकर नौकरी करे। पांच साल घुसने नहीं दूंगी।

ओवरटेक करने की कोशिश में डंपर के नीचे आए बाइक सवार

तीनों युवकों की मौके पर हुई मौत

जोधपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर के सालावास गांव में शिकारपुरा रोड पर सोमवार सुबह एक डंपर ने बाइक पर सवार तीन युवकों को कुचल दिया। तीनों युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद ड्राइवर डंपर लेकर फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना मिलने पर विवेक विहार थानाधिकारी जितेंद्रसिंह जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। कुचले गए तीनों युवक सालावास गांव के बताए जा रहे हैं।

इधर गांव के लोगों ने गांव के अंदर से होकर बजरी के डंपर गुजरने पर विरोध जताना शुरू कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह सालावास गांव से गुजर रहे तीन बाइक सवारों ने आगे चल रहे एक डंपर को ओवरटेक करने की कोशिश की लेकिन सड़क काफी छोटी होने के चलते युवकों की बाइक फिसलकर गिर गई और डंपर की चपेट में आ गई। इससे बाइक पर सवार तीनों युवकों की डंपर के नीचे आने मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल विवेक विहार पुलिस मौके पर पहुंची है और घटना की जानकारी ले रही है। घटना के बाद गांव में लगे सीसीटीवी फुटेज में सामने आया कि डंपर पर नंबर प्लेट नहीं थी. वह गांव के मुख्य रास्तों से निकल रहा था. इस दौरान यह हादसा हुआ है. सीसीटीवी से संभवतः चालक की पहचान हुई है, जिसका अभी खुलासा नहीं हुआ है. पुलिस निरीक्षक हुकुम सिंह शेखावत को उसकी तलाश में भेजा गया है.

डोटासरा का हमला; बोले- न कार्यकर्ताओं से संवाद न जाना जनता का दर्द

शाह का रोड शो बन गया फ्लॉप शो

सीकर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृहमंत्री के सीकर रोड शो के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सियासी हमला बोला है। डोटासरा ने कहा कि सीकर में भाजपा को इंडिया गठबंधन से इतना कितना भय है कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को रोड शो के लिए बुला लिया।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने न कार्यकर्ताओं से कोई संवाद किया न जनता का दर्द जाना। लगभग एक घंटे के दौरे के बाद लोगों में मायूसी दिखी। सीकर के किसानों को इंतजार था कि शाह एमएसपी पर बात करेंगे या शहीदों की धरती से अग्निवीर योजना को लेकर मंशा स्पष्ट करेंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

डोटासरा ने कहा कि सीकर में अमित शाह का दौरा पूरी तरह फ्लॉप शो साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दस दिन में दूसरी बार सीकर आए। पूरे दौरे में सीएम शाह के सामने जयकारे लगवाकर नंबर लेने की होड़ में दिखे।

कांग्रेस को फिर लगेगा बड़ा झटका

अशोक गहलोत के खास थामेंगे बीजेपी का दामन

श्री गंगानगर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। गंगानगर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस की टिकट के दावेदार पूर्व सांसद शंकर पन्नू, टिकट नहीं मिलने से ज्यादा पार्टी में हुई उपेक्षा से नाराज हैं। कभी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खास रहे पन्नू का कहना है कि उन्होंने उन लोगों को बिसरा दिया, जिन लोगों ने उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल से मिलने के बाद पन्नू ने पत्रिका से बातचीत में कहा कि जिस पार्टी की पचपन साल तक सेवा की, उससे अलग होने का समय आ गया है। पन्नू तीन अप्रेल को जयपुर में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। पूर्व सांसद ने बताया कि गहलोत को 1998 में पहली बार मुख्यमंत्री बनाने के लिए उन्होंने कांग्रेसी विधायकों को एकजुट किया था। उनकी हर स्तर पर उपेक्षा हुई।

टिकट कटने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी तक से उनके पास फोन नहीं आया। पन्नू का कहना है कि विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद टाक सहित भाजपा के अन्य नेताओं के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई।

वैनपुरा गांव में पुलिस टीम पर बदमाशों ने किया हमला

10 राउंड चली गोलियां, दो को पुलिस ने पकड़ा

धौलपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कंचनपुर थाना क्षेत्र के वैनपुरा गांव में बदमाशों को पकड़ने गई पुलिस पर बदमाशों ने हमला कर दिया। दोनों तरफ से करीब 10 राउंड गोलियां चलीं। पुलिस के दबाव को देख छत पर सो रहे बदमाश धीरज उर्फ धीरा ने कूदकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पैरों में चोट लगने की वजह से पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसे घायल अवस्था में बाड़ी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। साथी दूसरे बदमाश के भी पकड़ने की सूचना मिल रही है। कंचनपुर थाना अधिकारी शैतान सिंह ने बताया कि डीएसटी टीम को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र की वैनपुरा गांव में दो बदमाश छुपे हुए हैं। ऐसे में कंचनपुर थाना पुलिस के साथ डीएसटी टीम ने गांव में जाकर जब दबिश दी, तो छत पर सो रहे बदमाशों ने पुलिस को देखते ही फायर कर दिए। ऐसे में पुलिस को भी आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी। इस दौरान करीब 8 से 10 राउंड गोली चलीं।

इस दौरान एक बदमाश छत से कूदकर भागने लगा, जिसे घायल होने पर पुलिस ने बाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं दूसरा बदमाश भी पुलिस की हिरासत में है। गिरफ्त में आए बदमाश धीरज उर्फ धीरा पुत्र केदार गुर्जर निवासी प्रभु की खिरकारी इंदौरा का रहने वाला है। जिसके खिलाफ वाहन चोरी, लूटपाट, मारपीट के मामले दर्ज बताये गए है। वहीं, दूसरा बदमाश रामपूजन भी पुलिस की गिरफ्त में बताया गया है। बदमाश धीरा उर्फ धीरज का बाड़ी सरकारी अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए अस्पताल पर पुलिस बल तैनात किया है। चिकित्सकों की टीम द्वारा बदमाश का उपचार किया जा रहा है। छत पर कूदने से घायल हुए बदमाश के दोनों पैरों में गंभीर चोटें बताई जा रही हैं।

बदमाश और पुलिस के मध्य हुई मुठभेड़ में कंचनपुर थाना प्रभारी शैतान सिंह डीएसटी टीम प्रभारी योगेश तिवारी के साथ कुछ पुलिसकर्मी भी घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि पुलिस पूरे मामले को लेकर अभी चुप्पी साधे हुए हैं। एसएचओ कंचनपुर शैतान सिंह ने बताया कि अभी पूरे मामले की जांच चल रही है। पुलिस के उच्च अधिकारी मामले की जानकारी देंगे। दोनों बदमाशों पर इनाम है या नहीं इसको लेकर जानकारी की जा रही है। फिलहाल घायल बदमाश धीरज उर्फ धीरा अस्पताल में भर्ती है। उसके पैर में चोट आई है और दूसरा बदमाश पुलिस की हिरासत में है।

सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ रील बनाना महंगा पड़ा, पुलिस हिरासत में यू ट्यूबर

दौसा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दौसा जिले के रामगढ़ पचवारा क्षेत्र के एक यू ट्यूबर को सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ रील बनाकर वीडियो वायरल करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यू ट्यूबर हरसहाय मीणा पिछले 2 साल से हथियारों की एडिटिंग करके अपने फोटो के साथ रील बनाकर वायरल करता था।

लोकसभा चुनावों के मद्देनजर अब पुलिस ऐसी हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर नजर रखे है, जिससे समाज में गलत मैसेज जाता हो। दौसा एसपी रंजीता शर्मा ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि युवक हरसहाय मीणा, जो कि एक यू ट्यूबर है, लाइक्स और सब्सक्राइब्स बढ़ाने की चाह में हथियारों की एडिटिंग करके खुद की फोटो को साथ लगाकर सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करता था ।

उधर लालसोट अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने बताया कि लगभग तीस हजार सब्सक्राइबर्स बना चुके हरसहाय मीणा का पुरानी आईडी बंद कर दिए जाने के बाद उसने नए फॉलोअर्स को जोड़ने के लिए इस तरह की रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करना शुरू कर दिया जो कि इसे महंगा पड़ गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालसोट लोकेश सोनवाल ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की कोई भी ऐसी असामाजिक गतिविधि ना करें और ना ही कानून हाथ में लें। अन्यथा पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आठ दिन पहले जिसका अंतिम संस्कार किया वह पुलिस को जिंदा मिला

झुंझुनू, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। होली के दिन झुंझुनूं जिले के मुकुन्दगढ़ के बलरिया गांव में खुद की कार को आग लगाकर सेना के एक जवान ने खुद के जिंदा जलकर मौत हो जाने का षड़यंत्र रचा। घरवालों ने भी उसे ही मृत समझ कर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। लेकिन फोजी विकास भास्कर पुलिस को जिंदा मिला। पुलिस के पकड़ में आने के बाद सोमवार को अपराध बोध में आकर उसने जहर खाकर अपनी जान दे दी। अब कार में जिंदा कौन जला था, पुलिस इसकी जांच कर रही है।

महेश को जलाया था कार में

कार में जिंदा जलने वाला ग्रामीण महेश माहिच हो सकता है। क्योंकि महेश के परिजन तीन दिन से यह दावा कर रहे हैं कि महेश होली वाले दिन विकास की गाड़ी मैं बैठा था, उसके बाद से वह लापता है।

दरअसल होली की रात मुकुन्दगढ़ के बलरिया गांव के पास अंडरपास की दीवार से टकराकर एक कार में आग लगले और उसमें एक जने के जिंदा जलने की सूचना मिली थी। कार विकास भास्कर थी और मौके पर जले हुए युवक की खोपड़ी का हिस्सा ही मिला था।

ऐसे में सबने मान लिया कि विकास जिंदा जल गया। लेकिन कार में जिंदा जला युवक सेना का जवान नहीं, बल्कि कोई और ही था। इसका खुलासा तब हुआ, जब विकास पुलिस को जिंदा मिल गया। पुलिस उसे गंभीर हालात में झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल लेकर आई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार विकास ने जहर खाया था।

विकास की कार में जिस दिन आग ली, उसी दिन से ही डूंडलोद निवासी महेश मेघवाल भी लापता है। महेश के परिजन का मानना है कि कार में विकास नहीं, बल्कि महेश था। उसे

इसलिए रचा मौत का षड्यंत्र

बताया जा रहा है कि डेढ़ करोड़ की बीमा पॉलिसी के क्लेम उठाने के लिए विकास ने खुद की मौत का षड्यंत्र रचा था। पुलिस सोमवार को मामले का खुलासा करने वाली थी। इस बीच विकास ने जहर खा लिया।

मंथन स्कूल के छात्रों ने झील की सफाई की, पहल के माध्यम से समुदाय में बदलाव

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईएसपी चेंजमेकर्स परियोजना के हिस्से के रूप में मंथन स्कूल हैदराबाद के सीओएपी (सामुदायिक आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रम) क्लब ने हैदराबाद में तेलपुर झील की सफाई की जिम्मेदारी ली, जो कचरा संचय के कारण पर्यावरणीय गिरावट का सामना कर रहा एक स्थानीय जल निकाय है। इस परियोजना का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाना और झील के पास रहने वाले समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना है। झील और उसके आसपास की सफाई को बहाल करने के लिए छात्र और शिक्षक स्वयंसेवकों के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाया गया। छात्रों ने झील के पास रहने वाले निवासियों द्वारा सामना की जाने वाली अपशिष्ट निपटान की आदतों और चुनौतियों को समझने के लिए एक प्रारंभिक सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण से एकत्र किए गए आंकड़ों से सुधार और लक्षित हस्तक्षेप के क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली। शिक्षक स्वयंसेवकों के साथ छात्र स्वयंसेवकों ने तेलपुर झील के परिधीय क्षेत्रों के आसपास गहन सफाई अभियान चलाया। कचरा और कूड़े को हटा दिया गया, जिसमें प्लास्टिक कचरा, मलबा और समय के साथ जमा हुए अन्य प्रदूषक भी शामिल थे। निवासियों को पर्यावरण और जल निकायों पर अनुचित अपशिष्ट निपटान के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित किया गया। सूखे और गीले कचरे को अलग करने सहित जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सूचना सत्र आयोजित किए गए। तेलपुर झील के पास रहने वाले लगभग 28 परिवारों को कूड़ेदान वितरित किए गए। प्रत्येक घर को दो कूड़ेदान मिले- एक सूखे कचरे के लिए नीले स्टिकर वाला और गीले कचरे के लिए हरा स्टिकर वाला- साथ ही उनके उचित उपयोग और स्थान पर मार्गदर्शन भी मिला। परियोजना ने सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा दिया और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई। झील के पास के निवासी अपशिष्ट प्रबंधन पहल में सक्रिय रूप से शामिल हो गए और स्वच्छता बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। जीएचएमसी भी इसमें शामिल हो गया और सफाई में छात्रों की सहायता के लिए कर्मचारियों को भेजा। सुरजीत सिंह, प्रिंसिपल, मंथन स्कूल, हैदराबाद ने कहा कि हमें इस तरह की पहल करने वाले अपने छात्रों और कर्मचारियों पर गर्व है। मंथन में, हम छात्रों को हमारे समुदाय के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों के बारे में लगातार जागरूक रहने और ऐसे समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो उन्हें हल करने में मदद कर सकें।

महबूबनगर एमएलसी उपचुनाव की मतगणना 2 जून तक स्थगित

हैदराबाद, 1 अप्रैल(स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा आदर्श आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर महबूबनगर स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र एमएलसी उपचुनाव में पड़े वोटों की गिनती 2 जून तक के लिए स्थगित कर दी गई है। पहले वोटों की गिनती मंगलवार को होनी थी। कड़ी सुरक्षा के बीच पिछले गुरुवार को उपचुनाव हुआ था।

अधिकारियों ने बताया कि चुनाव के लिए स्थापित 10 मतदान केंद्रों पर 1,439 मतदाताओं में से 1,437 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि उपचुनाव के संचालन में शामिल प्रशासनिक मशीनरी मौजूदा लोकसभा चुनावों में भी शामिल थी। ईसीआई ने एक अधिसूचना में कहा कि मतदान के संचालन के लिए समान मशीनरी को शामिल करने से तेलंगाना में लोकसभा चुनाव के सुचारू संचालन से समझौता हो सकता है।

कासिरेड्डी नारायण रेड्डी द्वारा कलवाकुर्थी निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ने और जीतने के बाद महबूबनगर स्थानीय प्राधिकरण एमएलसी उपचुनाव हुआ था।

गर्मी में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ विभिन्न मामलों पर बैठक की

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि अप्रैल और मई महीने के दौरान उच्च तापमान के कारण लू, डी-हाइड्रेशन आदि के बारे में लोगों को जागरूक करें। सीएस ने आज जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान राज्य में पेयजल आपूर्ति, बढ़ते तापमान के मद्देनजर उठाए जाने वाले एहतियाती कदम, स्कूलों में बुनियादी ढांचे के प्रावधान और धान की खरीद की समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने कहा कि इन दो महीनों के दौरान, राज्य में मुख्य रूप से तत्कालीन आदिलाबाद, करीमनगर, वारंगल और खम्मम जैसे जिलों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंचने के साथ गंभीर गर्मी की लहर चलने की संभावना है। लोगों को गर्मी में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया जाए। शांति कुमारी ने कहा कि सभी जिलों में ओआरएस पैकेट, आईवी फ्लूइड और बड़ी मात्रा में अन्य दवाएं वितरित की गई हैं और उन्हें संबंधित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप-केंद्रों में उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा, इसी तरह आशा कार्यकर्ताओं और रोजगार गारंटी कार्य केंद्रों पर भी ओआरएस पैकेट उपलब्ध हैं। बच्चों और बुजुर्गों को सलाह दी जाती है कि वे ध्यान रखें कि वे तेज धूप में बाहर न निकलें, खासकर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच। सीएस ने बताया कि जलापूर्ति की प्रभावी निगरानी के लिए हर मंडल और गांव में विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंडल के लिए एक जिला स्तरीय अधिकारी नियुक्त किया जाता है और हर दिन ताजे पानी की आपूर्ति की निगरानी के लिए प्रत्येक वार्ड और गांव के लिए एक मंडल स्तर का अधिकारी नियुक्त किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिले में जलापूर्ति की निगरानी स्थानीय निकाय के अपर समाहर्ता द्वारा की जायेगी। उन्होंने सलाह दी कि यदि किसी गांव में ताजे पानी की आपूर्ति में कोई व्यवधान हो तो किराये के कृषि कुओं से पानी लें। पानी के टैंकरों से भी पानी उपलब्ध कराया जाए। सभी गांवों और वार्डों में बोरवेलों की मरम्मत और फ्लशिंग का काम पूरा हो गया है और पाइप लाइनों में रिसाव बंद कर दिया गया है। नलगोंडा, सूर्यापेट और खम्मम जिलों के कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया गया है कि आज सुबह नागार्जुन सागर परियोजना से पीने के पानी के लिए छोड़ा गया कृष्णा पानी पलेरू परियोजना तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि यासंगी धान की खरीद के लिए राज्य में 7149 केंद्र बनाए गए हैं और ये सभी केंद्र अगले चार से पांच दिनों में खुल जाएंगे। पहले से ही शुरू हो चुके क्रय केंद्रों के माध्यम से धान की खरीदारी जोरों पर चल रही है। उन्होंने गांवों में प्राइवेट कांटा खोलकर एमएसपी से कम दाम पर खरीदारी करने वालों की पहचान कर उचित कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टरों को निर्देश दिया गया कि राज्य में मना हुरू-मनाबाडी कार्यक्रम के तहत सभी सरकारी स्कूलों में किए गए सभी कार्यों को संबंधित एजेंसियों के माध्यम से तुरंत शुरू किया जाए और उनकी प्रगति की निगरानी की जाए। प्रधान सचिव बुरा वेंकटेशम, दाना किशोर, क्रिस्टीना चोंग्थू, संदीप सुल्तानिया, नागरिक आपूर्ति आयुक्त डी.एस. चौहान, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज, सीडीएमए दिव्या, शिक्षा विभाग आयुक्त देवसेना, परिवार स्वास्थ्य विभाग आयुक्त कर्णन, जल बोर्ड एमडी सुदर्शन रेड्डी, सूचना और जनसंपर्क विभाग इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में विशेष आयुक्त हनुमंत राव और अन्य ने भाग लिया।

अत्तापुर में कपास के गोदाम में लगी आग

रंगारेड्डी, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के अत्तापुर इलाके में एक कपास गोदाम में भीषण आग लग गई। अग्निशमन अधिकारी, चंद्र नाइक के अनुसार, 31 मार्च और 1 अप्रैल की मध्यरात्रि में शॉर्ट सर्किट के कारण अत्तापुर में कपास पैकिंग गोदाम में आग लग गई। दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और चार घंटे तक आग बुझाने का काम किया। अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

फोन टैपिंग मामला : भारत नही आएंगे पूर्व खुफिया प्रमुख प्रभाकर राव

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। फोन टैपिंग मामले में प्रमुख आरोपी पूर्व खुफिया विभाग प्रमुख प्रभाकर राव इस समय अमेरिका में कैंसर का इलाज करा रहे हैं। जिसके चलते वे भारत वापीस आने की संभावनाएं नही है। जांच के तहत पुलिस प्रभाकर राव के आवास की तलाशी ले रही है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि पूर्व खुफिया प्रमुख प्रभाकर राव ने विधानसभा चुनाव के दौरान फोन टैप कर निजी लोगों को धमकाया और उनके साथ ज्यादती की थी।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्ताकोटा श्रीनिवास रेड्डी पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर और जे. परिमला हाना नूतन, (प्रशासन)/सोसाइटी के पदेन अध्यक्ष की उपस्थिति में नल्ला शंकर रेड्डी, अध्यक्ष, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन हैदराबाद और सोसाइटी के सचिव, ने 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने वालों को सम्मानित किया है। इस मौके पर 2024 और वर्ष 2024 के लिए सिटी पुलिस कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी कैलेंडर का उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर के.श्रीनिवास रेड्डी, ने कहा कि सेवानिवृत्ति प्रत्येक कर्मचारी के लिए अपरिहार्य है, पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए उनके स्वास्थ्य पर विचार किए बिना काम करती है, वे हमेशा पुलिस विभाग की ओर से नेतृत्व करते हैं। जरूरत पड़ने पर सेवानिवृत्त कर्मी अधिकारियों से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं, जो कर्मचारी पुलिस विभाग में सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपना शेष जीवन अपने परिवार के सदस्यों के साथ खुशी से बिताएं। इस अवसर पर सोसायटी की ओर से सेवानिवृत्ति लाभ देने की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर डीसीपी-3, इंस्पेक्टर-1, एसआई-7, एएसआई-10, एआरएसआई-3, एचसी-4 और एलजीएस-1 समेत कुल 29 सदस्य सेवानिवृत्त हुए।

मोहम्मद आसिफ खान, उपाध्यक्ष, सी नवीन कुमार, संयुक्त सचिव, जी.एस.एम. विक्टर, कोषाध्यक्ष, कोनिडाला रत्ना कुमारी, निदेशक, ए.एस.डी. शांति, निदेशक, केशव मामिदी, निदेशक, डी. लक्ष्मण कुमार, निदेशक पी. विनीत, सोसायटी के निदेशक और अन्य लोगों ने समारोह में भाग लिया।

निज़ामसागर नहर का तटबंध टूटा, आर्मूर में कॉलोनी में भरा पानी

आर्मूर, 1 अप्रैल(स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के आर्मूर शहर में निज़ामसागर नहर का तटबंध टूट गया, जिससे पत्रकारों की कॉलोनी सहित कई इलाके जलमग्न हो गए। घरों में पानी घुसने और बिजली के खंभे उखड़ने से कॉलोनी के निवासियों के पास बाकी रात अपने घरों के बाहर बिताने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

निवासियों ने शिकायत की कि निज़ामसागर नहर के बांध का लंबे समय से रखरखाव नहीं किया गया जिसके परिणामस्वरूप बड़ी दरार आ गई। उन्होंने कहा कि सिंचाई अधिकारियों को सिंचाई नहरों में पानी छोड़ने से पहले नहर की सफाई करनी चाहिए थी। हालाँकि, सिंचाई अधिकारियों ने एक साल से अधिक समय से जमा हुए मलबे को नहरों से साफ किए बिना पानी छोड़ दिया, जिसके परिणामस्वरूप निज़ामसागर नहर का तटबंध टूट गया। यह पानी पीने के पानी और सिंचाई के लिए था।

एनएमडीसी ने किया 45 मिलियन टन का उत्पादन

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी अब 45 मिलियन टन का आंकड़ा पार करनेवाली देश की प्रथम खनन कंपनी बन गई है। इस रविवार को समाप्त हुए वित्तीयवर्ष में कंपनी ने लौह अयस्क का 45.1 एमटी उत्पादन और 44.8 एमटी बिक्री कर वित्तीयवर्ष 24 में नए आँकड़े प्राप्त किए।

राष्ट्र के नवरत्न के रूप में एनएमडीसी ने अपनी योग्यता सिद्ध करते हुए वित्तीयवर्ष 2023 की तुलना में उत्पादन में 107 और बिक्री में 167 की वृद्धि की है। सरकारी खनन कंपनी ने वित्तीयवर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 13.31 एमटी उत्पादन और 12.54 एमटी बिक्री दर्ज की है, जिसमें मार्च 2024 माह में 4.86 एमटी उत्पादन और 3.96 एमटी बिक्री शामिल है।

पैलेट उत्पादन में आने वाली बाधाओं का समाधान किया गया, जिससे कि कंपनी की अधिकतम पैलेट उत्पादन मात्रा 2.65 लाख टन को प्राप्त किया गया। क्षमता वृद्धि की दिशा में रणनीतिक कुशलता दिखाते हुए, एनएमडीसी ने वित्तीयवर्ष 2024 के लिए निर्धारित 1769 रु. करोड़ के कैपेक्स लक्ष्य की तुलना में 2014 रू. करोड़ के व्यय के साथ कैपेक्स के लक्ष्य को भी पीछे छोड़ दिया है।

सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि 45 एमटी को पार करने से एनएमडीसी की विरासत को सही अर्थों में सम्मान और समृद्धि प्राप्त हुई है। आगे, हमारी दिशा - नवाचार, सुस्थिरता, साझा उद्देश्य और 100 मिलियन टन के मजबूत भविष्य की ओर जाती है।

उज्जैन में समाज भवन के निर्माण के लिए हैदराबाद में बैठक

हैदराबाद, 1 अप्रैल(स्वतंत्र वार्ता)। उज्जैन में श्रृंग समाजोत्थान समिति उज्जैन द्वारा देशभर से उज्जैन आने वाले सिखवाल समाज के भक्तों की सुविधा के लिए भवन निर्माण के लिए "महर्षि श्रृंग संस्थान समिति उज्जैन द्वारा शहर कुछ ही दूरी पर डेढ़ बीघा भूमि ख़रीद ली गई है। जिस पर भवन जिसमें सो कमरे , श्रृंग मंदिर, भोजनशाला हाल एवं अन्य उपयोगिता हेतु निर्माण कार्य किए जाने वाले है। इस संदर्भ में हैदराबाद में बैठक रखी गई। प्रवीण भट्ट ने कहा कि 2028 के प्रथम चरण में ही सिंहस्थ कुंभ मेला उज्जैन में आ रहा है उससे पहले ही निर्माण पूर्ण करने का लक्ष्य है।

बैठक में अनिल उपाध्याय, किशन गोपाल तिवाड़ी, महेश तिवारी, मुरलीधर तिवारी इंदौर, बृजेश तडवा तिवारी, रामदेव नागला, चंद्रभान व्यास, नरेश पाण्डया, घनश्याम तिवारी, जयप्रकाश नागला नांदेड़, कैलाश तिवारी अहमदाबाद, भागीरथ पांडे, दिनेश पांड्या, घनश्याम उपाध्याय, श्रीनिवास नागला निजामाबाद आदि सदस्य उपस्थित रहे ।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

हैदराबाद, 1 अप्रैल(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा आयोजित 170 वां विशाल निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कबुतर खाना हैदराबाद में सम्पन्न हुआ।

इस शिविर में करीब 375 लोगों ने स्वास्थ्य जांच सेवा का लाभ उठाया।

मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, मुकंदलाल अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, विष्णु गुप्ता, जयप्रकाश अग्रवाल, रतन गुप्ता, दिपक अग्रवाल, पवन पोद्दार, गोपाल अग्रवाल, अशोक दादरीवाला, राजकुमार अग्रवाल, पुष्पक अग्रवाल, सुरेश गोयल, अशोक बंसल, शेष कुमार अग्रवाल, रिंकू गर्ग, डीपी अगरवाल, मुकेश केडिया, महावीर प्रसाद डाकोनिया, फतेह चंद मितल, श्रीमती सरिता डाकोनिया, विद्यालय के करोसपोडेंट श्यामसुंदर बंग, प्रधानाचार्य मोनिका वर्मा, मनोज सिंह उपस्थित थे।

अग्रणी महिला मंच ने शीतला सप्तमी के उपलक्ष्य में दोमलगुड़ा स्थित श्री बाला त्रिपुरा सुंदरी देवी मंदिर में शीतला माता की पूजा की। इस अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, संगीता जाजोदिया, सपना जैन, सारिका अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

धम्माईगुडा स्थित शीतला सप्तमी के पावन अवसर पर राजस्थानी परम्परा से पुजा-अर्चनाकर शीतलामाताजी से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हुई प्रवासी धार्मिक सेवा समिति की किरनकंवर सोलंकी, कालीबाई कवाडिया, शिवप्यारी भाटी, नारंगीदेवी काग व अन्य।

265 लोगों ने लिया स्वास्थ्य शिविर का लाभ

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री आदिनाथ भक्तामर शक्ति धाम के सहयोग से 126 वां निशुल्क मेडिकल कैम्प कलाकल ग्राम में आयोजित किया गया जिसका 265 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

शिविर में ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, नेत्र, फिजियोथैरेपी, दंत की जांच की गई। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा 1 दिव्यांग को निशुल्क कृत्रिम अंग और एक रोगी को हियरिंग एड की सेवा दी गई। कैम्प के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, शरद बी.पित्ती, निखिल रानासरिया, दीपक गुप्ता, विनय राज जैन, जयश्री जैन, आदित्य सोनी, दक्षिणामूर्ति गौरा रेड्डी, नरेंद्र रेड्डी, रवि, मधु, संतोष, कमल, योगेश अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, सतीश गर्ग, राधेश्याम बियानी, अंकित, दीपा गर्ग, अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, वंदना, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव आदि उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

के. कविता की ...

आप ने इस पैसे का इस्तेमाल गोवा और पंजाब विधानसभा चुनाव में किया।

फरवरी 2023 में सीबीआई ने कविता के अकाउंटेंट बुचीबाबू गोरंतला को गिरफ्तार किया। ईडी ने भी बुचीबाबू से पूछताछ की थी। फिर ईडी ने हैदराबाद के व्यवसायी अरुण रामचंद्रन पिल्लई को 7 मार्च 2023 को गिरफ्तार किया। पिल्लई ने पूछताछ में बताया था कि कविता और आम आदमी पार्टी के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत 100 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ, जिससे कविता की कंपनी 'इंडोस्पिरिट्स' को दिल्ली के शराब कारोबार में एंट्री मिली। पिल्लई ने ये भी बताया कि एक मीटिंग हुई थी, जिसमें वो, कविता, विजय नायर और दिनेश अरोड़ा मौजूद थे। इस मीटिंग में दी गई रिश्वत की वसूली पर चर्चा हुई थी।

स्कीम बनाई तो ...

ईडी के पास फिलहाल 7 हजार केस हैं। उसमें से नेताओं से जुड़े केस 3 प्रतिशत से भी कम हैं। इस समय नोटों के ढेर पकड़े जा रहे हैं। वॉशिंग मशीन में भी नोट मिले हैं। घरों में पानी की पाइप में नोटों की गड्डियां मिली हैं। कांग्रेस के एक एमपी के घर से और बंगाल के मंत्रियों के घर से नोटों के ढेर मिले हैं। हमने बंगाल में करीब 3 हजार करोड़ रुपये अटैच किया है। देश की जनता ये सब चीजें सहन करने के लिए तैयार नहीं है।

अयोध्या के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमंत्रण ने मुझे झकझोर दिया। इसके बाद मैंने तय किया कि मैं 11 दिन का अनुष्ठान करूंगा। जब मैं अयोध्या पहुचा। जब मैं एक-एक कदम चल रहा था। तब मेरे मन में मंशा थी कि क्या मैं पीएम हूं, इसलिए जा रहा हूं या भारत के नागरिक के रूप में जा रहा हूं।

सेंथिल बालाजी की ...

मामले में सुनवाई करने के बाद फरवरी में मद्रास उच्च न्यायालय ने सेंथिल की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

ईडी ने बीते साल जून में ईडी ने वी. सेंथिल बालाजी को गिरफ्तार किया था। साल 2014 में परिवहन मंत्री रहते हुए बालाजी पर मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन में पैसे लेकर लोगों को नौकरी देने के आरोप लगे थे। साथ ही आरोप है कि बालाजी ने मनी लॉन्ड्रिंग की थी।

बालाजी की गिरफ्तार पर जमकर हंगामा हुआ था और गिरफ्तारी के तुरंत बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। बालाजी को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी दिल की सर्जरी की गई। इसके बाद 17 जुलाई को अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद सेंथिल बालाजी को तमिलनाडु की पुझल सेंट्रल जेल भेजा गया और तब से वे जेल में बंद हैं।

सुप्रीम कोर्ट का ...

हिंदुओं के अनुसार भोजशाला यानी सरस्वती का मंदिर है। मुस्लिम इसे पुरानी इबादतगाह बताते हैं। हिंदू संगठन के लोग बताते हैं कि धार की ऐतिहासिक भोजशाला उसके नाम से ही स्पष्ट है कि यह राजा भोज द्वारा स्थापित सरस्वती सदन है यहां कभी 1000 वर्ष पूर्व शिक्षा का एक बड़ा संस्थान हुआ करता था। बाद में यहां पर राजवंश काल में मुस्लिम समाज को नमाज के लिए अनुमति दी गई, क्योंकि यह इमारत अनुपयोगी पड़ी थी। पास में सूफी संत कमाल मौलाना की दरगाह है। ऐसे में लंबे समय से मुस्लिम समाज में नमाज अदा करने का कार्य करते रहे। परिणाम स्वरूप पर दावा करते हैं कि यह भोजशाला नहीं बल्कि कमाल मौलाना की दरगाह है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सीजन के बीच बदलेगा आईपीएल का शेड्यूल!

बीसीसीआई ले सकता है बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के बीच टूर्नामेंट का शेड्यूल थोड़ा बदल सकता है। इसका कारण है 17 अप्रैल को राम नवमी के दिन होने वाला केकेआर का एक मुकाबला। इसके कारण कुछ मैचों के शेड्यूल या वेन्यू में थोड़ा बदलाव दिख सकता है। पिछले साल वर्ल्ड कप में भी दुर्गापूजा के कारण ऐसा देखने को मिला था।

आईपीएल 2024 जारी है और पहले 7 अप्रैल तक का शेड्यूल जारी किया गया था। हाल ही में लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद पूरे आईपीएल का शेड्यूल फाइनल हो गया था। ऐसे में अब बड़ी खबर सोमवार 1 अप्रैल को सामने आई है कि कोलकाता नाइट राइडर्स के एक मुकाबले को रिशेड्यूल किया जा सकता है या फिर मैच का वेन्यू बदल सकता है। यह जानकारी मिली है 17 अप्रैल को कोलकाता के ईडेन गार्डेन्स में केकेआर और राजस्थान रॉयल्स के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर। यानी बीच सीजन इस मैच के कारण शेड्यूल थोड़ा बदल सकता है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इस पर विचार कर रहा है। सभी संबंधित अधिकारी दोनों फ्रेंचाइजी, राज्य क्रिकेट एसोसिएशन और ब्रॉडकास्टर्स को इसके संकेत दिए जा चुके हैं। वहीं यह चर्चा इस कारण शुरू हुई है क्योंकि 17 अप्रैल को पूरे देश में राम नवमी का त्यौहार मनाया जाएगा। इसी कारण अथॉरिटीज को इस बात की चिंता है कि उस दिन आईपीएल मैच में प्रॉपर सिक्योरिटी दी जा पाएगी या नहीं। वहीं उस दौरान लोकसभा चुनाव का दौर भी शुरू हो जाएगा। इसी कारण बीसीसीआई जल्द ही उस मैच पर फैसला कर सकता है।

भारत को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले दिग्गज गैरी कर्स्टन की होगी पाकिस्तान में एंट्री!

पीसीबी कर सकता है एक और बड़ा बदलाव

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को हाल ही में मोहसिन नकवी के रूप में नया चेयरमैन मिला था। पड़ोसी देश के क्रिकेट मैनेजमेंट में अक्सर ऐसा देखा जाता है कि चेयरमैन बदलते ही बोर्ड के अंदर अन्य पदों पर कई बदलाव होते हैं। हर चेयरमैन चीजों को अपने हिसाब से चलाता है। यही हुआ नकवी के आने के बाद। पहले शाहीन अफरीदी से कप्तानी छिनी और बाबर को दोबारा कप्तान बनाया गया। उसके बाद अब चर्चा ऐसी है कि टीम का कोच भी बदलने वाला है।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज भी रेस में...

इतना ही नहीं दिग्गज गैरी कर्स्टन जिन्होंने भारत को 2011 वर्ल्ड कप में चैंपियन बनाया था उनके नाम पर चर्चा हो रही है। खबरें यह भी हैं कि रेड बॉल और व्हाइट बॉल में टीम को अलग-अलग कोच मिलेंगे। इसलिए कर्स्टन के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज पेसर जेसन गिलेस्पी का नाम भी चर्चा में है।

हाल ही में शनिवार को पीसीबी ने एक विज्ञापन जारी किया था जिसमें रेड बॉल और व्हाइट बॉल कोच के आवेदन मांगे गए थे। इसमें 15 अप्रैल तक सभी को अप्लाई करने को कहा गया था। इसके तहत आवेदनकर्ताओं को कम से कम घरेलू क्रिकेट में 5 साल, या फिर इंटरनेशनल व फ्रेंचाइजी टीम की कोचिंग का दो साल का अनुभव अनिवार्य था।

लंबे समय तक बने रहेंगे कोच!

पीसीबी के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया था कि इन आवेदनों पर अप्लाई करने के लिए कर्स्टन और गिलेस्पी इच्छुक हैं, ताकि लंबे समय तक वह टीम के साथ बने रहें। सूत्रों की मानें तो कर्स्टन जो भारतीय टीम के विश्व विजेता कोच रहे हैं उन्हें व्हाइट बॉल और गिलेस्पी को रेड बॉल कोच बनाया जा सकता है। सूत्र ने आगे बताया,'जिसे भी कोच बनाया जाएगा उसे प्रॉपर कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा। इसमें इस बात की भी एश्योरिटी है कि यह टेन्योर लंबा होगा और किसी चेयरमैन के बदलने पर कोच में बदलाव नहीं किया जाएगा।'

क्या 9 साल बाद लौटेगा ये भारतीय खिलाड़ी मोहित शर्मा?

मोहम्मद शमी की ले सकता है जगह

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय टीम के खिलाड़ी मौजूदा समय में आईपीएल 2024 में जलवा बिखेर रहे हैं। लेकिन इस टूर्नामेंट के ठीक बाद टी20 वर्ल्ड कप 2024 होना है। उसके लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में जगह बनाने के खातिर हर खिलाड़ी जीतोड़ मेहनत कर रहा है। उसी लिस्ट में एक ऐसा नाम भी है जिसकी 9 साल बाद टीम इंडिया में वापसी की अटकलें लगने लगी हैं।

भारत में इन दिनों आईपीएल 2024 खेला जा रहा है। इस लीग के तुरंत बाद 1 जून से टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज हो जाएगा। वर्ल्ड कप के लिए टीम का चयन भी आईपीएल के बीच ही होना है। वहीं हाल ही में खबरें सामने आई थीं कि अप्रैल के अंत तक टीम इंडिया का स्क्वाड सामने आ सकता है। ऐसे में अगर वर्ल्ड कप 2023 के लिहाज से देखें तो कुछ खिलाड़ियों का खेलना लगभग तय है। वहीं मोहम्मद शमी जो वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के स्टार रहे थे वह चोटिल हैं और टी20 वर्ल्ड कप में उनका खेलना मुश्किल है। अब ऐसे में शमी की जगह लेने के लिए एक खास नाम सामने आ रहा है।

दरअसल वो नाम ऐसे खिलाड़ी का है जिसने भारत के लिए मोहम्मद शमी के ही साथ 2015 वर्ल्ड कप में कमाल का प्रदर्शन किया था। मगर उसके बाद 9 साल से वो खिलाड़ी गुमनाम था। आईपीएल 2023 में अचानक गुजरात टाइटंस के लिए उसकी एंट्री हुई और 14 मैच में 27 विकेट लेकर उसने सभी को चौंका दिया। वो खिलाड़ी और कोई नहीं बल्कि मोहित शर्मा हैं। आईपीएल 2024 में भी मोहित जलवा बिखेरना शुरू कर चुके हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गुजरात की जीत और उससे पहले मुंबई के खिलाफ गुजरात की जीत में उनका अहम योगदान रहा था। ऐसे में आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए भी उनकी दावेदारी नजर आने लगी है।

क्या 9 साल बाद हो पाएगी वापसी?

अब 9 साल बाद क्या मोहित शर्मा टीम इंडिया में वापस जगह बना पाएंगे? अगर मौजूदा परफॉर्मेंस और टीम इंडिया की जरूरत के हिसाब से देखें तो मोहित वेस्टइंडीज और यूएसए की स्लो पिच पर असरदार साबित हो सकते हैं। उनके पास काफी वैरिएशन हैं। वह स्लो बॉल भी फेंकते हैं, और वह डेथ ओवर्स में अच्छी यॉर्कर भी डालते हैं। बुमराह और अर्शदीप के साथ वह टी20 के स्क्वाड में टीम इंडिया की पेस बैट्री को और मजबूती दे सकते हैं।

कैसा है मोहित शर्मा का करियर रिकॉर्ड?

मोहित शर्मा ने 2015 में एमएस धोनी की कप्तानी में वनडे और टी20 इंटरनेशनल का आखिरी मैच खेला था।

जबकि 2013 में वनडे डेब्यू करते हुए मोहित ने 26 मैचों में 31 विकेट लिए। इसके अलावा भारत के लिए 8 टी20 इंटरनेशनल खेलते हुए मोहित ने 6 विकेट अपने नाम किए। उनके नाम आईपीएल के 103 मुकाबलों में 125 विकेट दर्ज हैं।

हजारीबाग पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

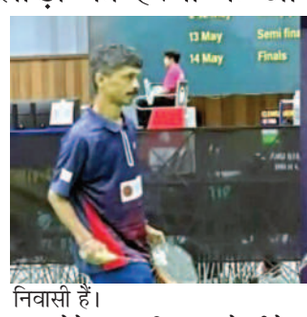

जमशेदपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले से जमशेदपुर के एक पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी की हत्या करने के आरोप में एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यहां की एक पुलिस टीम ने अपने हजारीबाग पुलिस के सहयोग से 20 दिनों से लापता प्रशांत कुमार सिन्हा का क्षत-विक्षत शव बरामद किया

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने कहा कि आरोपी काजल सुमन (28) और उसके मित्र रौनक कुमार (19) को पुलिस टीम ने शनिवार को हजारीबाग के चड़वा पुल के नीचे से प्लास्टिक की बोरी में बंद सिन्हा का शव बरामद करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी हजारीबाग के लोहसिंघना इलाके के निवासी हैं।

उन्होंने बताया कि हत्या के पीछे सिन्हा और काजल के बीच पैसों को लेकर विवाद माना जा रहा है। काजल ने रौनक के साथ मिलकर साजिश रची और कुछ दिन पहले हजारीबाग के हासमियां मोहल्ले में रौनक के गौशाला में सिन्हा की गला दबाकर हत्या कर दी। सिन्हा के परिजनों ने 22 मार्च को यहां बिरसानगर थाने में सिन्हा के लापता होने की प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ की मदद से जुटाए गए सबूतों के साथ-साथ जांच टीम को मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर काजल और रौनक को गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल भेज दिया गया है और जांच जारी है।

सिन्हा ने विभिन्न अवसरों पर राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का प्रतिनिधित्व किया था और पिछले साल युगांडा में 'पैरा-बैडमिंटन चैंपियनशिप' में भी उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

'सम्मान के अलावा कुछ नहीं,' कप्तानी जाने के बाद शाहीन अफरीदी का पहला बयान; बाबर आजम के लिए कही ये बात

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बाबर आजम को जब से इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान का कप्तान बनाया गया है, इसके बाद से ही विवाद जोरों पर है। अब शाहीन अफरीदी ने भी कप्तानी जाने के बाद पहला बयान दे दिया है। शाहीन ने अपने बयान से कप्तानी विवाद को और अधिक बढ़ा दिया है।

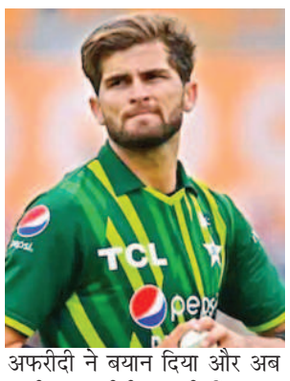

पीसीबी ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 से पहले बड़ा फैसला लिया है। पीसीबी ने पाकिस्तान की कप्ताी शाहीन अफरीदी से लेकर एक बार फिर से बाबर आजम को बना दिया है। इसके बाद से ही विवाद शुरू हो गया है। शाहीन से कप्तानी छीनने के बाद पहले तो पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शाहिद

अफरीदी ने बयान दिया और अब शाहीन अफरीदी का भी रिएक्शन आ गया है। शाहीन ने बाबर आजम को लेकर बयान देते हुए पीसीबी पर बड़ा आरोप लगा दिया है। इससे साफ प्रतीत हो रहा है कि टीम में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। चलिए आपको बताते हैं शाहीन ने कप्तानी जाने के बाद क्या कहा।

बता दें कि शाहीन अफरीदी ने कप्तानी जाने के बाद पीसीबी पर गंभीर आरोप लगाया है। शाहीन ने कहा कि पीसीबी ने अपने वेबसाइट पर मेरे हवाले से बाबर आजम को कप्तानी सौंपने पर जो बयान दिया है, वह गलत है। शाहीन के इस खुलासे ने कप्तानी विवाद को और अधिक बढ़ावा दिया है। शाहीन के हवाले से पीसीबी के बयान देने पर तेज गेंदबाज काफी नाराज हैं। उन्होंने कहा है कि मैंने जो कभी कहा ही नहीं है, मेरे हवाले से वह भी कहा जा रहा है। चलिए आपको बताते हैं पीसीबी ने शाहीन अफरीदी के हवाले से क्या बयान दिया है।

शाहीन के हवाले से पीसीबी ने बाबर आजम को लेकर कहा कि 'मैं इन यादों और मौकों को हमेशा अपने भीतर संभालकर रखूंगा'। बतौर खिलाड़ी भी मेरा बाबर आजम को समर्थन करना कर्तव्य है। शाहीन के हवाले से आगे कहा कि मुझे बाबर की कप्तानी में खेलने का मौका मिला है, मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। मैं बाबर की मदद करने की पूरी कोशिश करूंगा। हम सभी एक ही हैं, हम सभी का लक्ष्य एक है कि पाकिस्तान को दुनिया की नंबर वन टीम बनानी है। ईएसपीएन की एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि शाहीन अफरीदी पीसीबी से काफी नाराज चल रहे थे।

माही ने माहौल बदल दिया, 16 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते ही अपनों की छोड़िए, विरोधी भी धोनी के मुरीद हुए

विशाखापत्तनम, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 का आगाज तो वैसे 22 मार्च को ही हो गया था. लेकिन, इसके रोमांच ने सही मायनों में जोर तब पकड़ा जब 31 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विशाखापत्तनम के मैदान पर धोनी नाम का धमाका देखने को मिला. धोनी का बल्ला बोलता है, तो लोग कहते हैं – माही मार रहा है. लेकिन, विशाखापत्तनम में माही सिर्फ मार ही नहीं रहा था, माहौल भी बदल रहा था. उस माहौल को बदलते दिख रहे धोनी ने देखते ही देखते IPL का 16 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया. सीएसके की हार में भी उनकी बल्लेबाजी में जो बात दिखी, उसने अपनों का तो दिल हमेशा की तरह

जीता, विरोधी भी धोनी के मुरीद हो गए.

विशाखापत्तनम में माहौल के बदलने की शुरुआत उस वक्त से ही शुरू हो गई थी जब आईपीएल 2024 में पहली बार धोनी बल्ला हाथ में लिए क्रीज की ओर चले. धोनी की बल्लेबाजी वाली झलक पाने को बेताब पीले समंदर में नहाए स्टेडियम ने अपने चहेते हीरो का जोरदार स्वागत किया. मजेदार बात ये रही कि धोनी ने भी उस स्वागत का अभिनंदन पहली ही गेंद पर चौका लगाकर किया. बल्लेबाजी में धोनी के जोर से स्टेडियम का शोर तो भी शोरोमीटर में अपने रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचता दिखा. एमएस धोनी ने 231 से भी ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 16 गेंदों में ही नाबाद 37 रन जड़े. उन्होंने 4 चौके और 3 छक्के लगाए. धोनी की इस पारी का असर ये हुआ कि सीएसके के फैंस अपनी टीम की हार तक भूल गए. उनके लिए धोनी के बल्ले का चलना ही पैसा वसूल मूमेंट रहा. स्टेडियम में मौजूद अपने फैंस का भरपूर मनोरंजन करते हुए धोनी ने आईपीएल में 16 साल पुराने रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया.

धोनी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 20वें ओवर में 20 रन बनाए, जो कि एक नया आईपीएल रिकॉर्ड है. इसस पहले 20वें ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड मार्क बाउचर के नाम था, जिन्होंने साल 2008 के ओपीएल में आरसीबी से खेलते हुए 18 रन बनाए थे.

हॉकी इंडिया पुरस्कार : हार्दिक-टेटे ने साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड जीता

इनाम में मिले 25-25 लाख रुपये

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान और मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने हॉकी इंडिया अवॉर्ड्स में पुरस्कारों की झड़ी लगा दी। इस कड़ी में उन्होंने पीआर श्रीजेश, हरमनप्रीत सिंह और मनप्रीत सिंह जैसे कई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। हार्दिक ने साल 2023 के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। महिलाओं की श्रेणी में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड सलीमा टेटे ने जीता।

हार्दिक और सलीम को बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार दिया गया। साथ ही 25-25 लाख रुपये भी दिए गए। इतना ही नहीं, हार्दिक ने साल (2023) के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर होने के लिए अजीत पाल सिंह अवॉर्ड भी जीता। उन्हें इनाम के तौर पर पांच लाख रुपये भी मिले।

हरमनप्रीत सिंह सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुने गए

भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरममप्रीत सिंह सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुने गए और उन्हें परगट सिंह अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें भी इनाम के तौर पर पांच लाख रुपये दिए गए। वहीं, भारत के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश को साल का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। उन्हें बलजीत सिंह गोलकीपर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। श्रीजेश ने इस मामले में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया को पीछे छोड़ा।

अभिषेक सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड खिलाड़ी

बेस्ट फॉरवर्ड खिलाड़ी के लिए धनराज पिल्लै अवॉर्ड युवा स्ट्राइकर अभिषेक ने जीता। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारे (पुरुष) के लिए जुगराज सिंह पुरस्कार अरायजीत सिंह हुंडल ने जीता। वहीं, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारे (महिला) के लिए असुंता लाकड़ा पुरस्कार दीपिका सोरेंग को मिला। ये अंडर-21 हॉकी खिलाड़ियों के लिए हैं। दोनों विजेता खिलाड़ियों को इनाम के तौर पर 10-10 लाख रुपये मिले।

अशोक कुमार को ध्यानचंद पुरस्कार

इस समारोह में शीर्ष पुरस्कार हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड का रहा, जिसे उनके (ध्यानचंद) बेटे अशोक कुमार ने जीता। अशोक को 30 लाख रुपये से सम्मानित किया गया। इस साल के लिए कुल इनामी राशि 7.56 करोड़ रुपये की थी।

हार्दिक और सलीमा ने क्या कहा?

हार्दिक ने सम्मानित होने के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि जब आप कोई व्यक्तिगत पुरस्कार जीतते हैं तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है लेकिन यह हमारा पेशा है। हम साल में 300 दिन हॉकी जीते हैं और इन उपलब्धियों को हासिल करने के कारण ही जब किसी व्यक्तिगत खिलाड़ी को इस तरह की प्रशंसा मिलती है, तो उसे पता होना चाहिए कि पूरी टीम उस पर भरोसा कर रही है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं अच्छा कर रहा हूं, लेकिन हमारा मुख्य ध्यान टीम पर है क्योंकि हॉकी एक टीम गेम है।'

वहीं, सलीमा ने कहा कि यह सम्मान उन्हें देश के लिए और

अधिक सम्मान अर्जित करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा- जब भी मुझे भारतीय जर्सी पहनने और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए मैदान पर उतरने का मौका मिलता है तो यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह पुरस्कार मुझे हर दिन और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा ताकि मैं आगे भी अच्छा प्रदर्शन कर सकूं और देश को गर्व महसूस करा सकूं।

समारोह की ऐसे हुई शुरुआत

समारोह की शुरुआत माइलस्टोन अवाड्र्स 2023 से हुई, जिसमें विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक, नीलकंठ शर्मा, सुमित, कृष्ण बहादुर पाठक, उदिता, सलीमा और गुरजंत सिंह ने 100 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी जीती। निक्की प्रधान, अमित रोहिदास, ललित कुमार उपाध्याय और नेहा को भी 150 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए 1.5 लाख रुपये और एक ट्रॉफी प्रदान की गई।

इन खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

हरमनप्रीत सिंह को 200 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए दो लाख रुपये और एक ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता को 250वीं कैप हासिल करने के लिए एक ट्रॉफी के साथ 2.5 लाख रुपये दिए गए। श्रीजेश को 300वीं अंतरराष्ट्रीय कैप अर्जित करने के लिए एक ट्रॉफी के साथ तीन लाख रुपये दिए गए।

पिछले साल, स्ट्राइकर वंदना कटारिया अपनी 300वीं अंतरराष्ट्रीय कैप अर्जित करने वाली पहली भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी बनीं और इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्हें ट्रॉफी के साथ तीन लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया। 350 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए मनप्रीत सिंह को 3.5 लाख रुपये और एक ट्रॉफी प्रदान की गई।

व्यक्तिगत उपलब्धि पुरस्कारों की दूसरी श्रेणी में, दीपिका, मोहित एचएस, अन्नू, अंजलि बरवा, मनिंदर सिंह, दीपिका सोरेंग, मनदीप सिंह, सलीमा, संगीता कुमारी और हरमनप्रीत सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

सविता, जिन्हें दिसंबर में एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया था, को पांच लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, जबकि हार्दिक जिन्हें एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया था, उन्हें 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

इन्हें भी सम्मान मिला

जूनियर एशिया कप 2023 की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय जूनियर पुरुष और महिला टीमों को भी सम्मानित किया गया, प्रत्येक खिलाड़ी को दो-दो लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिला और सहयोगी स्टाफ के सभी सदस्यों को एक-एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिला। एचआई ने हॉकी 5एस एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीमों - पुरुष और महिला - को भी सम्मानित किया। प्रत्येक खिलाड़ी को दो-दो लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया, जबकि सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को एक-एक लाख रुपये दिए गए।

हांगझोऊ में शानदार प्रदर्शन का इनाम

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय पुरुष टीम और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 की स्वर्ण पदक विजेता महिला टीम को प्रत्येक खिलाड़ी के लिए तीन लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के लिए 1.5 लाख रुपये से सम्मानित किया गया।

रतीय पुरुष टीम को 19वें एशियाई खेल हांगझोऊ 2022, चीन में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रदर्शन के लिए भी सम्मानित किया गया। प्रत्येक खिलाड़ी को पांच लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के लिए 2.5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इसी टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला टीम को प्रत्येक खिलाड़ी को तीन लाख रुपये और स्टाफ को 1.5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया।

चुनाव आचार संहिता को सख्ती से लागू करने का निर्देश

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांतिकुमारी ने अधिकारियों को राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए चुनाव आचार संहिता को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। आदर्श आचार संहिता लागू होने पर सोमवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर ने तेलंगाना राज्य सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति, जांच चौकियों पर जब्त नकदी और मतदाताओं को प्रभावित करने वाली अन्य वस्तुओं के बारे में जानकारी ली। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को बेगमपेट के अलावा शमशाबाद हवाईअड्डे पर भी जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार पड़ोसी राज्यों में चुनाव होने पर सीमावर्ती जिलों में शुष्क दिवस अधिसूचित किया जाना चाहिए। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को तस्करों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गुप्त मार्गों की पहचान करने का निर्देश दिया ताकि बरामदगी में मदद के लिए निगरानी बढ़ाई जा सके। डीजीपी रविगुप्ता ने कहा कि सभी पड़ोसी राज्यों के साथ अंतरराज्यीय बैठकें की गई हैं और राज्य में 85 सीमा जांच चौकियां स्थापित की गई हैं। अधिकारियों ने सीएस को बताया कि एकीकृत जांच चौकियों, उड़न दस्तों और स्थैतिक निगरानी टीमों ने सतर्कता बढ़ा दी है, जिसके परिणामस्वरूप चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद से एक पखवाड़े में लगभग 35 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद, एकीकृत सीमा जांच चौकियों के माध्यम से वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा बढ़ती निगरानी के परिणामस्वरूप, वाणिज्यिक कर विभाग ने 5.19 करोड़ रुपये जब्त किये। आयुक्त टी.के.श्रीदेवी ने कहा कि वाणिज्यिक कर विभाग ने राज्य के अंदर और बाहर जाने वाले माल की भी मैपिंग कर ली है, जिसके परिणामस्वरूप अपराधियों को पकड़ना आसान हो गया है, साथ ही प्रभावित करने वाले माल के विनिर्माण और व्यापार गोदामों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। बैठक में वाणिज्यिक कर एवं उत्पाद शुल्क विभाग के विशेष प्रमुख सचिव सुनील शर्मा, गृह विभाग के प्रमुख सचिव जितेंद्र, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी महेश भागवत, संजय जैन, परिवहन, सड़क एवं भवन विभाग के प्रमुख सचिव श्रीनिवास राजू, परिवहन विभाग के आयुक्त बुद्ध प्रकाश ज्योति, आयुक्त आबकारी श्रीधर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एपी टीडीपी नेता के घर पहुंची तेलंगाना पुलिस!

गिरफ्तारी के डर से हो गए फरार..?

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस नंदयाला जिले नंदीकोटकुर मंडल के अल्लूर में टीडीपी नेता और पूर्व आईपीएस शिवानंद रेड्डी के घर गई। पता चला है कि सीसीएस पुलिस भूमि विवाद मामले में शिवानंद रेड्डी को गिरफ्तार करने गयी थी। इस मौके पर शिवानंद रेड्डी ने पुलिस से पहले नोटिस देने को कहा। जब तेलंगाना पुलिस नोटिस तैयार कर रही थी, शिवानंद रेड्डी कार में बैठे और चले गए।

हैदराबाद पुलिस ने तुरंत शिवानंद रेड्डी को रोकने की कोशिश की। लेकिन शिवानंद रेड्डी बिना पता चले भाग निकले। वहीं, उनके समर्थकों ने पुलिस को कार से निकलने से रोकने के लिए गेट लगा दिया। दूसरी ओर, यह जानने के बाद कि पुलिस हैदराबाद में भूमि विवाद मामले में उन्हें गिरफ्तार करने आई है, टीपीपी रैंक के लोग शिवानंद रेड्डी के बड़े घर पर पहुंच गए।

चेकिंग के दौरान अब तक 3,28,66,780 नकद जब्त : जिला निर्वाचन अधिकारी

122 मामले दर्ज और 2144 लाइसेंसी हथियार जमा

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज ने कहा कि लोक सभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव नियमों के कार्यान्वयन के तहत अब तक जिले में 3 करोड़ 28 लाख 66 हजार 780 रुपये नकद जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 13 लाख 83 हजार 642 रुपये की अन्य वस्तुएं भी जब्त की गईं। उन्होंने बताया कि 18,752.83 लीटर शराब जब्त की गई और 122 मामले दर्ज किए गए और 2144 लाइसेंसी हथियार जमा किए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रोज ने बताया कि रविवार सुबह 6 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान विभिन्न प्रवर्तन टीमों द्वारा निरीक्षण के दौरान कुल 9,54,20 रुपये जब्त किये गये। उडनदस्ते द्वारा 3,38,200 रुपये, पुलिस विभाग द्वारा 6,16,00 रुपये नकद व 5,17,254 रुपये के अन्य सामान संबंधी 11 शिकायतों पर कार्यवाही कर जब्त किया गया तथा 5 प्रकरणों की जांच कर निराकरण किया गया और एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने बताया कि 94.14 लीटर अवैध शराब पकड़ने पर तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और तीन को गिरफ्तार किया गया है।

पूर्व मंत्री हरीश राव ने मंच पर पढ़ा हनुमान चालीसा

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरंगल में भाजपा की आलोचना करने वाले पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव ने मंच पर हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी के लोग राम मंदिर की बात करते हैं तो हम भी हनुमान चालीसा पढ़ेंगे। चाहे बीजेपी को हनुमान चालीसा का पाठ आये या नही,लेकिन वे मंच पर ही इसे पढकर सुनाएंगे। उन्होंने हनुमान चालीसा का कुछ भाग पढ़ा, इसके साथ ही पूरा सभा कक्ष तालियों से गूंज उठा। हरीश राव ने कहा कि वह 2 मिनट में पूरी हनुमान चालीसा पढ़ेंगे। सुबह उठें तो बिना हनुमान चालीसा पढ़े, बिना पूजा किए घर से बाहर नही निकलते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि ईश्वर सबके लिए है और जो ईश्वर में विश्वास करेगा वह सबको आशीर्वाद देगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने, रुपये का अवमूल्यन करने, भुखमरी, गरीबी और बेरोजगारी बढ़ाने के अलावा कुछ नहीं किया है। हरीश राव ने आरोप लगाया कि केवल विपक्ष के खिलाफ सीबीआई और ईडी के मामले बढ़े हैं और बाकी सभी कम हो गए हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय ने पदभार संभाला

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वार्ष्णेय, विशिष्ट सेवा मेडल ने सोमवार को मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई), सिकंदराबाद के कमांडेंट और ईएमई कोर के 75वें कर्नल कमांडेंट के रूप में पदभार संभाला। जनरल ऑफिसर पहली पीढ़ी के सेना अधिकारी हैं और एक प्रोफेसर के बेटे हैं, जो गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में पढ़ाता था। कमान संभालने से पहले, जनरल वार्ष्णेय ने 1 ईएमई सेंटर सिकंदराबाद में ईएमई युद्ध स्मारक पर बहादुर आत्माओं को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। एमसीईएमई का कार्यभार संभालने से पहले, वह वडोदरा में ईएमई स्कूल के कमांडेंट थे। जनरल वार्ष्णेय राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने वेलिंगटन में प्रतिष्ठित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, आर्मी वॉर कॉलेज में उच्च कमान पाठ्यक्रम और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में लोक प्रशासन में उन्नत व्यावसायिक कार्यक्रम में भाग लिया है।

उन्होंने कारगिल युद्ध के दौरान श्रीनगर में एक कार्यशाला की कमान संभाली, राजस्थान के रेगिस्तान में एक बटालियन की कमान संभाली, जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात एक कोर में सभी हथियार प्लेटफार्मों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार रहे और बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के लिए बेस मरम्मत सुविधा के प्रबंध निदेशक और कमांडेंट रहे। उनके पास डीआईए में अंतरिक्ष आधारित तकनीकी खुफिया के प्रभारी ब्रिगेडियर के रूप में त्रि-सेवा कार्यकाल और आर्मी वॉर कॉलेज में भी कार्यकाल था। जनरल ऑफिसर कमांडर बेस वर्कशॉप ग्रुप के रूप में सभी आर्मी बेस रिपेयर फैसिलिटीज के सीईओ ग्रुप मुख्यालय भी थे और अतिरिक्त महानिदेशक ईएमई के रूप में सेना मुख्यालय में इक्विपमेंट सस्टेनेंस वर्टिकल का नेतृत्व भी कर चुके हैं। अपनी सैन्य योग्यताओं के अलावा, जनरल वार्ष्णेय के पास विभिन्न क्षेत्रों-प्रौद्योगिकी, व्यवसाय प्रशासन, रक्षा अध्ययन, सामाजिक विज्ञान और रणनीतिक प्रबंधन में पांच मास्टर डिग्री हैं। लेफ्टिनेंट जनरल वार्ष्णेय आर्मी वॉर कॉलेज, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, मिलिट्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नेवल वॉर कॉलेज, गतिशक्ति यूनिवर्सिटी, सीपीडब्ल्यूडी ऑफिसर्स एकेडमी, रेलवे स्टाफ कॉलेज, आईटीएम यूनिवर्सिटी और विभिन्न प्रबंधन संस्थानों में रणनीतिक और प्रबंधन से संबंधित विषयों पर देश भर में काफी चर्चित वक्ता हैं। एमसीईएमई की कमान संभालने पर जनरल वार्ष्णेय ने एमसीईएमई के सभी रैंकों, वीर नारियों, दिग्गजों और रक्षा नागरिक कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी ईएमई कर्मियों से प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध होने और राष्ट्र और सेना की सेवा के लिए पूर्ण समर्पण के साथ काम करने का आह्वान किया।

केटीआर ने ट्विटर पर किया वादा निभाया!

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री केटीआर ट्विटर (एक्स) पर किसी को आश्वासन देते हैं, तो निश्चित रूप से वे अपना वादा पूरा करेंगे। ट्विटर पर उनके नवीनतम बयान के अनुसार, केटीआर ने आज नलगोंडा जिलों में एक किसान से मुलाकात की। एक वीडियो में, किसान मल्लैया ने कहा कि उनकी सारी फसलें सूख गई हैं और वे कर्ज में डूबे हुए हैं, और जब तक केसीआर थे, किसान अच्छे हालात में थे।

हाल ही में, केटीआर ने एक्स पर पोस्ट किया कि वह किसान मल्लैया के वीडियो से प्रभावित हुए हैं। वह नलगोंडा आने पर मल्लैया से निश्चित रूप से मिलेंगे? अपना वादा निभाते हुए पूर्व मंत्री केटीआर ने आज नलगोंडा जिले के मुशामपल्ली गांव में रायथु मल्लैया से मुलाकात की। इस मौके पर केटीआर ने किसान को आश्वासन दिया कि वे उसकी मदद की भरसक कोशिश करेंगे।

परीक्षा केंद्रों पर शी टीमों ने डिकॉय ऑपरेशन किया

छात्राओं को परेशान करने वाले 22 गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के रामागुंडम पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत कक्षा 10 के परीक्षा केंद्रों पर छात्राओं को परेशान करने वाले 22 गुंडों को शी टीम डिकॉय ऑपरेशन द्वारा रंगे हाथों पकड़ा गया और उनके पास से 10 मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। 13 वयस्कों और नौ नाबालिगों के खिलाफ विभिन्न पुलिस स्टेशनों में मामले दर्ज किए गए। उनके परिवार के सदस्यों की काउंसलिंग की गई और चेतावनी दी गई। पुलिस ने कहा है कि अगर किसी भी छात्रा को मनचलों द्वारा परेशान किया जाता है तो तुरंत 100 डायल करें और रामागुंडम शी टीम नंबर 6303923700 पर सूचना फोन या व्हाट्सएप से दी जा सकती है।

आरोग्यश्री का लंबित बकाया भुगतान करने की मांग

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को एक याचिका में, तेलंगाना आरोग्यश्री नेटवर्क हॉस्पिटल्स एसोसिएशन ने आरोग्यश्री हेल्थ केयर ट्रस्ट से भुगतान में देरी के कारण नेटवर्क अस्पतालों के सामने आने वाली गंभीर वित्तीय स्थिति पर प्रकाश डाला।

भुगतान में देरी के कारण अस्पतालों को कर्मचारियों के वेतन और आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान सहित अपनी परिचालन लागत को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। एएचसीटी से कई विलंबित भुगतानों के कारण सभी नेटवर्क अस्पताल भारी वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। अस्पताल पिछले 5 से 6 महीनों से अपने कर्मचारियों के वेतन और विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान करने में भी असमर्थ हैं।

2007 में स्थापित, आरोग्यश्री योजना तेलंगाना में स्वास्थ्य देखभाल पहुंच की आधारशिला रही है, जो समाज के वंचित वर्गों को महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करती है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में कम पैकेज दरों और भुगतान में देरी के कारण नेटवर्क अस्पतालों पर दबाव बढ़ गया है, जिससे कई अस्पताल बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं।

तेलंगाना आरोग्यश्री नेटवर्क हॉस्पिटल्स एसोसिएशन ने अस्पतालों पर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए लंबित भुगतानों को शीघ्र जारी करने का आग्रह किया, जिसमें वर्तमान में लगभग एक वर्ष की देरी हो गई है।

पैकेज दरों में वृद्धि : एसोसिएशन ने आरोग्यश्री योजना के तहत अस्पतालों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा सामग्री, दवाओं और कर्मियों की बढ़ती लागत को प्रतिबिंबित करने के लिए उपचार दरों में संशोधन का आह्वान किया।

एसोसिएशन ने वैध कारणों के बिना रद्द या अस्वीकार किए जाने वाले मामलों पर चिंता जताई, पारदर्शिता की आवश्यकता और सहमत पैकेज शर्तों के पालन पर जोर दिया।

जैसा कि तेलंगाना आरोग्यश्री नेटवर्क हॉस्पिटल्स एसोसिएशन ने आरोग्यश्री नेटवर्क अस्पतालों में व्याप्त वित्तीय संकट को दूर करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है, हितधारक समाज के सबसे कमजोर वर्गों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं।

जीआरपी सिकंदराबाद ने 37 लाख की बेहिसाब नकदी जब्त की

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एडीजीपी, रेलवे एवं सड़क सुरक्षा, तेलंगाना महेश एम भागवत के निर्देशानुसार बी.सईश्वर गौड़, आईआरपी/एससी ने अपने स्टाफ के साथ आरपीएफ स्टाफ के साथ समन्वय में आम एमपी चुनावों के मद्देनजर चेकिंग की। इस बीच पुलिस टीम ने पी लक्ष्मण राम, निवासी कांचीपुरम, तमिलनाड को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर मध्य फुट ओवर ब्रिज पर रोककर पूछताछ की। उसके बैग की गहनता से जांच करने पर 37 लाख 50 हजार रुपये बरामद हुआ। पूछताछ करने पर उसने कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाया और अपनी नकदी के बारे में उचित जवाब भी नहीं दिया। तुरंत ही एसएचओ ने इस मामले की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी और रिटर्निंग ऑफिसर, सनत नगर को सूचित किया। इसलिए जब्त की गई नकदी को आगे की कार्रवाई करने के लिए उचित पावती के तहत आयकर विभाग, आयकर भवन, हैदराबाद को सौंप दिया गया है।

सुराराम में युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 1 अप्रैल(स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को सुराराम में एक 30 वर्षीय व्यक्ति ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। पीड़ित की पहचान राजीव गृहकल्प बिल्डिंग के निवासी दत्ता के रूप में हुई है, जिसने सोमवार सुबह लगभग 4.30 बजे घरेलू मुद्दों पर अपनी पत्नी से झगड़ा किया और कथित तौर पर अपनी कलाई काट ली। पुलिस ने कहा, इसके बाद, दत्ता बेडरूम में चला गया, अंदर से दरवाजा बंद कर लिया और छत के पंखे से लटक गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है। व्यक्ति के परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि दत्ता, पिछले कुछ दिनों से असामान्य व्यवहार कर रहे थे और हो सकता है कि उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अपना जीवन समाप्त कर लिया हो।

कजाकिस्तान के मानद कांसुलर डॉ. नवाब मीर नासिर अली खान को सम्मान पदक

तमिलनाडु के राज्यपाल थिरु आर.एन. रवि ने प्रदान किया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मानद कांसुलर कोर डिप्लोमैटिक (एचसीसीडी) भारत, भारत और विदेश में मानद कांसुलर अधिकारी शामिल हैं और एफ.आई.सी.ए.सी. से संबद्ध हैं। (वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ कंसल्स), तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए कजाकिस्तान गणराज्य के मानद वाणिज्यदूत महामहिम डॉ. नवाब मीर नासिर अली खान को प्रतिष्ठित मेडल ऑफ ऑनर 2024 से सम्मानित किया गया। पदक औपचारिक रूप से तमिलनाडु के राज्यपाल थिरु आर.एन. रवि द्वारा आज आईटीसी ग्रैंड चोल, चेन्नई में एक शानदार समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर के.एल. गंजू, अध्यक्ष, एचसीसीडी और पुरषोत्तम भगेरिया, महासचिव, एचसीसीडी, अन्य लोगों के साथ इस अवसर पर उपस्थित थे। यह पदक भारत में कांसुलर गतिविधियों में प्रदान की गई उनकी उत्कृष्ट सेवाओं की मान्यता में प्रदान किया गया था। वर्ष 1995 में स्थापित, मानद कांसुलर कोर डिप्लोमैटिक-इंडिया (एचसीसीडी-इंडिया) का उद्देश्य भारत और विदेशों में मानद कांसुलर अधिकारियों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना और मजबूत करना है। सूचना, विचारों और सुझावों के आदान-प्रदान के माध्यम से, एचसीसीडी-इंडिया अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मानद महावाणिज्यदूतों और मानद महावाणिज्यदूतों की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास करता है। आईटीसी ग्रैंड चोल में कांसुलर दिवस समारोह में देश के अभिजात वर्ग और अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी का प्रतिनिधित्व करने वाली एक प्रतिष्ठित सभा एकत्र हुई। इसने राष्ट्रों के बीच राजनयिक संबंधों, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने में मानद कौंसल के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करने और सराहना करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

किराना स्टोर में गांजा बेचने के आरोप में महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 अप्रैल(स्वतंत्र वार्ता)। नानकरामगुडा में एक किराने की दुकान पर कथित तौर पर गांजा बेचने वाली एक महिला को साइबराबाद पुलिस ने रविवार रात गिरफ्तार कर लिया।

गचीबोवली के नानकरामगुडा की रहने वाली महिला अनुराधा बाई (39) कथित तौर पर कुछ लोगों से प्रतिबंधित पदार्थ खरीद रही थी। डीसीपी डी श्रीनिवास ने कहा, वह इसे छोटे पाउच में पैक कर रही थी और ग्राहकों को बेच रही थी। एक गुप्त सूचना पर स्पेशल ऑपरेशन टीम ने महिला को पकड़ लिया और उसके पास से करीब 300 ग्राम तस्करी का सामान जब्त किया।

कोणार्क एक्सप्रेस से भारी मात्रा में गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एडीजीपी, रेलवे एवं सड़क सुरक्षा, तेलंगाना महेश एम भागवत के निर्देशों के अनुसार रेलवे पुलिस अधीक्षक सिकंदराबाद शेख सलीमा की देखरेख में के. शंकरय्या, पुलिस एसआई, विकाराबाद के साथ आरपीएस विकाराबाद के बी. शिवराज, सीआईबी, सिकंदराबाद में त्रिमुरथुलु एसआई/आरपीएफ और उनके कर्मचारी तलाशी और जांच कर रहे थे। ट्रेन नंबर 11020 कोणार्क एक्सप्रेस लगभग सवा तीन बजे विकाराबाद रेलवे स्टेशन से गुजरने के बाद बी-6 कोच में एक बी-6 कोच का बेड रोलर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पुलिस टीम ने उससे बी-6 कोच के बेड रोल केबिन का ताला खोलने का अनुरोध किया। पुलिस को दो काले रंग के बेड रोलर मिले और केबिन में पिंक कलर के डिजाइन वाले शोल्डर बैग भी मिले। इन दो बैगों में गांजा के 7 बंडल मिले, जो भूरे रंग के टेप में लिपटे हुए हैं, जिनका वजन 2 किलोग्राम है, प्रत्येक का कुल वजन 14 किलोग्राम है। गिरफ्तार आरोपियों मनोज परमार व अनिल उपाध्याय ने कबूल किया है कि उनकी कम कमाई के कारण वे गांजा को मुंबई ले जाने के लिए आकर्षित हुए थे। बीते 30 मार्च को लगभग शाम छह बजे जब ट्रेन बरहामपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो बी-6 कोच में एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया और पेशकश कि अगर वे गांजा लेकर मुंबई ले जाएंगे तो प्रत्येक व्यक्ति को 25 हजार मिलेगा। ऑफर से आकर्षित होकर बी6 कोच बेड रोलर केबिन में रखे दोनों बैग ले लिए और ताला लगा दिया। विकाराबाद पुलिस के एसआई ने आरपीएफ स्टाफ की मदद से आरोपी को ट्रेन नंबर 11020 कोणार्क एक्सप्रेस में पकड़ लिया और तांडूर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर उतार दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.